हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

26 मार्च, 1981

खंड 1 अंक 14

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार 26 मार्च 1981

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(14)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(14)19
अतारांकित प्र ान एवं उत्तर	(14)23
औचित्य प्र न	
जेल कमी ान की रिपोर्ट सम्बन्धी	(14)31
ध्यानाकर्शण सूचना–	
कलवाड़ गांव में रामसिंह नामक आदमी की बहादुरी के काम में मृत्यु हो जाने पर उसके घरवालों को मुआवजा दैने सम्बन्धी	(14)33
ओलौं तथा तेज हवा से नुकसान हुई फसलों का मुआवजा देने का प्र न	(14)35
नेमिग आफ मैंबर	(14)37
नियम 104 का निलम्बन	(14)39
वाक आउट	(14)50
चोधरी गंगा राम, एम0एल0ए0 का निलम्बन	(14)50
वाक आउट	(14)54

गैर–सरकारी बिल–	
(क) प्रस्तुत करने की अनुमति (प्रस्ताव वापिस लेना) –	
1. दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिगं) बिल, 1981	(14)54
2. दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिगं) बिल, 1981	(14)54
(ख) पहले से प्रस्तुत कियागया विधेयक (विधेयक वापिस लेना)–	
दि पंजाब ग्रम पंचायत(हरियाणा अमेंडमेंट) बिल, 1980	(14)57
वर्श 1981–82 के बजट की डिमान्डज फार ग्रान्टस पर चच्र तथा मतदान	(14)57
वाक आउट	(14)75
वर्श 1981–82 के बजट की डिमान्डज फार ग्रान्टस पर चच्र तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(14)75
राज्यपाल का संदे ा	(14)87
वर्श 1981–82 के बजट की डिमान्डज फार ग्रान्टस पर चच्र तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(14)87

हरियाणा विधान सभा

वीरवार 26 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़, में. प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होगें।

Making English optional subject

***2237. Swami Agnivesh:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the government to make English an optional subject in the schools in the State; and

(b) the number of children in the age group of 6 to 14 years in Haryana who are deprived of the right of education due to poverty etc. together with the steps being taken by the government to impart them education.

ि ाक्षा मंत्री (चौधरी देस राज):

(क) नहीं।

(ख) 6–14 आयु वर्ग के 9.68 लाख जिन में 2.89 लाख हरिजन बच्चे भी भाामिल है , स्कूलों में दाखिल नहीं है। बच्चों को दाखिल करने हेतू सरकार निम्नलिखित पग उठा रही है:–

1. मास मिडिया के माध्यम से छात्रवृति अभियान।

2. स्कूल से बाहर बच्चों के लिये अनौपचारिक ि ाक्षा केन्द्रो की व्यवस्था।

3. स्कूल में बच्चों को लाने/रखने के लिये दिये गये/दिये जा रहे प्रोत्साहन।

(i) हरिजन छात्राओं को मुफत वर्दियों का वितरण।

(ii) हरिजन छात्राओं को उपस्थिति छात्रवृत्तियां (पुरस्कार)

(iii) अनूसुचित जातियों तथा कमजोर वर्गो के बच्चों को पढने लिखने की सामग्री का वितरण।

4. दोपहर का भोजन देने की व्यवस्था।

5. आठवीं श्रेणी तक निः ाुल्क ि ाक्षा।

स्वामी अग्निवे ा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कहा कि राज्य के स्कूलों में अंग्रेजी को ऐच्छिक विशय बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ओर न ही कोई मामला विचाराधीन है। मैं मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि मध्य प्रदे ा, राजस्थान, यू0पी0 और बिहार की स्टेटों में अंग्रेजी भाशा को ऐच्छिक विशय बनाया हुआ हैं अगर कोई चाहता है तो अंग्रेजी पढे अगर नहीं पढना चाहता तो हिन्दी पढ सकता है। इसी तरह से हरियाणा में भी होना चाहिये। हरियाणा एक हिन्दी भाशी राज्य है, तथा इसमें अंग्रेजी को ऐच्छिक विशय बनाने में सरकार को क्यों आपत्ति आ रही है?

चौधरी देस राज: अध्यक्ष महोदय, स्व0ामी जी खुद अंग्रेजी पढे हुये है और बच्चों को अंग्रेजी भी पढाते रहे है। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि लैंग्वेजिज के मामले मेूं ने ानल पालिसी को ध्यान में रखना पडता हैं लिंग्विस्टिक पालिसी गवर्नमेंट आफ इंडिया ने बनाई हुई है। अगर हम अंग्रेजी को औप ानल सबजैक्ट बनायेगें तो हमारे बच्चे मेन स्ट्रीम में दूसरों से पीछे रह जायेगें। ने ानल पालिसी क तहत अंग्रेजी को औप ानल सब्जैक्ट नहीं बनाया जा सकता।

Mr. Speaker: Is it a compulsory subject?

चौधरी देसराज: छठी कलास से 10वीं क्लास तक अंग्रेजी कम्पलसरी सब्जैक्ट है।

स्वामी अग्निवे ा: स्पीकरसाहब, मंत्री महोदय ने कहा है कि अगर अंग्रेजी को औप नल सब्जैक्ट बनायेगें तो हम मेन स्ट्रीम से पीछे रह जायेगें लेकिन मैं उन्हे बताना चाहता हूं कि यू0पी0एस0सी0 में जहां अंग्रेजी कम्पलसरी हुआ करती थी, उनहोने भी हिन्दी को सम्मान देने के लिये अंग्रेजी भाशा के उपर कम्पल ान हटा दी तो हरियाणा सरकार क्यों नहीं हटा सकती? असके अतरिक्त मध्य प्रदे ा, राजस्थान, यू0पी0 और बिहार जैसी स्टेटस ने अंग्रेजी भाशा को कम्पलसरी नहीं किय है और न ही उनको कोई समस्या पैदा हो रही है। हरियाणा प्रदे ा हिन्दी भाशी राज्य होते हूये भी न जाने यहां पर क्यों समस्या पैदा हो रही है? मेरे विचार में तो हरियाणा को सबसे पहले पहल करनी चाहिये थी ताकि हिन्दी को प्रोत्साहन मिल सके।

चौधरी देस राज: अध्यक्ष महोदय, यू0पी0एस0सी0 ने जो कुछ यिका है वह लिग्विस्टिक पालिसी के तहत किया है और उस पलिसी के तहत जो कैंडीडेट इंग्लि ा में इम्तिहान देना चाहे वह अब भी दे सकता है।

चौधरी संत कंवर: स्पीकर साहब, हरियाणा में अंग्रेजी छठी क्लास से भुरू होती हे क्योंकि इससे आगें पढने के लिये अंग्रेजी पढनी जरूरी हैं पहली क्लास से पांचती क्लास तक अंग्रेजी ऐच्छिक सब्जैक्ट है लेकिन इसके दूसरी तरफ पब्लिक स्कूलो में पहली क्लास से अंग्रेजी पढाई जाती है। सरकारी स्कूलों में चूंकि छठी क्लास से अंग्रेजी पढाढ जाती है इसलिये कम्पीटी ान में

हरियाणा के बच्चे पब्लिक स्कूलों के बच्चों के मुकाबले हमे ाा पीछे रहते है। क्या सरकार हरियाणा के स्कूलों के बच्चों को पब्लिक स्कूलों के मुकाबले मे लाने के लिये अंग्रेजी भाशा को प्राइमरी क्लासिज में कम्पलसरी करेगी?

चौधरी देस राजः यहां पर नै ानल पालिसी कासवाल है और उसके मुताबिक छठी क्लास से अंग्रेजी कम्पलसरी है , प्राइमरी क्लासिज में नहीं हैं (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अगर कोई प्राइमरी क्लासिज में अंग्रेजी पढना चाहे तो उस पर कोई रोक तो नहीं है।

चौधरी देस राजः कोई रोक नहीं है। (व्यवधान)

चोधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, रूल्ज एंड रैगूले ान्ज में ऐसी व्यवस्था नहीं हैं।

श्री अध्यक्षः मैंबर साहब का सवाल पूछने का मतलब है कि क्या पहली क्लास से अंग्रेजी कम्पलसरी करने की व्यवस्था हो सकती है या नहीं?

चौधरीदेस राजः स्पीकर साहब, स्वामी जी चाहते है कि अंग्रेजी की औप ानल सब्जैक्ट बनाया जाये ओर चौधरी सतं कवंर जी कहते है कि अंग्रेजी को कम्पलसरी सब्जैक्ट बनाया जाये , इस पर अब मैं कया कहूं। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा कि राश्ट्रीय नीति के कारण अंग्रेजी को ऐच्छिक विशय नहीं बना सकते। क्या मंत्री जी यह नहीं समझते कि हरियाणा के विकास के लिये अंग्रेजी को ऐच्छिक विशय बना दिया जाये? अंग्रेजी भाशा होने के कारण हमारे लडके पएाई में आगे नहीं निकल सकते। हिन्दी पढने से कम्पीटि ान में आगे निकल सकते है ओर दफतर का काम काज हिन्दी में आसानी से कर सकते है। सरकार को चाहिये कि हिन्दी में काम काज करने के लिये लोगों का `हिन्दी सीखने के लिये प्रोत्साहन दें। (व्यवधान)

चोधरी देस राजः यह तो आलरेडी हो रहा है ओर दफतरों में बहुत सा काम हिन्दी में हो रहा है।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय, ने अपने जवाब में कहा कि 6 से 14 एज ग्रुप के लडके 9.68 लाख हे जो स्कूलों में नहीं पढ रहे है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि सारे हरियाणा में 6 से 14 एज ग्रुप के कुल कितने लडके है?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में इस एज–ग्रुप के लडके कुल 26.21 लाख है जिन में से 16.3 लाख लडके स्कूलों में पढ रहे है और 9.68 लाख स्कूलो में नही पढ रहे और हमारी कोि ा ा है कि ये स्कूलों में पढने के लिये आयें इसके लिजय हम बराबर प्रयास कर रहे है। इसी प्रयास के माध्यम सक हम इनको तरह–2 की छात्रवृतियों, स्कूलों में खाने का

प्रलोभन और पहनने के लिये वर्दियों का इन्तजाम कर रहे है। हमारी कोि ा ा है कि सैन्ट पर सैन्ट लडके स्कूलों में पढने के लिये आये।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने फिगर दी है कि 6 से 14 एज ग्रुप के लडके हरियाणा में इतने है और इतने स्कूलों में पढ रहे हैं क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि यह फिगर कौन सही जनगणना के आधार पर बताई है? दूसरा सप्लीमैंटरी में यह पूछना चाहता हूं कि पहली क्लास से लेकर पांचवी क्लास पूरी करने तक कितने लड़के ड्राप–आउट हो जाते है?

चोधरी देस राजः यह फिगर मैंने 31–12–80 तक दी है। जहां तक ड्रा–आउट की फिगर का ताल्लूक है, उसके लिये हर साल इम्तिहान होते है, कुछ पास हो जाते है, कुछ फेल हो जाते हैं । (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ये जो आंकड़े आपने दिये है, ये कहां से लिये है क्योकि 1980 मे तो सैंसिज हुई ही नहीं?

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, तालीम के लिये जो लडके स्कूलों में दाखिल होते है उससे हम अन्दाजा लगा लेते है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप यह कह सकते है कि इतने बच्चें स्कूलों में दाखिल है।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब मैंने सवाल पूछा था कि पांचवी क्लास तक कितने लडके ड्राप–आउट हो जाते है । अगर मंत्री महोदय के पास यह आकंडे है तो बता दे।

चौधरी देस राजः यह सैप्रेट क्वै चन है इसके लिये सैप्रेट नोटिस दे।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि क्या उनके पास इस तरह के आंकडे है कि अग्रेंजी सब्जैक्ट में फैल होने के कारण कितने लडके ऐसे है जो मैट्रिक की परीक्षा पास नहीं कर पाते? अध्यक्ष महोदय, अग्रेंजी कम्पलसरी सब्जैक्ट है, इसलिये फेल हो जाते है और मैट्रिक भी पास नहीं कर पाते। ये यह भी बतायें कि पहली क्लास से पांचवी पूरी करने तक ड्रा–आउट की क्या परसैंटेज है और ड्राप–आउट होने के कारण कितने लडके स्कूल छोड जाते है?

Mr. Speaker: I think it requires a separate notice. But if the Hon. Minister wants to give the reply, he may do so.

Chaudhri Des Raj: Sir, this requires a separate notice.

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, हमारे कितने ही बच्चे मैट्रिक नहीं कर पाते क्योंकि वे अंग्रेजी में फेल होते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि 6–14 वर्श की उम्र के 9.68 लाख बच्चे स्कूलों में नही

जा रहे हैं स्पीकर साहब, सरकार ने हरिजनों के बच्चों को तो कई सुविधायें दी है लेकिन हमारे प्रान्त में बहुत से लोग ऐसे है जो बिलो पावर्टी लाईन है। क्या हरिजनों के बच्चों की तरह उनके बच्चों को भी कोई सुविधा देने का सरकार काविचार है?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब आ चुका हैं उन्होने कहा है कि हरिजन गर्ल्ज को फ्री यूनिफार्म सप्लाई की जाती है। बाकी सबके लिये मिड–डे मील्ज ओर 8वीं तक फ्री ऐजुके ान हैं । (विघन)

चोधरी देस राजः स्पीकर साहब, इसका जवाब मैं दे चुका हूं हम मास मीडिया के थ्रू पब्लिसिटी करा रहे है कि हमारी स्टेट में पढने वाले बच्चों को फ्री मिड–डे मील्ज दी जाती है और 8वीं जमात तक कोई फीस नहीं ली जाती।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैने और बात पूछी थी।

श्री अध्यक्षः चोधरी साहब, इनका सवाल था कि जिस तरह से हरिजन बच्चों को फ्री युनिफार्म और रीडिंग मैटीरियल आदि दिया जाता है उसी तरह से दूसरे बिलो पावर्टी लाईन वाले लागों के बच्चों को वे सुविधायें कयो नहीं दी जाती?

चौधरी `दस राजः स्पीकर साहब, जवाब में लिखा हुआ है कि रीडिग एंउ राइटिंग मैंटीरियल ि ाडयूल्ड कास्टस ओर वीकर सैक ानज के बचचों को दिया जाता है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि हरिजन लडकियों को वजीफे दिये जाते है लेकिन अध्यक्ष महेादय फार्म तो अप्रैल में भरवा लिये जाते है परन्तु वजीफा मिलते मिलते 31 मार्च भी निकल जाता है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहुंगा कि सरकार बजाये इकट्ठा वजीफ

ा देने के हर महीन`क्यों नहीं दे देतीक्योकि इससे तो उनके सिर पर कर्जा और ब्याज चढता रहता है।

चौधरी देस राजः' अध्यक्ष महोदय, यह क्वै ान सैपरेट है। फिर भी माननीय सदस्य की सूचना के लिये मैं बता देता हूं कि हम हर मुमकिन कोि ा ा करते है कि जल्दी से जल्दी उन्हें वजीफा मिले। हरिजन लडकियों को जो वजीफा मिलता है वह हाजरी के हिसाब से मिलता है जिसके आंकडे इक्टठे करने में समय लगता है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मै ंतो यह जानना चाहता हूं कि वजीफा साल के आखिर में क्यों दिया जाता है, हर महीने क्यों नहीं दियाजाता ?

चौधरी देस राजः सारे आंकडे इकट्ठे किये जाते है। उसके बाद ही वजीफा दिया जाता है।

चौधरी भाकरूल्लाः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार स्कूल में बच्चों को उर्दू की भी तालीम देगी?

चौधरी देस राजः लाजमी तोर पर देगें।

श्री अध्यक्षः क्या प्राइमरी स्कूलों में उर्दू पढाने की व्यवस्था है?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, जिस स्कूल में उर्दू पढने वाले दस बच्चे हो जाएंगे वहां हम लाजमी तौर पर उर्दू की पढाई भाुरू करवा देगें।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, व्सामी जी ने बहुत महत्वपूर्ण प्र न पूछा है इसके जवाब में हमारे ि ाक्षा मंत्री जी ने कुछ फैक्टस हाउस के सामने रखे है ओर कहा है कि बच्चों ी संख्या स्कूलों में बढाने के लिये कई कदम उठाये गये है । अध्यक्ष महोदय, आर्थिक परिस्थिति की वजह से 14 वर्श से कम आयु के बहुत बच्चें होटलों और दुकानों पर नौकरी करने पर मजबूर होते है और वे स्कूलों में पढने के लिये नहीं जा सकते। क्या सरकार ऐसे बच्चों को ि ाक्षा दिलाने का कोई प्रबन्ध्या करेगी?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, ऐसे बच्चों को भी ि ाक्षा देने का हमने प्रावधान किया हुआ है। ऐसे बच्चाों की ि ाक्षा के लिये 3061 ऐजुके ान सैन्टर खुले हुये है। जो बच्चये स्कूल नही ंजा सकते वे इन सैटन्टर्ज मे तालीम प्राप्त कर सकते है।

श्री अध्यक्षः यह जो मिड–डे मील की सुविधा है क्या यह 6–14 एज ग्रुप के सैंट परसैंट बच्चों को मिल रही है?

चौधरी देस राजः सैंट परसैंट बच्चों को नही मिल रही है।

मास्टर ि ाव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि 6–14 आयु वर्ग के 9.68 लाख बच्चे स्कूलों में नही जाते। स्पीकर साहब, यह सख्ंया ज्यादा होगी क्योकि स्कूल के रजिस्टर में तो बच्चों के नाम होते है परन्तु वास्तव मे वे स्कूल नहीं जाते। होता यह है कि जब कभी किसी मिनिस्टर साहब ने दौरा पर जाना होता है तो बच्चों को पकड कर बैठा लेते है वरना आगे पीछे वे फिजिकली स्कूल में प्रैजैन्ट नहीं होते।

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, हमारी पुरजोर कोि ा ा है कि ज्यादा से ज्यादा बच्चें स्कूलों मे जाये। अगर इस तरह का कोई इंस्टांस मास्टर जी क`नोटिस में होक तो वे मुझे बता दें मैं चैक करवा लूंगा। (विघन)

मास्टर जोगी रामः स्पीकर साहब, पहली जमात से लेकर पांचवी जमात तक बच्चों को अंग्रेजी नही पढाई जाती । छठी जमात मेूं जाकर अंग्रेजी भाुरू होती है जिसकी वज से बच्चें अंग्रेजी में कमजोर रहेजाते है। कया सरकार अंग्रेजी की ि ाक्षा ऐच्छिक बनाने पर विचार रकेगी?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब आ चुका है।

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, जो आंकडे मंत्री महोदय ने बताये है उनके मुताबिक 26.21 लाख बच्चों मे से 9.68

लाख बच्चें सकूल नही जा रहे है। मतलब यह है कि एक तिहाई बच्चे आज हमारी ि ाक्षा प्रणाली का लाभ नहीं उठा पारहे है। अध्यक्ष महेादय, इसका कारण यह है कि वे बच्चे गरीबी के कारण होटलों मे काम करते है ताकि दोचार पैसे उनके माता पिता को मिल सके। इस बात को मद्देनजर रखते हुये क्या सरकार ि ाक्षा प्रणाली को इस प्रकार सं ाोधित करेगी कि वे बच्चे स्कूलों में जाकर कुछ न कुछ काम सीखें और जो उनके काम से उपार्जन हो वह बाद में बच्चों को दिया जाये? (विघन)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि बच्चे स्कूलों मे बहुम कम जाते हे। दरअसल यह काम स्वामियों का था कि लोगों को समझाायें एजुकेट करें रास्ता दिखायें लेकिन इन्होने यह बात छोड दी है।

सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री (श्री देवेन्द्र भार्मा): स्पीकर साहब, जब आप एजुके ान मिनिस्टर हुआ करते थे, उस टाइम पर एजुके ान एडवाइजरी कमेटी बनायी थी ओर आन उसके चेयरमेन थे। मै। और स्वामी जी मैबर हुआ करते थे। उस टाईम पर स्वामी जी को ओर से एजुके ान के विश में कोई सुजै ान नही आया। उस समय मैंने काफी सुजै ांज दी थी जो रिकार्ड पर होगी। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: यह केवल कवै चन आवर की ही बात नहीं हैं यह हरियाणा के भविश्य के लिये चिन्ताजनक बात है कि 6

साल से 14 साल की आयु के 9.68 लाख बच्चे स्कूलों में दाखिल नहीं है। हमारे कांस्टीच्यु ान में भी लिखा हुआ है कि 14 साल तक के बच्चों को कम्पलसरी एजुके ान मिलेगी। मैं गवर्नमेंट से रिक्वैस्ट करूंगा कि वह अपनी एफर्टस को री–डबल करें।

चौधरी रिजक राम: मिनिस्टर महोदय ने अपने जवाब में कहा कि वर्दियां और खने–पीने की सुविधा गरीब बच्चों को दी जाती हैं मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अगर रिकेगनाइज्ड प्राइवेट स्कूल्ज वर्दियों और खाने–पीने का फ्री इन्तजाम करेगें तो क्या उनको ग्रान्ट दी जायेगी?

चौधरी देस राज: हमने प्राइवेट स्कूलों को पहले ही 75 परसैंट ग्रान्ट दे रखी है।

E.S.I. Scheme

***2303. Shri Lehri Singh Mehra:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to bring the employees working in the Haryana Government Printing Press, Sector-18 Chandigarh under the E.S.I. Schemel ; and

(b) the number of Government institutions in the State already brought under the above said Scheme?

Excise and Taxation Minister (Chaudhri Mehas Singh Rathee):

(a) The Haryana Government Printing Press stands covered under the Employees State Insurace Act.

(b) 18.

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मंत्री ने अपने जवाब में बताया है कि हरियाणा राजकीय मुद्रण प्रैस, सैक्टर–18 के कर्मचारी एम्पलाइज स्टेट इन्ा ोरेन्स एक्ट के अन्तर्गत आते है और पार्ट (बी) जे जवाब में बताया है कि 18 संस्थायें इस स्कीम के नीचे पहले से ही है। मैं मंत्री महोदय के नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि यू0टी0. और जंजाब प्रैस के इम्पलाइज इस स्कीम के तहत नही आते है जबकि हरियाणा वालों को इस स्कीम कके नीचे लिया हुआ हैं मैं यह जानना चाहता हूं कि इन 18 संस्थाओं में से कितनी संस्थायें ऐसी है जिन पर ई0एस0आई0 स्कीम लागू नहीं होती? स्पीकर साहब इस स्कीम के तहत प्रैस इम्पलाइज तो आ गये लेकिन उनको पैन्ा ान का लाभ नहीं होगा और न ही उनकी सर्विस की सिक्योरिटी होगी। इसलिये मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इस मामले पर सरकार क्या कदम उठा रही है ताकि प्रैस इम्पलाइज पर यह स्कीम लागू न हो?

चौधरी मेहर सिंह राठीः हम कोि ा ा कर रहे है कि सैक्टर–18 में जो प्रैस लगी हुई है ई0एस0आई0 स्कम के नीचे न रहे। हम उनसे लिखा पढी रक रहे है। उनके डारेक्टर आये थे उनसे भी हमारी बातचीत हुई थीं हमने कहा था कि इस प्रैस को आप अपनी स्कीम के अन्डर न लें।

श्री अध्यक्षः ई0एस0आई0 स्कीम स्टैट की है या सैन्ट्रल गवर्नमेंट की है?

चौधरी मेहर सिंह राठीः सैन्ट्रल गवर्नमेंट की है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, सवाल के (क) भाग में पूछा गया था कि क्या हरियाणा राजकीय मुद्रण प्रौस सैक्टर–18 चण्डीगढ़ में काम कर रहे कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम के अधीन लाने के लिये कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है। लेकिन इन्होने जवाब दिया है कि हरियाणा सरकार मुद्रण प्रैस कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत आते हैं ई0एस0आई0 स्कीम ओर ई0एस0आई0 एक्ट में तो बडा अन्तर है। मैं जानना चाहता हूं कि यह किस के अन्डर आते है?

चौधरी मेहर सिंह राठीः ई0एस0आई0 स्कीम भी ई0एस0आई0 एक्ट के अन्डर ही आती है।

श्रम उप–मंत्री (चोधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, मेरे दोस्त डाक्टर साहब को पता नहीं कि हमने बडे तजुर्बेकार लेागों को भारत सरकार से बुला कर हर स्टै ान पर चैंकिग की है कि किस इंस्टीच्यु ान को इस स्कीम के तहत लेना हैं । हरियाणा और भारत के अफसरों की मीटिंग हुई है और इस केस को सरकार बहुत गौर से देख रही है। (व्यवधान)

श्री हीरानन्द आर्यः स्पीकर साहब, पहले ई0एस0आई0 के डाक्टर्ज लेबर डिपार्टमेंट के तहत थे परन्तु बीच में हैल्थ

डिपार्अमेंट के तहत कर दिये गये। क्या उन डाक्टर्ज को फिर से लेबर डिपार्अमेंट के तहत करेगे? दूसरी बात यह है कि ई0एस0आई0 स्कीम के तहत उस्सी परसैंन्ट पैसा सैन्ट्रल गवर्नमेंट देती है और दो अढाई साल पहले भिवानी में चालीस बैडज का हस्पताल इसी स्कीम के तहत मंजूर हुआ था क्या सरकार केन्द्रीय सरकार से मजदूरों कि लिये भिवानी में हस्पताल बनवायेगी?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, ई0एस0आई0 स्कीम के तहत स्टेट गवर्नमेंट और सैन्ट्रल गवर्नमेंट को एक और सात की रे ाो से पेमेन्ट करनी पडती है। हैल्थ डिपार्टमेंट के नीचे रहने से उन पर अच्छा कन्ट्रोल नही हो पाता इसलिये हम कोि ा ा कर रहे है कि इन डाक्टर्ज का केडर अलग अहो जाये। इलग से केडन बना कर हम अच्छी तरह से चैक कर सकते हैं बहादुरगढ हस्पताल के जिये भी हम जगह सिनेक्ट कर रहे है। इसी तरह से और जगह के लिये भी कर रहे हैं जहां तक भिवानी में हस्पताल बनाने की बात है उसके बारे में मेरे पास इत्लाह नही है। वैसे हम सरी स्टेट में ज्यादा से ज्यादा हस्पताल खोलने की कोि ा ा कर रहे है।

(10.00 बजे) श्री बलदेव तायलः मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि हम प्रैस को ई0एस0आई0 स्कीम से निकालने जा रहे है। इसलिये मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या यह स्कीम बेकार है जिसक`कारण ये इस स्कीम से

निकाल रहे है। प्रैस को इस स्कीम से निकाल जाने के बारे में कृपा मत्री महोदय अपना स्पश्टीकरण दें।

चौधरी मेहर सिंह राठीः प्रैस में जितने भी कर्मचारी लगें हुये है, वे सभी के सभी सरकारी कर्मचारी है। इन एम्सपलाइज को स्टेट गवर्नमेंट से ज्यादा बैनिफिट मिलता है इस लिये उनकी यह डिमांड थी कि उनको इस स्कीम से निकाल दिया जाये। हमने उनकी डिमांड को ध्यान में रखते हुये यह उचित समझा कि ई0एस0आई0 स्कीम को अब आगे चालू न किया जाये।

डा0 मंगल सैनः क्या मंत्री महोदय कि जो 18 संस्थाएं है ई0एस0आई0 स्कीम के अन्तर्गत आती है, वे कोन कौन सी है?

चौधरी मेहर सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय जिन 18 संस्थाओं के बारे में इन्होने पूछा है मैं उनके नाम पढ देता हूं। वे इस प्रकार से हैः–

S.N.	Name of the Factories
1	Haryana Roadways Workshop, Rewari.
2	Haryana Roadways Workshop, Rohtak
3	Haryana Roadways Workshop, Charkhi Dadri
4	Haryana Roadways Workshop, Karnal
5	Haryana Roadways Workshop,Bhiwani

6	The Sub-Divisional Engg. PWD, PH, Mechanical Sub-Divi, Ambala.
7	Govt. Live Stock Farm, Hisar.
8	Govt. Wollen Industries Department Centre, Panipat.
9	Haryana roadways, Chandigarh.
10	Govt. Central Workshop, Haryana Sector-17, Chandigarh.
11	Govt. Printing Press Haryana, Sector-18-A, Chandigarh.
12	Haryana Health Transport Works, 46, Indl. Area, Chandigarh.
13	Haryana Family Planning Printing Press, Chandigarh.
14	Central Transport Workshop, 46 Indl. Area Chandigarh.
15	Haryana Roadways, Ambala.
16	S.D.O. Drilling Development Sub-Division No. 1 Model Town, Ambala City.
17	Haryana Roadways, Gurgaon.
18	Haryana Roadways, Hissar.

Number of Harijan & Backward Class Teacher/Teacherness in the State.

***2290. Master Jogi Ram:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the total number of J.B.T. & B.Ed. teachers and teachresses serving in the Education Department at present;

(b) the number of teacher and teachresses out of those mentioned in part (a) above belonging to Backward Classes and Harijans; and

(c) whether the number of teachers and teachresses referred to in part (b) above is complete according to the reservation quota fixed for them?

Education Minister (Chaudhri Des Raj):

(a) The strength of J.B.T. and B.Ed teachers/teachresses as on 31-12-80 is as follows:-

	Total	**Male**	**Female**
J.B.T.	31037	21029	10008
B.Ed.	10655	7869	2786

(b) The number of Harijan and Backward Class teachers/teachresses out of those mentioned in part (a) above is as under-

Category of teachers	**Harijans**			**Backward Classes**		
	Male	**Female**	**Total**	**Male**	**Female**	**Total**
J.B.T	1376	235	1611	1436	387	1823
B.Ed.	407	72	479	211	26	237

(c) No.

मास्टर जोगी रामः 31037 जे0बी0टी0 टीचरों मे से 20 प्रति ात रिजर्वे ान के हिसाब से ि ाड्यूल्ड कास्टस टीचर्ज की संख्या 6207 बनती है लेकिन लगाये गये हैं। 1611 क्या मंत्री बतायेगें कि जो 4596 की भाार्ट फाल है उसको पूरा करने के लिये सरकार कोई कदम उठा रही है?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने 27.10.69 को एक डिलीजन लिया था कि जे0बी0टी0 तथा बी0एड0 टीचर्ज की रिजर्वड पोस्टों को वेंकैंट रखा जायें लेकिन अचानक 1973 में हडताल हो गयी जिसके कारण काफी टीचर लगाने पडे। उस समय टीचरों को लगाते समय आरक्षण नहीं रखा जा सका। अब जब भी कोई पोस्ट भरी जाती है और आरक्षण की पोस्ट बनती है तो उस सीट को रिजर्वे ान कोटे में से भरने की पूरी पूरी कोि ा ा करती है।

चौधरी भाग मलः सरकार ने बहुत से टीचर एडहाक बेसिज पर लगाये हुये हैं उन टीचरों को स्कूल के प्रिसिंपल या हैडमास्अर लगा लेते है या प्राईमरी स्कूलों में एस0डी0ओं0 वगैरा लगा देते है। इसलिये मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि हरिजन टीचर्ज भी एडहाक पर लगाने के लिये सरकार कोई ठोस कदम उठायेगी?

चौधरी देस राजः जहां तक एडहाक टीचर्ज लगाने का सम्बन्ध है मैं अपने माननीय सदसय को बताना चाहूंगा कि केवल हाई स्कूलों के हैडमास्टरों को ही एडहाक बेसिज पर टीचर लगाये जाने की पावर है। जब किसी स्कूल में कोई टीचर एडहाक बेसिज पर लगाना होता है तो हम यह देखते है कि क्या रिजर्वे ान पूरी है? अगर रिजर्वे ान का कोटा पूरा नहीं है तो पहले उसको पूरा करते है। हम भविश्य में भी अनूसूचित जातियों और पिछडी जातियों के कोटे को पूरा करने की कोि ा ा करेगें।

चोधरी ई वरी सिंहः करीब 6 साल से एस0एस0 मास्टर्ज की नई भर्ती के लिये बैन लगा हुआ है जिसके कारण काफी व्यक्ति ओवर ऐज हो गये है ओर होते जा रहे है जिसके कारण रिजर्वे ान का कोटा पूरा नहीं हो रहा है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि इस कोटे को पूरा करने के कलये कोई स्पै ाल प्रायरिटी दी जायेगी जिससे यह कोटा पूरा हो सके?

चौधरी देस राजः एट प्रैजैन्ट हमारे पास 1318 पोस्टें मास्टर्ज और मिस्ट्रसिज की वेकैन्ट है और 1400 पोस्टें जे0बी0टी0 टीचर्ज की वेंकेट है। हम बहुत जल्दी ही इन पोस्टों को एस0एस0एस0 बोर्ड के थ्रू भरने जा रहे हे और इनमें लाजमी जौर पर हरिजन तथा पिछडी श्रेणियों के लोग लिये जायेगें।

श्री अध्यक्षः अगर पोस्टें वेंकेंट है तो अब तक क्यों नही लगाये गये?

चोधरी देस राजः यह पोंस्टें तो अब किएट हुई है क्योंकि कुछ स्कूल अपग्रेड हुये है।

राव बन्सी सिंहः मंत्री महोदय ने बताया कि हर स्कूल में एडहाक टीचर्ज भर्ती करते समय रिजर्वे ान का ख्याल रखा जाता है। मैं सिर्फ इतना ही जानना चाहता हूं कि क्या इस सम्बन्ध में डी0पी0 आई.0 से आर्डर्ज जाते है या डी0ई0ओ0 को या हैड मास्टर्ज को पावर्ज दी हुई है कि वह भर्ती कर सकते है?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले बताया है कि इस बारे में हैडमास्टर्न को पावर्ज है। अगर उनके यहां कोई पोस्ट खाली है और उनके स्टाफ में कोई रिजर्वे ान पूरी नहीं है तो वह ि ाडयूल्ड कास्टस या बैकवर्ड क्लासिज के आदमी भर्ती कर सकता हूं हमने उनको पहले से ही इस बारे में आदे ा दे रखे है।

Report of Jail commission

***2293. Shrimati Sushma Swaraj:** Will the minister for Jails and dairy Development be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the Jail Commission constituted by the Government has since submitted its report to the Government;

(b) the period for which the said Commission was appointed together with the time taken by it for submitting its report alongwith the number of times and period for which its term was extended, Separately;

(c) the total amount of expenditure incurred on the said Commission ; and

(d) whether the recommendations of the said Commissio9n have been accepted by the Government?

जेल तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी ि ाव राम वर्मा):

(क) हां।

(ख) सूचना सभा के पटल पर रख दी गई है।

(ग) 369952.80 रूपये।

(घ) आयोग की सिफारि ें राज्य सरकार केविचारधीन है।

सूचना

प्रथमतः जेल सुधार आयेाग की स्थापना 29—9—77 को छः मास के लिये की गई थी और श्री बी0 आर0 तूली, पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के सेवा निवृत्त जज को इस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। श्री बीर0आर0 तूली के त्याग पत्र देने के फलस्वरूप 8—12—77 को श्री टेकचन्द पंजाब तथा हरियाणा के सेवा निवृत जज को इस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। श्री टेकचन्द ने अध्यक्ष पद का कार्यभार 12—12—77 को सम्भाला और इस प्रकार आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को 11—6—78 तक पस्तुत करनी थी। प्रथमवतः आयोग की अवधि 31—12—78 तक

बढाई गई लेकिन इसके बाद 30–6–79 तक और फिर 31–3–80 तक इसकी अवधि बढाई गई, अंतिमतः आयोग की अवधि 30–6–80 तक बढाई गई। आयोग ने अपनी औपचारिक तौर पर रिपोर्ट 18–10–80 को सरकार को प्रस्तुत की। इस प्रकार आयोग ने अपनी अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने में 2 वर्श 10 मास तथा 6 दिनों का समय लिया।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या किसी आयोग की रिपोर्ट सदन में पे ा होने से पहले बाहर लीक आउट की जा सकती है? क्योकि आप सब का पता है कि एक तरफ इस कमी ान की रिपोर्ट अभी तक इस असैम्बली में नही आयी ओर दूसरी तरफ इस बारे में एडीटोरियल और लैटर्ज टू दी एडीटर आ चुके है?

चौधरी ि ाव राम वर्माः यह पता नहीं कैसे आयी, किसी ने कहीं से पता कर लिया होगा और आ गयी होगी। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती सुशमा स्वराज बाकायदा लैटर्ज टू दी एडीटर निकले है। (व्यवधान व भाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह कोई सीक्रेट डाकुमेंट तो है नहीं ओर न ही किसी जूडी ि ायल

इन्कवायरी की रिपोर्ट है। अगर कहीं ऐसी रिपोर्ट अखबार में आ भी गयी तो कोई गलत बात नहीं है।

डा0 मंगल सैनः क्या मुख्य मंत्री या मंत्री महोदय जेल्ज रिफामर्ज कमी ान की रिपोर्ट आज ही सदन की मेज पर रखेगें?

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, वह रिपोर्ट जो दी गयी है वह अभी एग्जामिन हो रही है ओर वह इतनी बडी है कि इसे पढ भी नहं सकेगें। हम उसको एग्जामिन करने के बाद जल्दी से जल्दी सब के सामने लायेगें।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब,क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगें कि सोनीपत में एक सैन्ट्रल जेल बनाना उनके विचाराधीन है?

श्री अध्यक्षः इसका सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वामी अग्निवे ाः स्पीकर साहब, अभी यहां पर मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि जुडि ियल इन्क्वायरी रिपोर्ट लीक आउट हो जाये तो गम्भीर हो सकती हैं डबवाली की जुडि ियल इन्कवायरी रिपोट भी तो लीक आउट हुई थी लेकिन यह अच्छा नहीं हुआ था। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पहले तो जेल कमी ान को हरियाणा सरकार की तरफ से 6 महीने के अन्दर–2 अपनी रिपोर्ट देने के लिये कहा गया था इसके बाद अगर 6 महीने की बजाये 8 महीने, 10 महीने या एक साल लग जाता तो भी बात मानी जा सकती है, लेकिन इस कमी ान को

दो साल दस महीने रिपोर्ट देने में लग गये। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई कमेटियां या आयोग बनाये जाते है तो उनकी यह प्रवृति होती है कि काम को लटकाया जाये क्योकि उनको अपनी तनख्वाह वगैरा का लाच होता है क्या सरकार आईन्दा के लिये अगर कोई कमेटी याकमी ान अप्वायंट करेगी तेा उसके लिये टाइम लिमिट प्रैसक्राईव करेगी ताकि उस टाईम के अन्दर अन्दर ही रिपोर्ट सबमिट हो जाये और उसे ज्यादा टाईम न दिया जावे?

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, यह तो आगे के लिये इनका सुझाव है। इस पर विचार किया जा सकता है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोद, सवाल के भाग(घ) के जावब में मत्री महोदय ने यह कहा है कि आयोग की सिफारि ों राज्य सरकार के विचारधनी है। मैं इनसे यह पूछना चाहती हूं कि यह सिफारि ों कौनसी एजेन्सी के विचारधीन है, क्या कोई कमेटी इस बारे में गठित की गयी है तो उसके चेयरमैन कौन है क्योंकि इसमें कई सिफारि ों ऐसी है जिनको आम पब्लिक नहीं चाहती, हम उस बारे में उनको रिप्रेजेन्ट करना चाहते है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, इस कमी ान में इसी हाउस के कई माननीय सदस्य भी थे। इसलिये ऐसी कोई बात इनके मन में नही आनीह चाहिये कि सरकार कोई गलत बात करेगी। अभी यह रिपोर्ट डिपार्टमेंट में सैक्रेटरी की देख रेख में

एग्जामिन हो रही है। वहां पर विचार होने के बाद सारी बातें सामने आयेगी।

चौधरी ि ाव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, इस कमी ान में इसी हाउस के कई माननपीय सदस्य भी थे। इसलिये ऐसी कोई बात इनके मन में नहीं आनी चाहिये कि सरकार कोई गलत बात करेगी। अभी यह रिपोर्ट डिपार्टमेंट में सैकेटरी की देख रेख में एग्जामिन हो रही है। वहां पर विचार होने के बाद सारी बातें सामने आयेगी।

Lecturers/Readers/Asociate Professor in the Medical College Rohtak

***2309. Shri Baldev Tayal:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a)whether it is a fact that some of the Lectruere/Readers/Associate Professor in the Medical Coolegte, Rohtak who officiate for months and years together on the higher posts are neither regularly appointed on the said posts nor they are given any benefit of the pay scales of the higher posts, nor are given extra allowance of the posts on which they officiate;

(b) if so, whether the government proposes to give the aforesaid benefits to the persons referred to in part (a) above and, if not, the reasons therefore; and

(c) whether the Government proposes to appoint the persons mentioned in part (a) above till the temporary vacancy exists, if not, the reasons therefore?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a)No teacher (Lecturer, Reader, Associate Professor) has so far been appointed to officiate on higher posts of Professors in the Medical Colege, Rohtak.

(b) question does not arise in view of (a) above.

(c) The matter regarding filling up the higher posts of Professor on adhoc basis is under consideration of Government.

श्री बलदेव तायलः क्या मुख्य मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगें कि यह जो असामियां खाली पडी है यह कितनी है, कब से है और इनके अगेन्स्ट जिन व्यक्तियों ने आफीि ायेटिंग कैपेसिटी में या वर्क चार्ज्ड के तौर पर काम किया है उनकी तरफ से बढी हुई तनखाह और अलाउन्सिज देने के लिये कोई रिप्रेजैंटे ान आई है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह चार पोस्टें है जो 6 महीने से दो सल तक के अर्से से खाली चली आ रही है। इस बारे में हमिारे पास रिप्रेजैंटे ांज भी आये है और हम उनके उपर विचार कर रहे हैं इसके अलावा सरकार यह भी विचार कर रही है कि आया यह पोस्टें पब्लिक सर्विस कमी ान के थ्रू भरी जायें या कोई सिलैक ान कमेटी बना दी जाये जो इन पोस्टों के

लिये इन्टरव्यू लेकर भर्ती कर सके। इस बारे में जल्दी ही फैसला किया जा रहा है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, पहले लैक्चरर होते है, उसके बाद रीडर होते है उसके बाद एसोि ायेट प्रोफैसर होते है और उसके बाद प्रौफैसर की पोस्टें होती है। मैं जानना चाहता हूं कि ये जो चार पोस्टें खाली है यह कौन–2 सी पोस्टें है?

चौधरी भजन लालः मै इनको येह बता देना चाहता हूं कि वहां पर 15 मे से 11 पोस्टों पर आलरेडी लगे हुये है। जो पोस्टें खाली है उनके डिपार्टमेंटस के नाम है– साइकिक, माइक्रेबाआलोजी, फोरेन्सिक और एनेसथिसिया। (ाोर व व्यवधान)

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय,ख अपने लिखति जवाब में मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया है कि –

"(a) No teacher (Lecturer, Rader, Associate Professor) has so far been appointed to officiate on higher posts of professor in the Medical College, Rohtak."

और अभी अपने ओरल रिप्लाई में इन्होने यह कहा कि यहां पर आफीि ायेट कर रहे है। तो इन दोनेा में से कौन सी स्टेटमेंट ठीक है, कम से कम यह बात तो यहां पर कलैरीफाई कर दें? (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब ऐसा होता है कि जैसे किसी जगह डिप्टी कमि नर बदल जाये तो एस0डी0एम0 को डी0सी0 का चार्ज दे दिया जाता है इसका मतलब यह नही है कि एस0डी0एम0 डी0सी0 बन जाता है लेकिन काम चलाने के लिये कुछ दिन के लिये उसको डी0सी0 काचार्ज दे दिया जाता है। इसी तरह का चार्ज इनके पास है।

Mr. Speaker: Tayal Sahib, actually your question was whether they are getting any pay and allowance of the posts on which they are officiating. They may be holding the charge but they are not getting any pay and allowance of these posts.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, काम चलाने के लिये लगा रखे है लेकिनउस पोस्ट पर नियुक्ति नहीं की है।

Mr. Speaker: I think, the answer is clear. (Interruptions) It is a play of words but the answer is very lcear. आपने यह पूछा था कि जिस पोस्ट पर वे औफि ाियेट कर रहे हे उसकी उनको तनखाह मिल रही है या नहीं ओर मुख्य मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसका मतलब है कि तनखाह नहीं मिल रही है।

चौधरी राम लाल वधवाः इन्होने नहीं कहा कि उनको तनखाह नहीं मिल रही है।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, मेरा कहने का मतलब यही है कि तनखाह उस पोस्ट की नहीं मिल रही है।

Shri Baldev Tayal: No, no Sir. He has not said that they are not getting any pay.

चोधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, जो उनका आना स्केल है उसी स्केल में काम कर रहे है सिर्फ काम चलाने के लिये उनको वहां लगाया हुआ है।

Appointments made in the Sonepat Depot of Haryana Roadways

***2313. Shri Devi Dass:** Will the Minister for Transport be plesed to state-

(a) the number of employees appointed in the Sonepat Deport of Haryana Roadways after its formation together with the names of posts against which the said employees were appointed, separately; and

(b) the number of employees out of those referred to in part (a) above recruited either through Employument Exchages or directly by inviting applications or by any other method, separately?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) इस डिपों के बनने के बाद 136 व्यक्तियें की नियुक्तियां की गई है जिनका ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

चालक	54
परिचालक	66
हैल्पर	13
स्टोरबुआय	1
चौकीदार	1
सहायक खजांची	1

(ख) इन 136 व्यक्तियों मे से एक की नियुक्ति अधीनस्थ सेवायें प्रवरण मण्डल के माध्यम से, 44 व्यक्तियों की रोजगार कार्यालय के माध्यम से तथा 91 व्यक्तियों की अन्य स्त्रोतों से की गई थी।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 44 आदमी एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंज से लिये गये और 91 आदमी अदर सोर्सिज से भर्ती किये है। स्पीकर साहब, मेरी सूचना यह है कि ये जो 91 आदमी भर्ती किये है, ये जी0एम0 ने अपनी मर्जी से किये है। क्या मिनिस्टर महोदय इसकी इंक्वायरी करवायेगें?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, 9 सितम्बर को हरियाणा रोडवेज के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी थी। उस समय हमने यह सोचा कि पब्लिक को असुविधा न हो इसलिये टेम्पोरेरी आदमी

लगा दिये जाये। उस समय एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंज से आदमी लेने में देर लगती थी। उस समय हमने 1116 आदमी लगाये जिनमें ड्राईवर्ज, कंडक्टर्ज ओर दूसरे लोग थे। उसके बाद 302 कर्मचारी जो एडहोक पर थे, उनकी सर्विसिज टर्मिनेट कर दी। इसके प चात कर्मचारियों का एक डेपूटे ान मुख्य मंत्री महोदय को मिला और उन्होने कहा कि हमसे गलती हो गई हम भविश्य में ऐसी गलती नहीं करेगें , हमें आप दुबारा लगा लो। उसके बाद मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि जो हड़ताल के दौरान लगाये गये है उनको भी लगा लो और जो हटाये गये है उनको भी लगा लो। स्पीकर साहब, ये जो 91 ड्राईवर्ज या कंडक्टर्ज सोनीपत में लगे है ये केवल सोनीपत में ही नहीं लगे है बल्कि और डिपुओं में भी इसी प्रकार कर्मचारी लगाये गये ळै और ये सब नीति के नीचे लगाये गये है। बाकायदा फैसला लेकर लगाये है।

चौधरी गंगा रामः अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि हडताल के दौरान बहुत एमरजैसी मे ये कर्मचारी लगाये गये थे। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि उस समय एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंजिज के अन्दर ड्राईवर्ज और कंडक्टर्ज की पोस्टों के लिये नाम दर्ज नहीं थे? स्पीकर साहबख वहां से नाम मांगने में केवल सात दिन लगते है।

श्री अध्यक्षः क्या सात दिन के बसें बन्द की दी जाती?

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, अगर इतनी एमरजैंसी थी तो एम्पलायेमेंट ऐक्सचेंज से एक दिन में भी नाम ले सकते थे।

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, यह सम्भव नहीं था। बस स्टेण्डज पर बच्चे, बूढें और औरतों की भीड़ रहती है। अगर एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंज में जाते और वहां पर दो या चार घंटे भी लगजाते तो भी लोगों को बडी असुविधा होती है। हमें तो तुरन्त ही आदमी चाहिये थे।

श्री लहरी सिंह मेहराः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जो 1116 कर्मचारी भर्ती किये थे इनमें हरिजन कितने लिये गये?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, एमरजैंसी काम काम था। उस समय तो जो मिला उसी को ले लिया गया था।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, दिल्ली जैसे बडे भाहरों में लडकियों कोकंडक्टर की नौकरी पर लगाया हुआ है। क्या हरियाणा में भी मंत्री महोदय लडकियों को कंडक्टर की पोस्ट पर लगाने पर विचार करेगें?

श्री जगन नाथः सुझाव अच्छा है। इसको कंसिडर कर लिया जायेगा।

चौधरी रिजक रामः अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि एमरजैंसी के अन्दर बगैर एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंज के परिचालक, चालक और दूसरे कर्मचारी लगाये गये क्योकिं यह आव यक था। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि क्या स्ट्राइक के बाद भी कोई परिचालक वगैर एम्पलाएमेंट ऐक्सचेंज के लगाये गये है?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, उसके बाद 44 आदमी हमने लगाये थे और वे सभी ऐम्पलायेमेंट ऐक्सचेंज के थ्रू लगाये गये है।

चौधरी हर स्वरूप बूराः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जो स्ट्राईक के दौरान कर्मचारी निकाले गये थे, वे सब के सब वापिस ले लिये है या कुछ रह गये है?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, सारे ले लिये है। बाकी कोई नहीं रहता। यदि कोई रह गया होगा तो देख लिया जायेगा।

श्री कवंल सिंह :स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा है कि अन्य स्त्रेातों से 91 कर्मचारी स्ट्राईक के दौरान एमरजैंसी के कारण डायरैक्ट भर्ती कर लिये थे। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि एम्पलायेंमेंट ऐक्सचेंज को स्ट्राईक के दौरान ही नजर अन्दाज किया गया था या स्ट्राईक के बाद भी डायरैक्ट कर्मचारियों की भर्ती की गई थी?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, बाद में डायरेक्ट कोई भर्ती नहीं की, सिर्फ स्ट्राईक के दौरान ही भर्ती की थी।

चौधरी अजीत सिंह : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जो 91 आदमी लगाये हुये है क्या उनसे दरखास्तें मांगी गई थी? क्या कुल 91 दखास्ते ही प्राप्त हुई थी या ज्यादा हुई थी?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, 1116 आदमी लगाये गये थे और दरखास्तें ज्यादा की आई थी।

Mr. Speaker: Hon. members, Question hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Allotment of Surplus Land to Harijan Families in District Jind

***2050. Shri Bhale Ram:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the declared surplus land has been allotted to 60 Harijan families of village Dhani in district Jind;

(b) whether it is also a fact that the Government had arranged loans to the families referred to in part (a) above through the Land Mortgage Bank for the purchase of the aforesaid land;

(c) if the reply to part (b) above is in the affirmative, whether the said beneficiaries have paid back all the instalments of the loan;

(d) if so, whether the aforesaid beneficiaries have been made owners of that land, and

(e) if not, the reasond therefore?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh):

(a)No land has been allotted to the Harijan families in this village after it was declared surplus.

(b)No.

(c) & (d) Quesiton does not arise.

Mini Secretariat at Bhiwani

***1950. Shri Surender Singh:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether is a fact that the building of the Mini Secretariat in Bhiwani has been constructed according to the original plan;

(b) if not , the total amount spent on its construction after the 3rd of January] 1980 to dat; and

(c) the time by which the building referred to in part (a) above is likely to be completed according to the original plan?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh):

(a) Yes. (except construction of litigant shed).

(b) Rs. 17-04 lacs.

(c) No time limit can be fixed. The remaining construction work will be completed subject to the availability of funds.

Naultha Minor

***2071 Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the date on which Naultha Minor was sanctioned by the Government together with the extent of digging work done so far on the said minor;

(b) the amount so far spent by the Government on digging of the said minor; and

(c) the time by which the said minor is likwly to be completed?

सिचांई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(क),(ख) और (ग) – नौल्था माईनर टेल आर0डी0 42680 तक पहले ही स्थित है और इसमें पानी चल रहा है।

Bhatia Minor in Tehsil Guhla

***2092. Chaudhri Ishwar Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to make Bhatia. Minor in

Tehsil Guhla pucca; if so, the time by which it is likely to be made pucca; and

(b) the number of minors which have so far been made pucca in the said Tehsil?

सिचांई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(ए) भाटिया माईनर जो तहसील गुहला में है, को पक्का करने का कार्यक्रम जो वि व–बैंक परियोजना की सहायता से हरियाणा मे नहरों को पक्का किये जाने का प्रोग्राम निर्धारित है, के पहले फेज जो जून, 1982 के अन्त तक है, भाामिल नहीं किया है लेकिन दूसरा फेज जो जून, 1986 के अन्त तक है, में सम्मिलित किया गया है।

(बी) एक माईनर जिसका नाम पपसर माईनर है , को पहले ही पक्का किया जा चुका है।

Subsidy on gram Seed in the State

***2214 Shri Bhagi Ram:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the gram seed has been distributed on subsidy in the State during the year 1980-81 to date; and

(b) if so, the distict-wise quantity of gram seed so distributed?

कृशि मंत्री (श्री भाम ोर सिंह):

(क) जी हां।

(ख) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

जिलावार प्रमाणित चने के बीज की बेची गई मात्रा निम्न प्रकार है:–

क्रंमाक	**जिला**	**बेची गई मात्रा (क्विन्टलों में)**
1	अम्बाला	302.00
2	कुरूक्षेत्र	520.80
3	करनाल	187.04
4	सोनीपत	308.20
5	रोहतक	2311.60
6	जीन्द	718.20
7	भिवानी	2270.20
8	गुड़गांव	1390.00
9	फरीदाबाद	150.00

10	महेन्द्रगढ़	1020.00
11	हिसार	5033.80
12	सिरसा	1001.72
कुल		**15213.56**

Thein Dam

***2166. Chaudhri Rizaq Ram:** Will tbe Minister for Irrigation and Power be pleased toi state-

(a) whether the Thein Dam Power Project has been approved by the Central Government;

(b)whether the work on the project has beenm started;

(c) whether the Haryana Govt. is represented on the Board; if any, set up; and

(d) whether the share of Haryana in the Power to be generated in the project has been determined, if so, the extent thereof?

सिचांई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(क) अभी तक थीन डैम बिजली परियोजना केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण भारत सरकार केयोजना आयोग द्वारा स्वीकृत नहीं हूई।

(ख)हालांकि, सिविल डिजाईनों के बनाने का प्रारम्भिक काम पंजाब सरकार द्वारा भुरू करदिया गया है। निर्माण कार्य भुरू नहीं हुआ है।

(ग) अन्तर्राज्यीय कन्ट्रोल बोर्ड जिससे के लिये 3—10—77 को भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री के साथ मुझे मंत्रियों की हुई बैठक में विचार किया गया था कि इसमें हरियाणा का प्रतिनिधित्व भी होगां । अभी तक इस तक गठन नहीं हआ है। हरियाणा केन्द्र से इस मामले पर गौर करने और इसकी स्थापना कराने के लिये आग्रह करता रहा है।

(घ) इस परियोजना से उत्पन्न बिजली के हकदार राजयों के लिये सही हिस्सों के बारे में अन्तिम रूप से फैसला नहीं किया गया है। प्रधान मंत्री ने अपने पिछले पत्र में दिनांक 29—5—1980 में जो मुख्य मंत्री हरियाणा को सम्बोधित है संकेत दिया था कि यह मामला सभी सम्बन्धित राजयों के साथ उठाया जायेगा।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

T.A. drawn by the Officers in Justice Department

456. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Home be pleased to state the total amount of traveling expenses (T.A.) charged by various officers in the Justice Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

Home Minister (Shri Kanhiya Lal Poswal): The total amount of traveling expenses (T.A.) charged by the various officers in the Civil Aviation Department for undertaking journeys on official tours and on posting out from Chandigarh to Delhi and back, during the years 1979-80 is as under-

1979-80	Rs. 17948.25
1980-81	Rs. 20691.05 (Upto 28-2-1981 only

T.A. drawn by the Officers in Employment Department

458. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state the total amount of traveling expenses (T.A.) charged by various officers in theEmployment Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to date?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

1979-80	Rs. 23165/-
1980-81 (10—3—81तक)	Rs. 35906/-

T.A. drawn by the Officers in Language Department

458. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Education be pleased to state the total amount of traveling expenses (T.A.) charged by various officers in the Language

Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to date?

िशक्षा मंत्री (चौधरी देस राज):–

1979-80	Rs. 425.40/-
1980-81	भून्य

Industrial Training Institute

480. Chaudhri Ram lal Wadhwa: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Industrial Training Institute in every Tehsil in the State; if not, the reasons therefore; and

(b) the names of I.T.I.s' already functioning in the State?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) No. It is not necessary to open an I.T.I. in every Tehsil in the State.

(b) The names of I.T.I.s' functioning in the State are as under:-

S.N.	**Name of the City**
1	Ambala City

2	Yamunanagar
3	Kaithal
4	Karnal
5	Panipat
6	Sonepat
7	Gohana
8	Rohtak
9	Hassangarh
10	Meham
11	Hissar
12	Sirsa
13	Nathusuri Chota
14	Mohindergarh
15	Narnaul
16	Bhiwani
17	Gurgaon
18	Nagina
19	Ferozepur Jhirka
20	Faridabad

21	Hathin
22	Palwal
23	Narwana
Guest Classes of I.T.I. at	
1	Tohana (of I.T.I. Hissar)
2	Rewari (of I.T.I. Narnaul)
3	Jind(of I.T.I. Narwana)
4	Bahadurgarh (of I.T.I. Rohtak)
5	Sohna (of I.T.I. Gurgaon)
Names of I.T.Is' for Girls	
1	Ambala City
2	Bahadugarh
3	Bhiwani
4	Chhachharuli
5	Dadri
6	Gurgaon
7	Hansi
8	Hissar
9	Jhajjar

10	Jind
11	Kalalyat
12	Kalka
13	Karnal
14	Mohindergarh
15	Naraingarh
16	Narnaul
17	Palwal
18	Panipat
19	Pundri
20	Rewari
21	Rohtak
22	Shahbad
23	Sirsa
24	Samalkha
25	Sonepat
26	Tohana
27	Tosham

Whole Time and Part-time Administrative Officers

481.Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) the names of the Municipal Committees in the State where whole time and part-time Administrative Officers are working at present; and

(b)the time by which the whole time Administrative Officers are likely to be appointed in the Municipal Committees where part time Administrative are working at present in the State?

स्थानीय भाासन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता):

(क) एक विवरण–पत्र सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ख) इस समय एसेा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

विवरण

24.3.81 की स्थिति अनुसार

नगरपालिकायें जहां पूर्ण कालिक प्र ाासक नियुक्त हैं		**नगरपालिकायें जहां पार्ट टाईम प्र ाासक नियुकत है।**	
श्रेणी 'ए' नगरपालिकायें		**श्रेणी 'ए' नगरपालिकायें**	
1	जीन्द	1	हांसी

2	करनाल	2	यमुनानगर
3	पानीपत	**श्रेणी 'बी' नगरपालिकायें**	
4	सोनीपत	3	चरखी दादरी
5	हिसार	4	फतेहाबाद
6	सिरसा	5	टोहाना
7	अम्बाला भाहर	6	मण्डी डबवाली
8	अम्बाला सदर	7	कालका
9	रिवाड़ी	8	नारनौल
10	गुड़गावं	9	झज्जर
11	रोहतक	10	भााहबाद
12	कैथल	**श्रेणी 'सी' नगरपालिकायें**	
13	थानेसर	11	उचाना
14	भिवानी	12	जुलाना
श्रेणी 'बी' नगरपालिकायें		13	सफीदों
15	नरवाना	14	कलायत

16	गोहाना	15	लोहारू
17	जगाधरी	16	बवानीखेड़ा
18	बहादुरगढ़	17	तो ाम
19	पलवल	18	घरौंडा
		19	नीलोखड़ी
		20	इन्द्री
		21	असन्ध
		22	तरावड़ी
		23	गन्नौर
		24	खरखौदा
		25	उकलाना मंडी
		26	बरवाला
		27	जाखल
		28	रतिया
		29	रानिया

	30	कालांवाली
	31	नारायणगढ़
	32	भााहजादपुर
	33	साढौरा
	34	छछरौली
	35	बुड़िया
	36	महेन्द्रगढ़
	37	कनीना
	38	अटेली
	39	बावल
	40	फरूखनगर
	41	हैलीमंडी
	42	पटौदी
	43	सोहना
	44	तावडू

	45	नूह
	46	नगीना
	47	फिरोजपुर झिरका
	48	कलानौर
	49	बेरी
	50	महम
	51	लाडवा
	52	रादौर
	53	पेहवा
	54	पुण्डरी
	55	होडल
	56	हसनपुर
	57	हथीन
	58	एच0एम0टी0 पिन्जौर
	59	जगाधरी वर्क ाप

Repairs of the School Buildings

482. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a)the Tehsil-wise number of buildings of Government Primary, Middle, High and Higher Secondary Schools which have not been handed over by the Education Department to P.W.D. (B & R) for maintenance purpose so far;

(b) the Tehsil-wise names of School buildings which have been handed over by the Educaiton Department to P.W.D. (B & R) since 1-4-79 t date in the State, together with the name of Department which have not ben handed over to P.W.D. (B&R) so far;

(c) the time by which all the Schools in the State are likely to be handed over by the Education Department to P.W.D. (B&R) for the aforesaid prupose; and

(c) the total amount spent by the Education Department Tehsil-wise and School-wise on the repairs of School buildings in Ambala District During the years from 1974-75 to 1980-81 to date?

Interim Reply

अ0स0प्र034/81/ि ा III (5)

देस राज,

मंत्री,

ि ाक्षा विभाग, हरियाणा,

चण्डीगढ़।

दिनांक : 19—3—1981

विशयः अतारांकित प्र न कं0 482 जो चौधरी राम लाल वधवा द्वारा पूछा गया है।

प्रिय,

विधान सभा की कार्यसूची दिनांक 25—3—81 अनुसार अतारांकित विधान सभा प्र न कं. 482 का उत्तर दिनांक 25, 26—3—1981 को देय है। परन्तु इस प्र न का उत्तर अभी तैयारनहीं है। सदस्य महोदय द्वारा मांगी सूचना ि ाक्षा विभाग के अधीनस्थ कार्यालयें से एकत्रित की जा रही है। इस सूचना के एकत्रित होने तथा इसें संकलित करने में समय लगने की सम्भावना है। अतः आपसे अनुरोध है कि अतांराकित प्र न कं0 482 के उत्तर की देय तिथि में तीन सप्ताह की बढ़ोतरी दे दी जाये।

आदर सहित।

आपका,

हस्ताक्षर

(देसराज)

कर्नल राम सिंह,

अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा,

चण्डीगढ़।''

Primary Health Centres

484. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether any new Primary Helath Centres have been opened in the state; if so, the constituency-wise names of Centres opened during the period from Ist April, 1980 to 28th Feburary, 1981, separately; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the government to open new Primary Health Centres in the State during the next financial year together with the names of such Cnetres constitutency-wise separately?

Health and tourism Minister (Chaudhri Gajraj Bahadur Nagar):

(a) No.

(b) No.

Enquiry against Shri S.P. Rathore

495. Master Shiv Parshad: Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) whether any enquiry was held against Shri S.P. Rathore; I.P.S. from 1977 to date; and

(b) if so, the details of the enquiry report and the action so far taken theron?

Home Minister (Shri Kanhiya Lal Poswal): It would not be in the public interest to disclose the information on the floor of the House.

औचित्य प्र न

जेल कमी ान की रिपोर्ट सम्बन्धी

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। मैं एक बडा जरूरी मसला आपकी मारफत हाउस के नोटिस में लाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, कवै चन आवर में मंत्री महोदय ने बताया कि जेल आयोग रिपोर्ट किसी वजह से लीक हो गई है.....

श्री अध्यक्षः उन्होने यह कहा है कि यह पब्लिक डाकुमेन्ट है।

Shri Baldev Tayal: That is what the Chief Minister meant, Sir.

उन्होनें यह भी कहा था कि हमको यह पता नहीं है कि प्रैस वालों का कहां से पता लगा। (ाोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, यह रिपोर्ट बाकायदा मुख्य मंत्री महेादय ने प्रैस कांफ्रेस में रिलीज की है। (ाोर एवं व्यवधान) इसलिये इस सदन का यह अधिकार बनता है कि ..... (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please listen to me (Interruptions).

Dr. Mangal Sein: Speaker, Sir, I would draw your attention to a rule----------

Mr. Speaker: Dr.Sahib, before you speak, I want to say something.

Shri Baldev Tayal: Sir, before you make any observation I want to say something.

Mr. Speaker: All right.

श्री बलदेव तायल: अध्यक्ष महोदय, ऐसे हालात के अन्दर सरकार का यह फर्ज बनता है कि सै ान भ्ाुरू होते ही उस रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखती और साथ ही रिपोर्ट की कापियां सभी मेंम्बर्ज को भी उपलब्ध कराई जाती। मुख्यमंत्री का इस बारे में गलत बयान देना कि यह रिपोर्ट प्रैस कांफ्रेस में रिलीज नहीं की गई, उनहें कहीं से पता लग गया होगा या उन्होने कही से पढ ली होगी, बहुत ही अ ाोभनीय बात है। सरकार का यह फर्ज बनता है कि उस रिपोर्ट को रिलीज करने से पहले सभी मेंबर्ज की उसकी कापियां उपलब कराते पर ऐसा नहीं हुआ और सभी मेंमग्र्ज को इस रिापेर्ट से महरूम रखागया । अध्यक्ष महोदय यह तो कह सकते है कि यह रिपेर्ट हमने कही रिलीज नहीं की। (ाोर एवं व्यवधान)

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (सरदार लछमन सिंह): स्पीकर साहब, ...
..

श्री बलदेव तायल: अध्यक्ष महोदय, ...। मेरा कहना यह है कि सरकार को इस तरह की गैर–जिम्मेदाराना बाते हाउस में नहीं कहनी चाहिये।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैं इस बारे में आपके सामने रूल्ज कोट करना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, बडी जरूरी बात है.....(व्यवधाान)

Mr. Speaker: Dr. Sahib, I will give you time to quote the rules. This is one thing but any side-talk which has got no revevacy should not to be recorded. Shri Shiv Ram Verma is the Minister inchage and he was giving the reply. (Interruptions). The Hon. Chief Minsiter wants to say something. Let him speak.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महेादय, जिस दिन प्रैस कांफ्रेस हो रही थी उस दिन यह रिपेार्ट हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज पसटिस टेक चन्द, जोकि इस कमेटी के अध्क्ष थे ने मुझे दी थी। मैने उस प्रैस कांफ्रेस में केवल इतना ही कहा था कि यह जो कमेटी हमने जेल सुधाार के लिये बिठा रखी थी उसने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी है। मैने यह रिपेार्ट किसी को नहीं दी। इसके बावजूद भी अगर कोई व्यक्ति इस रिपोर्ट को पढ भी ले तो काई ऐसी बात नहीं है। यह तो पब्लिक डाकूमेंन्ट है।

सीक्रेट डाकुमेंट नहीं है। हालांकि यह रिपोर्ट बहुत बडी है लेकिन फिर भी मैं सदन को वि वास दिलाता हूं कि अगर यह टाइम पर छप गई तो हाउस मे सभी माननीय मेंबरों को बांट दी जाएगी।

Mr. Speaker: The Chief Minister has clearly said that this is not a confidential or secret documtn. It is a public document and any body can read it. What the Hon. Minister for Food and Civil Supplies might have said in a side talk, that is immaterial to us. I have already said that it would not come on record.

जेल तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी ि ाव राम वर्मा): स्पीकर साहब, इस रिपोर्ट के बहुत बड़े–2 वाल्यूम है।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि जो इस तरह की कांफीडेनशियल रिपोर्टस हो, उनको सै ान भाुरू होने से पहले आपको देना चाहिये और फिर सदन के पटल पर सभी मेंबर्ज की जानकारी के लिये रखी जानी चाहिये, लेकिन सरकार ने ऐसा नही किया और पहले ही प्रैस कांफ्रेस में इसको रिलीज कर दिया गया। मैंबर्ज को तो अभी तक इसका कोई ज्ञान नहीं है लेकिन इसकी जानकारी आम पब्लिजक को हो गयी हैं मुख्य मंत्री महोदय का यह कहना बिल्कूल गलत है कि यह पब्लिक डाकुमेंन्ट है जिसका जहां चाहे पढें, जहां चाहे दे दें और जहां चाहे रिलीज कर दे। स्पीकर साहब , इनकी गलतबयानी करना हाउस की तोहीन है और ब्रीच आफ प्रिविलिज है। मैंबर साहेबान को पता लगने से पहले ही यह रिपोर्ट पब्लिक मेंचली जाये तो

गलत बात है। बहन सुशमा जी ने भी कहा कि इस बारे में अखबारों मे ंकाफी एडीटोरअिलज भी छपे है। (ाोर एवं व्यवधान)

चोधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह कोई सीकै ट डाकुमेंट नहीं है।

ड0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, यह कोई मुख्य मंत्री जी के घर का मामला नहीं है, यह हाउस का मामला है। यह कोई उनकी प्राईवेट फर्म नहीं है। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, इस हाउस में आपकी रूलिंग चलती है न कि मुख्य मंत्री की । (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: If sufficient copies are available, they must be placed on the Table of the House.

ध्यानाकर्शण सूचना

कलवाड़ गांव में रामसिंह नामक आदमी की बहादुरी के काम में मृत्यु हो जापने पर उसके घरवालों को मुआवजा देने सम्बन्धी

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैनें एक काल अटे न मो ान दिया था। आपकी इजाजात से उस बारे में एक दो मिनट आपके लेना चाहता हूं। मेरी सबमि ान है कि.....
.....

श्री अध्यक्षः किस विशय पर आपने काल अटे न मो ान दिया था?

चोधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, सांपला पुलिस स्टे ान में एक केस दर्ज हैवहां के एक गांव .....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपका काल अटेन्ा ान मो ान मूझे मिला था चूंकि केस पुलिस में रजिस्टर हो गया है और उस पर आगे इंकवायरी चल रही है इसलिये मैंने आपका काल अटैन्ा ान मो ान डिस–अलाउ कर दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब उसी मामले पर ही मैं दो बातें ाअपके नोटिस में लाना चाहता हूंकि..... .....

श्री अध्यक्षः कुछ भी रिकार्ड न किया जाये।

श्री अध्यक्षः जहां पर इतनी बडी आबादी होगी, वहां पर चोरियां भी होगीं, रेपस भी होगें। (ाोर एवं व्यवधान) इस मामले पर सरकार जो कार्यवाही कर रही है, मेरे विचार में वह सही है और अब इस मामले पर कोई डिस्क ान नहीं होगी।(ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, इस में सरकार केखिलाफ कोई बात नहीं है, पुलिस के खिलाफ है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, एक आदमी ने जो बहादुरी दिखाई है वह मैं आपकी जानकारी के लिये ही बताना चाहता हूं। कलावड गांव में एक लडकी के साथ रेप हुआ है, उस वक्त उस लडकी का

छोटा भाई भी उसके साथ था। दो तीन बदमा ाों ने लडकी को पकडकर जबरदस्ती रेप किया। जब कलावड़ गांव में खबर पहूंच गई तो सारा गांव भाग लिया। एक बूढ़े आदमी ने उन में से एक बदमा ा की कौली भर ली, जिसके हाथ में पिस्तौल थी और उस बदमा ा ने उस बूढे को गोली मार दी। वह बेचार वहीं पर ही दम तोड़ गया। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री साहब ने एक बात तो पहले बहूत अच्छी की है कि हिसार में जो कत्ल हुआ था, उसके घरवालों को 25 हजार रूपये की रा ि ा दी है। इसी प्रकार जिस आदमी ने इतनी बहादुरी के साथ काम किया हो और ऐसे हालात मे ंएक लडकी और उसके भाई बचवाया हो, उस गांव के उस बूढ़े आदमी राम सिंह को भी उसकी बहादुरी पर सरकार की तरु से इनाम मिलना चाहिये ताकि उसके बच्चों को किसी प्रकार की हैरानी न हो और वे बेचारे राहत ले सकें। स्पीकर साहब, मुझे पूर्ण आ ाा है कि मुख्य मंत्री महोदय इस बारे में अपनी फराखदिली दिखोयेगें ओर इस मरे हुये आदमी के घर वालों को दूसरों की निस्तब कुछ न कुछ जयादा देगें।

श्री अध्यक्षः दलाल साहिब, जो आदमी मरा है, क्या उसका नाम राम सिंह है?

चोधरी उदय सिंह दलालः हां जी।

श्री अध्यक्षः तो यह नाम तो बहुत अच्छा हैं अब तो सरकार को जरूर मुआवजा देना चाहिये। (हंसी)

मुख्य मंत्री (चौधरीभजन लाल): स्पीकर साहब, जिस तरह से चौधरी उदय सिंह दलाल बता रहे है, अगर यह बात सही हे तो मैं उस आदमी के लिये 10 हजार रूपये का इनाम अनाउंस करता हूं। (तालियां)

अपोजी ान की तरफ से आवाजें: स्पीकर साहब कम से कम 25 हजार रूपये की रा ि ा देनी चाहिये। यह 10 हजार तो बहुत ही कम है। (ाोर)

चोधरी उदय सिंह दलाल: चलो ठीक है, अगर मुख मंत्री महोदय और न देना चाहे तो उसक किसी रि तेदार को , बाल बच्चों को नौकरी में लगा देना।

चौधरी भजन लाल: ठीक है, इस पर विचार कर लेगें

आवाजें: स्पीकर साहब, 25 हजार रूपया देना चाहिये।

श्री अध्यक्ष: अगर यह पैसा थोडा है तो दलाल साहब आप मुख्य मंत्री महोदय से स्वयं मिलकर बढ़वा लेना।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत मुख्य मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि यह 10 हजार की रा ि ा थोडी है। उसको भी 25 हजार रूपये के लगभग देना चाहिये।

चौधरी भजन लाल: बाबू जी, हिसार वाले केस में हालात कुछ और थे।

श्री हीरानन्द आर्य: स्पीकर साहब, आपके द्वारा मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि लोहारू में पुलिस फायरिंग में जो मौत हुई थी,उसके परिवारों को भी सरकार की तरफ से कपेन्से ान मिलना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: साहेबान, आप जरा बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान)

आवाजें: स्पीकर साहब, पुलिस की फायरिंग से जो आदमी मरा है, उ से भी कंपेन्से ान मिलना चाहिये।

श्री कंवल सिंह: स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से कितना भेदभाव हो रहाहैं हिसार के अन्दर एक एक्स–सर्विसमैन की मौत हूई। हिसार से उसकी टैक्सी हायर की गई ओर बरवाला के पास आकर उस बेचापरे की गोलियों से हत्या कर दी गई । उसको चार गोलियां मारी गई पर आज तक सरकार ने उस के घरवालों को भी कोई कमंपेन्से ान नहीं दिया। सरकार ने सती ा कुमार के वारि ाों को एत तरफ 25 हजार रूपया दिया ओर दूसरी तरफ राम सिंह नाम के आदमी को, जिसने लड़की को बदमा ाों के चंगुल से बचाया ओर अपनी जान से हाथ धो बैठा, उसको केवल 10 हजार रूपया ही दिया गया। इसके वारि ाों को कम से कम 25 हजार रूपया दिया जाना चाहिये, सरकार को इस तरह से भेदभाव की नीति नहीं बरतनी चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह सरकार की मर्जी पर निर्भर करता हैं सरकार पर किसी तरह की कोई पाबन्दी नहीं है।

ओलों तथा तेज हवा से नुक्सान हुई फसलों का मुआवजा देने का प्र न

चौधरी संत कवंरः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, परसों मुख्य मंत्री जी ने हाउस में यह कहा था कि ओलों के इलावा तेज हवा ओर बरसात की वहज से जिन फसलों का नुकसान हुआ है, उनको भी उसी हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा।.....

श्री अध्यक्षः जो खराब पटवारी और नायब–तहसीलदार गिरदावरी में दिखायेगें उसके मुताबिक मूआवजा दिया जायेगा। इसके बारे में अनाउसंमेंट की थी। (ाोर)

चौधरी संत कवंरः स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से अभी तक अफसरों को हुकम नहीं गया है कि आंधी और तेज हवाओं की वजह से जो खराबा हुआ है उसको रिकार्ड में खराबा दिखायें।

मुख्य मंत्री (चोधरी भजन लाल): हमने बाकायादा सर्कुलर भेज रखा है। (ाोर)

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह): स्पीकर साहब, जहां तक खराबे का ताल्लूक है, उस बारे में सारी स्टेट में आदे ा दिये गये है कि जो पिछले दिनों में बरसात से, ओलों से या तेज हवाओं से नुकसान हुआ है, उसकी रिपोर्ट सरकार को भेजी जाये। स्पीकर साहब, यह आदे ा जारी हो गये है और काम भी भुरू हो गया है। जब तक हमारे पास रिपोर्ट नहीं आती तब तक बताना मु कल है कि कितना खराबा ओलों से हुआ है कितना बरसात में हुआ और कितना तेज हवाओं से हुआ। बरसात से तो खराबा नहीं हो सकता,खराबा तो ओलों ओर तेज हवाओं से हो सकता है।

श्री हीरानन्द आर्य: मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जहां ओलों से हुये नुकसान के लिये मुआवजा देने का फैसला किया है उसी प्रकार से प्राकृतिक प्रकोप के कारण जो फसलें खराब हो जाती है, उनको भी ऐसा मुआवजा दे तो ठीक रहेगा। (ोर)

श्री अध्यक्ष: यह सैपरेट इ ू है।

श्री भलेराम: स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटै न मो ान था, आपने उसे इसलिये रिजैक्ट कर दिया.....

श्री अध्यक्ष: मेरे पास आपका मो ान आया था जिसमें आपने लिखा था कि हरियाणा मे गुजरात टाइप एजीटे ान भुरू हो रही हैं मैं सुबह तीन–चार अखबार पढता हूं और रेडियों पर

न्यूज भी सुनता हू। मेरे को कोई ऐसा समाचार नजर नही आया। (ाोर)

श्री भले रामः .....

.....

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये। I have disallowed that motion and no further discussion on that motion will be allowed.

श्री भलेरामः स्पीकर साहब, यह पार्लियामेंट की कन्वैन ान अपनानी चाहिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः पार्लियामेंट सारे हिन्दुस्तान का गौर रखती है। जो कुछ गुरात में हुआ है वह मामला पार्लियामेन्ट में डिस्क ा हो सकता है , हरियाणा में नहीं हो सकता। हरियाणा में ऐसी कोई डिस्टबैंस नहीं हैं।

अब जीरो आवर खत्म होता है और जो मेरी इजाजत के बिना बोला जाएगा वह रिकार्ड नहीं किया जाएगा।

नेमिंग आफ मैंबर

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब ,अभी–2 मुख्य मंत्री जी ने बडी फखदिली के साथ कुछ व्यक्तियों को मुआवजा देने की घोशणा की.....

श्री अध्यक्षः आप किसी और के लिय चाहते है तो उसकी एक एप्लीकेशन बना कर मुख्य मंत्री जी को दे दें और मैं भी मुख्यमंत्री जी से सिफारि ा कर दूंगा कि उस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

चोधरी गंगा रामः .स्पीकर साहब,.....

.....

श्री अध्यक्षः यह हाउस का मैटर नहीं है इसलिये यह करार्डि न किया जाये।

चौधरी गंगा रामः .....

.....

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने बडा वैलिड प्वांयट रेज किया था कि उस बूढ़े ने बड़ी बहादुरी का काम किया हैं जहां तक घरौंडे के सरंपच का ताल्लूक है उस बारे मे ंउधर के सभी माननीय सदस्यों ने कहा था कि उसको पुलिस ने मार कर सडक पर डाल दिया। या तो वे मानें कि वक एक्सीडेंट से मरा तो मैं इसी वक्त कम्पनसे ान अनांउस करता हूं। एक तरफ तो ये कहते है कि पुलिस ने मारा है और दूसरी तरफ कम्पनसे ान मांगते है। (ाोर)

चौधरी संत कवंरः .....

.....

चौधरी गंगा रामः .....

.....

श्री अध्यक्षः यह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जायेगा। गंगा राम जी आप बैठ जाइये। There may be something on which a member can speak during the zero hour. लेकिन वह सिर्फ मेरी परमि ान के साथ बोल सकता है। पहले आपने जिस विशय पर बोलना है, उसका ब्यौरा मुझे दें। उस विशय पर अगर मैं इजाजत दूंगा तो बोल सकते है। I will not allow the zero hour to be converted into a fish market hour. So kindly take my permission first and then speak on the subject.

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं.....

श्री अध्यक्षः किस विशय पर?

चौधरी गंगारामः जो मुख्य मंत्री जी ने दो स्टेटमेंटस दी है एक तो टेकचन्द के मर्डर के बारे में .....(ाोर)

Mr. Speaker: I do not allow you to speak. Please take your seat otherwise I will name you.

श्री भले रामः स्पीकर साहब.....

श्री अध्यक्षः आप किस विशय पर बोलना चाहते है?

श्री भले रामः स्पीकर साहब, कैथल में एक कौल गांव है, मैं वहां की घटना के बारे में बताना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः उसके लिये पहले अपन नोटिस दे।

श्री भले रामः जब जक मैं नोटिस दूगां तब तक तो बहुत कुछ हो जायेगा। (ाोर) स्पीकर साहब, उस गांव में गुंडो ने भाराब पीकर वाल्मीकियों को पीटा। (ाोर)

Mr. Speaker: You please give me a notice in writing.

श्री भले रामः सारा गांव खाली हो गया हैं (ाोर) स्पीकर साहब, मैं नोटिस कैसे दूंगा, इतने मे तो वहां हल्ला मच जाएगा। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह सारा मामला सरकार के नोटिस में है और सरकार पूरा एक ान लेने जा रही हैं।

श्री अध्यक्षः अब जीरों आवर खत्म हो चुका हैं (ाोर) Chaudhri HarSawrup Bura may please move his motion.

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मेरी बात तो सुनें.....
.....

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिये? (ाोर)

चोधरी गंगा रामः मुझे अपनी बात कहने तो दें.....
.....

श्री अध्यक्षः मैने आपको पहलेही कहा है कि आप मुख्य मंत्री जी को लिखकर भेज दे। अब आप कृपा बैठिये।

Chaudhri Ganga Ram: Speaker Sahib, ----------
----------(Interruptions and noise)

Mr. Speaker: I name Chaudhri Ganga ram. (Interruptions)

Chaudhri Ganga Ram: Speaker Sahib...----------
.....(Interruptions and noise)

Mr. Speaker: I have named Chaudhri Ganga Ram (Interrutions) He may leave the House. Whatever he is saying will not be recorded.

Chaudhri Ganga Ram: Speaker Sahib.....--
-----(Interruptions and noise)

Mr. Speaker: I have named Chaudhri Ganga Ram. he may please withdraw from the House.

Chaudhri Ganga Ram: Speaker Sahib.....(The hon. Member did not withdraw from the House)

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ीद अहमद): स्पीकर साहब, चोधरी गंगा राम जी हाउस को डीफाई कर रहे है। इसलिये मै इनके खिलाफ मो ान लाना चाहता हूं।

Mr. Speaker: I have named Chaudhri Gana Ram. Remove him.

(At this stage the Serjeant-At-Arms went to the hon. Member, Chaudhri Ganga Ram, and escorted him out of the House. But while going out the hon. Member raised Slogans like "Mukhya Mantri" (Chief Minister) murdabad etc. etc.)

नियम 104 का निलम्बन

Finance Minister (Chaudhri Khurshid Ahmed): Sir, I beg to move-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regardingthe suspension of Shri Ganga Ram. (Interruptions and noise)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, इस सरकार की ताना ाही नीति नहीं चल सकती। रोजना इस तरीके से मैं बर्ज को उनके बोलने के अधिकारो को छीन कर हाउस से बाहर निकाला जाता हैं स्पीकर साहब जनता ने हमें चुनकर भेजा है। हमें हाउस के अन्दर लोगों के दुख कहने का पूरा अधिकार है ओर सरकार के काले कारना में कहने का भी अधिकार है। यह सरकार जनप्रतिनिधियों के मुंह पर ताला बंद करना चाहती है। (ाोर एवं विघन)

Home Minister (Shri Kanhiya Lal Poswal): Sir, I second the motion moved by the Hon. Finance Minister.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regardingthe suspension of Shri Ganga Ram.

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने जो मो ान मूव किया है इसमें उनहोने रूल 104 मैन् ान नहीं किया। (ाोर)

Mr. Speaker: The Hon. Minister has moved the motion for the suspension of Rule 104, (Interruptions)

चौधरी खुर ाीद अहमदः मैने मूव किया है । (ाोर)

Mr. Speaker: If in the pandemonium you could not hear, I can't help.

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, बडा अनफार्चुनेट मामला है। हाउस मे जो सिचुए ान टैंस हुई है जिसक `कारण आपको मजबूर हो करके इस हाउस के आनरेबल मैंबर को नेम करना पडा औरवह आपके हुक्म के सामने अपना सिर झुका कर हाउस से बाहर चला गया। (ाोर) स्पीकर साहबख मैं आपको एड्रैस कर रहा हूं। मुख्य मंत्री जी जरा आपे से बाहर न हो। यह काई भजन लाल एण्ड पोखरमल लिमिटिड नहीं हैं स्पीकर साहब, मेरी तो आपसे यही रिक्वेस्ट हे कि रीमेन्डर सै ान के

लिये मैंबर को हाउस से बाहर निकालना बहुत सख्त सजा होगी इसलिये इस मो ान की बिल्कूल आव यकता नहीं है।(ाोर)

श्री रण सिंह मानः स्पीकर साहब, अभी चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने जो मो ान मूव किया है , उसके सम्बनघ मे मैं एक बात कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चौधरी गंगा राम जी को एक आपत्ति थी कि सरकार किसी दुखद वाक्यात पर जो मुआवजा देती है उसका कोई नियम नहीं है। सरकार किसी को कितना ही मूआवजा दे देती है और किसी दूसरे आदमी को जो उससे भी ज्यादा बहादुरी का काम करता है उसको कम देती है । इस प्रश्न पर माननीय सदस्य का एजीटेटिड मूड जो जाना स्वाभाविक था और इसी बात की लेकर चौधरी गंगा राम जी एजीटेटिड मूड हो जाना स्वाभाविक था और इसी बात को लेकर चौधरी गंगा राम जी एजीटैटिड थे। स्पीकर साहब, दलाल साहब ने मुआवजे देने का एलान कर दिया। इसमें हमें कोइ आपत्ति नहीं है चाहे किसी को कितना ही मुआवजा देने का एलान कर दिया। इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है चाहे किसी को कितना ही मुआवजा देने का एलान कर दिया। जिस आदमी को मुआवजा दिया गया है क्या पता उसकी जिन्दगी 25 हजार रूपये से भी ज्यादा हो।

Mr. Speaker: On what subject are you speaking?

श्री रण सिंह मानः स्पीकर साहब, मैं इसी मुआवजे से सम्बन्धित कहना चाहता हूं। सरकार की मुआवजा देने की जो

बैकग्रउंड है उसी को लेकर चौधरी गंगा राम जी कहना चाहते थे कि सरकार के पास मूआवता देने का कोई निि चत नियम होना चाहियें स्पीकर साहब, लोहारू में महाबीर सिंह मारा गया उसको कोई मूआवजा नहीं दिया गया। यह बडे दुख की बात है कि हरियाणा में न नौकरी लेने का नियम है और नही नौकरी देने का नियम है। (ाोर एवं विघन)

श्री अध्यक्षः साहेबान, श्री रण सिंह मान जो आरगुमैंटस एंडवांस कर रहे है, यह मामला हाउस के जेरे गौर नहीं है और न यह अपील के लिये उचित टाईम था लेकिन चूंकि यह एक ऐसा मामला था जो उन्होने प्वांयट आउट किया कि एक आदमी ने अपनी बहादुरी दिखा कर एक लडकी इज्जत बचाने की कोि ा ज्ञ की तो उसके लिये मुख्य मंत्री जी ने उसी वक्त बगैर फैक्टस बैरीफाई किये , 10 हजार रूपये की ग्रंट दे दी। इसका मतलब यह नहीं है कि फलां मर गया उसको भी दो और फलां मर गया उसको दो। इस वक्त मिनिस्टर फार पार्लियामेंटरी अफेयर्ज चौधरी खुर ीद अहमद हाउस के अन्दर एक मो ान लाये हैं इस मो ान पर अगर कोइ मैंबर साहेबान बोलना चाहे तो बोल सकते है।

श्री रण सिंह मानः स्पीकर साहब, अभी मेरी बात पूरी नहीं हुई हैं मैं यह अर्ज कर रहा था कि यह सारा मामला मुआवजे के नियम को लेकर हुआ था। स्पीकर साहब मेरी रिक्वैस्ट है कि उनहोने चाहे वह जल्दीमें यचा किसी और वजह से मो ान रख दिया, यह अलग बात है लेकिन आप इस हाउस के मैंबरान को

बार बार नेम करते जायेगें और संस्पैंन्ड करते जायेगें तो यह उचित नहीं है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः देखिये, मैं बार–बार नेम नहीं कर सकता। मैंने उनको कई दफा मौका दिया ताकि वे कृपाया बैठ जाये।

कृशि मंत्री (श्री भाम ोर सिंह): स्पीकर साहब जो बात मेरे अपोजी ान के साथी कह रहे है वह रिकार्ड से सिद्ध नहीं होती। मैं थोड़ा एम्सप्लेन करता चाहूंगा। ये जो कुछ कह रहे हे वह बहुत पहले की बात है। स्पीकर साहब, आपने श्री गंगा राम को रोका। आपने कहा कि जीरो आवर खत्म हो गया है, आप बैठ जाइये। बाद में किसी माननीय सदस्य ने खड़े को कर किसी इनसीडैन्ट का जिक्र नहीं यिकाक लेकिन श्री गंगा राम ने सरकार को भी और चीफ मिनिस्टर साहब को अब्यूज करना भाुरू कर दिया। अब्यूज इन दि सैंस कि इसने कहा कि सरकार ने गदन मचा रखा है, यह कर दिया, वह कर दिया, कई कुछ कहा लेकिन किसी इंसिडैंट का जिक्र नहीं किया। स्पीकर साहब इससे यह सैल्फ ऐवीडैंस है कि वे खुद ही बाहर निकलता चाहते थे ताकि उनका अखबारों मे नाम आये और उनके खिलाफ कोई एक ान न हो सके। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो मो ान हाउस के सामने है, इस पर अगर आप भाान्ति के साथ डिबेट करना चाहते है तो मैं अलाउस करता हूं लेकिन अगर गर्मागर्मी से डिबेट होगी then I will have to put the motion to the vote of the House without any

discussion. (Interruptions & noise). फैक्ट यह है कि मैने दो तीन दफॅा अनांउस किया कि जीरों आवर इज ओवर। इसके बाद I had called upon Shri HarSwarup Bura. इसके बाद श्री चौधरी गंगा राम को कई दफा कहा कि कृपा करके बैठ जाये। Inspite of that he used unbecoming language not only for the Government but personally for the Chief Minister. This I had heard with my own ears and this is a fact.

Shri Baldev Tayal (Hansi): Mr.Speaker, Sir, I want to draw your kind attention to Rule, 104, which says-

:104(1) The Speaker shall preserve order and have all powers necessary for the purpose of enforcing his decisions on all points of order.

(2) He may direct any member whose conduct is, in his ipinion, grossly disorderly to withdraw immediately from the Assembly and any member so ordered to withdraw shall do so forthwith and shall absent himself during the remainder of the day's meeting. If any member is ordered to withdraw a second time in the session, the Speaker may direct the member to absent himself from the meeting of the Assembly for any period not longer than the remainder of the session and the member so directed shall absent himself accordingly-----" (Interruptions).

Chaudhri Sant Kanwar: On a point os order, Speaker Sir...

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी संत कवंर जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे बीच में इंट्रप्ट न करें। मुझे दो

मिनट का टाईम दे ंतो आपकी बडी मेहरबानी होगी। (ाोर एवं व्यवधान) Mr. Speaker, Sir, this rule further says-

"……Such member shall be deemed to be absent from the meetings of the Assembly for purposes of section 3(2) (a) of the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Act, 1942……."

Mr. Speaker, Sir, my humble contention before you is that under Rule 104, it is not the Parliamentary Affairs Minister whocan bring a motion of such suspension. Theses powers vest in yourself, Sir, in order to preserve the decorum of the House. We cannot challenge or say anything about you ruling. This is your total discretion. Myonly subnmission before you is that under this rule, no motiomn can be moved. You are the sole arbitratior or the sole judge of the conduct of a member. It is your own desire, wish or order, which will prevail in the House, Sir. If you think that the member has conducted himself so rudely and badly that he deserves that punishment, then we bow our heads before you, Sir, but not certainly before the opinion of the ruling party. Thank you very much, Sir.

Mr. Speaker: I would like to draw th attention of the Hon. members to Rule 121. The rule says-

"121. Any member may, with the consent of the Speaker move that anyt rule may be suspended in its application to a particular motion before the Assembly andif the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being".

As far as the Speaker is concerned, I have not moved any motion. I have not said any thing. But if any member wishes to move a motion for the suspension of any rule then, unless there are any congent reasons before me to withhold my consent, I normally give my consent.

Shri Baldev Tayal: Excuse me, Sir, just for one munute more, Fiurestly,Sir, I would like to know for what reasons the rule is suspended? There may be definite reasons for the suspension of a rule. It is not suspended on the whim or desire of any member. There are specific powers vested in this Hon'ble Chair and without any motion you honour can suspend any member for the remainder of theSession. it is not for the first time that Mr. Ganga Ram has been named. It is most probably for the third or fourth time that he has been namemd. Therefore, you have ample powers to suspend him. This is the first thing, Sir. the second thing is that the Minister for Parliamentary Affairs has not moved any motin for th suspension for the rule.

Mr. Speaker: He has moved it.

Shri Baldev Tayal: If it is so, I am mistaken, Sir, and I withdraw whatever I have said.

Mr. Speaker: All right, the position at present is that any Minister or any member who wishes to move a motion, he can move it. As far as my consent is concerned, unless there are specific reasons beofe me to withhold it I normally grant my consent. He has moved the motion for which I have granted my constent. Now the motion is before the House.

Shri Baldev Tayal: I agreed with you, Sir. But one thing more that I would klike to say is that there are definite provisions in this book and according to that this Chair is the sole judge and I do not think the ruling party should take it upon itself to go over and above the head of the Chair. This request of the ruling party for the suspension of the member means that they are not satisfied by naming of the member and they want further action in the matter, which is beyond you or beyong your powers. Under the rules, Sir, you have ample powers and we feel that there is no necessity of this motion. You may suspend him or take any action, whatever you consider fit.

Mr. Speaker: I would like to comment on what the hon. Member, Shri Baldev Tayal has raised.The position is that there are residuary and discretionary powers available with the Speaker but the final arbitrator is the House. Final authority in any matter vests in the House. The Speaker has got no authority to over-rule the wishes of the House. That is an established fact. If the House has got no view on any subject, then certainly the Speaker has got the full authority to use his discretionary powers. But once the matter comes up before the House then no Speaker can over-rule the majority view expressed by the House.

आवाजें: मैजोरिटी व्यू तो आया नहीं हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: The motion means that the majority view is to be obtained. That is why I will put the motion for the decision of the House.

Shrimati Sushma Swaraj (Ambala Cantt): Mr. Speaker, Sir, I would like to say some thing.

Mr. Speaker: Sushma Ji, only for two minutes.

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मै। दो मिनट लेना चाहती हं। श्री बलदेव तायल ने रूल 104 बडी तफसील के साथ कोट किया और इसकी इम्पलीके ान् का जिक्र किया। इकसे बाद आपने कहा कि स्पीकर साहब के पास डिसक्रि ानरी और रेजुडरी पावर्ज है। इसके उपर मै। कहना चाहती हं कि डिसक्री ानरी और रैजुडरी पावर्ज वह होती हे जिनका रूल्ज में हवाला नहीं होता। रूल 104 में मैन्डेटरी पावर हैं डिसक्रि ानरी पावर तब आती है जब, I think, it does not find mention in the book. This power has been specifically mentioned in the book and it empowers you to suspend a member.

Mr. Speaker: This is one thing but Rule 104 should be read in conjeciton with Rule 121.

Shrimamti Sushma Swaraj: Rule 121 is regarding suspension of Rules. ऐसा बहुत ही अजीब स्थिति में किया जाता हैं आज की स्थिति मे यह मो ान लाई जाने वाली नहीं है। हर चीज के बारे मे रूल की किताब में लिखा हुआ है। कोई ऐसी अकस्मात स्थिति आ जउए तब रूल को सस्पैन्ड करना चाहिये और ऐसी स्थिति में रूल 121 आता हैं स्पीकर साहब, जो मो ान आपके सामने है, इसके बारे में अर्ज यह है कि रूल 104 का

मो ान आने से पहले रूल 121 का मो ान में आना चाहिये और पास होना चाहिये रूल आप पढ़ियें।

Mr. Speaker: No. No. Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended.

श्रीमती सुशमा स्वराजः सर, आपका कृपया पूरा पढ़े।

श्री अध्यक्षः इसका मतलब यह नहीं कि एक मो ान अन्डर रूल 121 आए, वह पास हो और फिर रूल सस्पैन्ड हो।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, आप अगली तीन लाईन्ज भी पढिये। Just for your information, Sir, I may read the rule again. It says that-

"Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a particular motion before the Assembly and if the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being."

इसके मुताबिक केवल आपकी कंसैन्ट से रूल सस्पैन्ड नहीं हो जाता बल्कि आपकी कंसैन्ट से मो ान मूव हो सकता है, सर। आखिरी तीन लाईन्ज पर आप गौर करें।

Mr. Speaker: I have before me the rulings of the High Court but I would not like to waste the time of the House in reading out those rulings. When Shri Banarsi Das Gupta was the Speaker, exactly a similar situation arose in the case

of suspension of Shri Jai Singh Rathi and others and the High Court upheld the decision of the House.

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, यह जब तक रूल 121 के तहत मो ान मूव हेकर कैरी नहीं होता तब तक रूल 104 केतहत मो न मूव नहीं हो सकता। आपकी कंसैन्ट केवल मूंविग के लिये चाहिये।

श्री अध्यक्षः मैं तो यह नहीं कह रहा कि मो ान कैरी हो गया। (Interruptions) I am not saying that it has been carried. Why are you jumping to the conclusion that it has been carried?

Shrimati Sushma Swaraj: My submission is entirely different, Sir, (Interruptions).

Mr. Speaker: Your point has come. Please take your seat.

श्री मूलचन्द जैन (सम्भालखा): स्पीकर साहबख यह जो मो ान हाउस के सामने पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर ने पे ा किया है, इसके बारे में मुझे तो तीन एतराजात है। मैं उन पर आपकी रूलिंग चाहता हूं। पहला एतराज मेरा यह है कि यह मो ान इनकी लिखी लिखाई थी और ये इस बात के लिये तैयार थे। इसलिये इस मो ान को मैं मैलाफाइडी मो ान कहूंगा। (ाोर)

चौधरी खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, मैं हमे ाा तैयार रहता हूं। (ाोर) मैं अपने हाथ ने नाम भरता हूं। (ाोर) अपने हाथ से लिखता हूं। (ाोर)

श्री मूलचन्द जैनः दूसरी बात, जो बहुत इम्पौर्टेन्ट है, वह यह है कि रूल 104 की सस्पैन ान का सवाल ही पैदा नहीं होता और न ही मो ान रैलेवेन्ट है क्योंकि जो कुछ भी हालात गंगा राम जी के बारे में हुये है, वे सबके सामने हैं वे पहले भी नेम किये गये और दूसरी बार आज फिर नेम किये गये।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): दो बार ही नहीं, कई बार नेम हुये है। (ाोर)

श्री मूलचन्द जैनः पांचवी बार सही। यह रूल 104 की सब–क्लाज (2) है। यह इस सिचुए ान को कंटैम्पलेट करती है। स्पीकर को यह पावर है कि अगर दूसरी दफा कोई मैंबर नेम हो तो वह खुद तमाम सै ान के लिये या दो तीन दिन के यि उस मैंबर को सस्पैंड कर सकता है। आपकी इजाजत से मैं रूल के इस पो ान को पढ़ देता हूं। पार्लियामेंटरी अफेयरज मिनिस्टर लाइयर भी है, वे खुद भी इस बात को देख लें।

Sub clause (2) of Rule 104 says-

“He may direct any member whoise conduct is, in his opinion, grossly disorderly to withdraw immediately from the Assembly and any member so ordered to withdraw shall do

so forthwith and shall absent himself during the remainder of the day's meeting…………''

यह तो एक पो ्रन है। इसका सैकिण्ड पो र्न इस तरह से है:—

"……….If any member is ordered to withdraw a second time in the Session, the Speaker may direct the member to absent himself from the meetings of the Assembly for any peiod not longer than the remainder of the Session and the member so directed shall absent himself accordingly……………."

चाहे दूसरी, तीसरी, चौथी, पांचवी या कितनी ही दफा, एक से जयादा दफा भी चाहे नेम हुआ हो, तो भी जनबा को पावर है और यह मो ान रूल को सस्पैंन्ड कराने के लिये बिलकुल गैर जरूरी है। (विघन) जब आपको पावर है तो हाउस दखल नहीं दे सकता। (ोर)

Mr. Speaker: The point is that I did not choose to exercise that power. I wish to give all the members not one opportunity, not two opportunities but six opportunities. Even now, I do not wish to exercise those powers vested in me under Rule 104. If I do not wish to exercise those powers and some other member feels that I am not exercising those powers which I should exercise, he has got the right to bring a motion under Rule 121. I am not exercising those powers because my personal information is that members do get carried away on the spur of the moment. Therefore, I want to gove not one opportunity, not two opportunities but 6 opportunities. If I do

not exercise the powers vested in me, but that cannot prevent other members from exercising their power. (Interruptions)

श्री मूल चन्द जैनः फिर भी रूल सस्पैंन्ड करने के लिये ये कैसे मो ान दे सकते है? आपने तो अपनी पावर्ज ऐक्सरसाईज नहीं की।

Mr. Speaker: It is quite possible that some members felf that I should have exercised those powers but because I failed to exercise those powers, therefore, they have moved this motion.

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, अभी मेरी बात खत्म नहीं हुई। मैं यह गुजारि ा करना चाहता हूं कि अगर इस तरीके से इजाजत हुई तो आपकी बतौर स्पीकर जो पावर्ज है, उनका महत्व नहीं रहता। अगर आप अपनी पावर्ज को इस्तेमाल न करें और रूलिंग पार्टी को इस बात की इजाजत दे दें कि यह इस तरह की मो ान पे ा करें तो मैं समझुंगा कि स्पीकर की डिगनिटी और प्रैस्टेज लोअर होता है।

Mr. Speaker: Babu Ji, I want to ask one question. Under what authority can I prevent any member from moving a motion?

श्री मूलचन्द जैनः रूल 121 में भी लिखा है कि आपकी कंसैन्ट से इस किस्म की मो ान आ सकती है। इसे आप प्रिवेन्ट कर सकते है। अगर आपकी अथौरिटी को भी चेलेन्ज करे, उसको आप न रोके तो ठीक बात नहीं है।

स्पीकर साहब, तीसरी बात एक और है कि यह हाउस में गलत प्रथा पडी है जिसको मैं चैलेन्ज कर रहा हूं। ऐसी मो ान अगर आये तो उसके मूव करने का और उस पर डिस्क ान करने का समय मुकर्रर होना चाहिये। यह कभी नहीं होता कि चाहे किसी मौके पर मो ान आये और उस परन तुरन्त बहस ही हो जाये। आज दिल्ली में किसान रैली हो रही है। (विघन) हमारे 5–6 एम0एल0एज0 भाायद वहां गये है और एक एम0एल0ए0 को इन्होने सस्पैन्ड कर दिया है।(विघन)

चोधरी भजन लालः अगर कोई सदस्य होउस को गाली देकर जायेगा, उसके बारे में हम और क्या कर सकते है? (ाोर)

श्री मूलचन्द जैनः इसमें गाली देने का सवाल नहीं हैं (विघन) मुझे अफसोस यह है कि ये मुझे अपनी कहने नहीं देते। आप भाान्ति से सुनिये। (ाोर) मैं स्पीकर साहब, यह बात कह रहा हूं कि मेरे तीन प्वायंटस है। (ाोर) बतौर अपोजी ान लीडर यह मेरा राईट है ओर स्पीकर साहब की इजाजत से मैं बोल रहा हूं। इसमें कोई मिनिस्टर दखल नहीं दे सकता। यह हकीकत हैं तो स्पीकर साहब, मैं अपनी बात खत्म करते हुये यह कहना चाहता हूं कि अगर इस किस्म की कोई मो ान आये तो उस डिसक ान का टाईम उसी वक्त नहीं होना चाहिये। इसके लिये भी दूसरी मो ान्ज की तरह डिस्क ान और वोटिंग का टाईम मुर्कर्रर होना चाहिये। मैंने जैसा पहले कहा, हमारे पांच–छः मैंबर्ज भाायद रैली के लिये दिल्ली गये हैं अगर इस बात का ये नाजायज फायदा

उठाकर वोटिंग करवाना चाहते है तो यह गलत बात है । इतनी मेरी सबमि ान है।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, रोजाना हाउस का मूड एजीटेडिट हो जाता है। बाबू मूल चन्द जी भी कभी–2 नाराज हो जाते है लेकिन हम कुछ नहीं कहते। डाक्टर मंगल सैन जी भी डांट देते है। लेकिन हम फिर कुछ नहीं कहते । (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः आप क्यों नही कहते ? कल तो आप मुझे कह रहे थे कि यह तो सैनेटरी इन्स्पैक्टर की रिपोर्ट है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः कभी–2 जब मेम्बर किसी पवांयट पर एजिटेट हो जाते है तो हम बुरा नहीं मानते। हम तो आप से इतनी ही रिकवैस्ट करते है कि इन रिमाकर्स को एक्सपंज करवा दो लेकिन पूरे सै ान में चोधरी गंगा राम जी का बीहेवियर देखा होगा कि वे किस तरह से पे ा आते हैं इस सै ान के दौरान वे कितनी दफा नेम हुये है लेकिन हम आपसे बार–2 यही कहते है कि इनके रिमार्कस एक्सपंज कर दें। वैसे तो स्पीकर साहब आपकी डिटेल्ड रूलिंग आयी है फिर भी उस पर मैं कुछ कहना चाहता हूं। मैं लीछर आफ दी अपोजी ान पार्टी से दरखास्त करता हूं कि वे उनको ऐसा करने से रोका करे। बाबू

जी हो हाउस में यह तो कहना ही चाहिये था कि उनके मैंबर से गलती हुइ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मूलचन्द जैनः मुझे अफसोस है कि ऐसी बात हुई । (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः बाबू जी आपको यह हक नहीं कि बीच में इंटरफियर करे। हमने आपको इन्टरफियर नही किया। हमारे मेंबर से भी गलती हो सकती है लेकिन इनको अपनी गलती माननी चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः उन्होनें कहा है कि गलती हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः दूसरी बात यह है कि उनको कई दफा समझाया है लेकिन वे रोजाना इसी तरह की बातें कर रहे है। लीडर आफ दी अपोजी ान उनहें यह नहीं कह सकते कि ऐसी गलती न करें। एक तो गलती करते है और फिर उस गलती को डिफैंड करते हैं ये ही नहीं बल्कि दूसरे भाई भी डिफन्ड करते है। यह बडे अफसोस की बात है। मैं चाहूंगा कि मो ान आ गई है इसलिये इसको वोट करें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब आप अपना फैसला देने से पहले मेरी रिक्वैस्ट जरूर सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभी मैं फैसला नहीं दे रहा हूं। फैसला हाउस देगा। आपकी बात भी सुन लूंगा। अब आप बैठिये। I am to say something according to the latest edition of "Practice and Procedure of Parliament" by Kaul and Shakdher, page 804.

"The Speaker alone is vested with the power to give his consent to the moving of a motion for suspension of a rule no reference to the Rules Committee is necessary in the matter, and it is for the House to decide whether a particular rule should be suspended or not. Consent given by Speaker for moving a motion for suspension for rules connot be questioned."

So this is a pertinent thing रूल 104 को सस्पैन्ड करने के लिये इन्होनें मो ान दी है। रूल 121 की अथोरिटी के नीचे कोई भी रूल सस्पैन्ड करने की मो ान आ सकती है। (ाोर एवं व्यवधान) उन्होंने उसी के तहत मो ान मूव की है।

बाबू जी ने बडा परटिनेन्ट प्वायंट रेज किया था। अगर कोई मो ान हाउस के सामने आता है तो आमतौर पर उसके उपर इमीजिएट डिस्क ान और वोटिंग नहीं होती, उसके लिये समय होता है लेकिन अगरकोइ हैपनिंग या इन्सीडेन्टस इन दी फूल व्यू आफ दि हाउस, सारे हाउस के सामने हो तो उस पर उसी वक्त डिस्क ान और वोंटिग हो सकती है।

Chaudhri Khurshied Ahmed: I moved the motion for the suspension of Rule 104 in its application to the

suspension of Chaudhri Ganga Ram with the permission of the Speaker.

चौधरी उदय सिंह दलाल (बादली): स्पीकर साहबख जब तरारेबाजी भाुरू हो जाती है। तो कोई चार आनें, कोई छः आने और कोई आठ आने गलती कर देता है। स्पीकर साहब, मेरी रिक्वैस्ट है कि अगर किसी मामले पर गांव में कोई झगड़ा हो जाये तो फैसला करने वाला बात को लटका देता है ताकि गर्मागर्मी खत्म की जाये। इसलिये मैं आपसे अपील करूंगा कि वह बाहर चला गया। हाउस में भाान्ति आ गई है आरैर अब इस मामले को लटका दिया जाये। आप अपने फैसले को सोचने के लिये रख लें। यह तो स्पीकर साहब की पावर है, स्पीकर अपने फैसले को लटका दें।

श्री अध्यक्षः अपील तो आप मेरे से कर रहे है। जिस मेंबर ने मो ान मूव किया है उससे रिक्वैस्ट कर लें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः चौधरी गंगा राम जी के जाने के बाद भाान्ति आ गई है। स्पीकर साहब, मैं आपसे यही रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि कितने ही मसले ऐसे होते है जिन को हल करने के लिये आप सरकार की तरफ देखते है और जब आपका दिमाग उलझा जाता है तो उस वक्त आप कह देते है कि ममला दफतर में एग्जामिन होने लगा हुआ है यानि एग्जामिन हो रहा है। इस मामले

को भी एग्जामिन में रख लें। उनको बचाने के लिये आप एग्जामिन कर लीजिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह अपील आप उनसे कर सकते है जिन्होने मो ान मूव की है। (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः खुर ाीद साहब हमारे दोस्त है और पुराने दोस्त है, पढे लिखे है। वे हाली पाली वाली बात क्यों करेगें। जरूर मान जायेगें। इस तरह से करनाकोई अच्छी बात नहीं है। यह प्रथा गलत पड़ जायेगी। स्पीकर साहब आप अपनी पावर का इस्तेमाल करें।

चौधरी खुर ाीद अहमदः जनाब आपके नोटिस में यह बात आ गई दलाल साहब, जो हमारे साथी है, हम उनकी बहुत इज्जत करते है। उन्होनें खुद इस बात को माना है कि उसकी गलती है। किसी ने छः आने, किसी ने आठ आने और आज उन्होने सवा सोलह आने गलती कर दी। भाान्ति तब हुई जब उनके अलफाजात के अनुसार वे हाउस से निकल गये। ऐसे आदमी को जो रोजाना हाउस को मजबूर करे, जिसे बार–2 नेम किया जाये और स्पीकर साहब के नेम करने के बावजूद भी बाहर न जाये और अगर जाये तो गालियां देता हुआ, गलत बातें जबान से कहता हुआ बाहर जाये तो उसको सस्पैन्ड न किया जाये तो और कया किया जाये? This is unbecoming of the member of this august House. स्पीकर साहब, सच्चाई हर हालत मे मुहं से निकल

जाती है। इबाने से नहीं दबती। उसके जाने के बाद भाान्ति पैदा हुई है। अगर वह रहता है तो भाान्ति हाउस में नही रहती, डैकोरेन नहीं रता। वह चेयर की रूलिंग को डिफायी करता है, हाउस से बाहर जाते हुये गालियां देता हुआ जाता है और मिसबिहेव करता हैं इसलिये मजबूर हो कर हमने उसके खिलाफ रूल 121 के तहत रूल 104 को सस्पैन्ड करने की अनुमति मांगी है। मैं समझता हूं कि हाउस की फीलिंग मेरे साथ है। यह मो ान हाउस के सामने पुट किया जाये और इस मैंबर को हाउस से सस्पैनड किया जाये।

जेल तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी ि ाव राम वर्मा): स्पीकर साहब, बाबू मूल चन्द जी बोलते हुये कह रहे थे कि वे लीडर आफ दी अपोजी ान है। उनहोने यह भी कहा कि उनके छः मेंम्बर्ज रैली में गये है और कुछ यहां बैठे है। अगर ये उनके लीडर है तो क्या वे इनसे पूछ कर गये है या वैसे ही रैली में चले गये? (चोधरी संत कवंर की और से विघन)

श्री अध्यक्षः This has got no relevancy to the motion. जो अपील दलाल साहब ने की है, वह बहुत अच्छी अपील है। इन्होनें कोई गलती नहीं की है। अगर सब के सब मिल कर अपील करते तो बात ठीक हो जाती। संत कंवर जो, नाराज होने की कोई बात नहीं है। (विघन)

श्री हीरानन्द आर्य (लोहारू): अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जो प्रस्ताव मंत्री महोदय ने पे ा किया है उस में रूल 104 के तहत सस्पैं ान का मो ान आता है। अगर कोई ऐसी बसी बात होती तब तो कोई बात होती। अध्यक्ष महोदय, रूल 104 के बारे में आपने खुद ऐक ान लिया और उनको नेम भी कियाऔर उसका सजा दी। लजेनिक मेरी समझ में नही आताकि इनको दोबारासस्पैंड करने की क्या आव यकता थी? इसलिये मैं आपसे दरखास्त करता हूं कि .....(ाोर)

श्री अध्यक्ष: मैं किसी भी मैंबर को अधिकार प्रयोग करने से कैसे रोक सकता हूं।(ाोर)

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, यह अधिकार कासवाल नहीं है।

श्री अध्यक्ष: इस पर मै अपनी रूलिंग दे चुका हूं और इस पर डिस्क ान भी बहुत हो चुका है। (ाोर) Please sit down.

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the suspension of Shri Ganga Ram.

The motion was carried.

वाक आउट

चौधरी संत कवंरः हम एज ए प्रोटैस्ट आक आउट करते है।

(इस समय लोक दल तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

चौधरी गंगा राम एम0एल0ए0 का निलम्बन

Finance Minister (Chaudhri Khurshid Ahmed): Sir, I beg to move-

That Shri Ganga Ram be suspended from theservice of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of a Member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Shri Ganga Ram be suspended from theservice of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of a Member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Shri Baldev Tayal(Hansi): Mr. Speaker, Sir, I most humbly submit before this august House and before you honour that the p[riniciples of justice require that any person who is either accused or is being prosecuted or is being charged or is being or brought forward.....(Interruptions)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती भाांति देवी): तायल साहब आप हिन्दी में बोलें तो अच्छा रहेगा।

श्री बलदेव तायलः अभी मंत्री महोदय ने हिन्दी में बोलने के लिये फरमायाहै इसलिये मैं उनके आदे ा का पालन करूंगा। स्पीकर साहब, मैं यह कह रहाथा कि इन्साफ का यह तकाजा है कि जब भी किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्यवाही की जाये तो उस व्यक्ति को अपनी बात कहने का अवसर जरूर मिलना चाहिये ताकि वह कह सके कि मैने यह काम किया या नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, आपने श्री गंगा राम को नेम कर दिया और मा र्ाल ने उसको निकाल दिया। उसके बाद श्री गंगा राम दुबारा हाउस में नहीं आये ।उन के खिलाफ यानि मैंबर के हाउस में मौजूद न होने पर सस्पैं ान का मो ान लाया जा रहा है। क्या किसी मैंबर की गैर हाजिरी में यह मो ान लाया जा सकता है या नहीं?

दूसरी बात यह है कि जो सदस्य सदन में नहीं है उसको अपनी बात कहने का मोका नहीं मिलता कि वह अपनी बात सदन के सम्मुख कह सके या आपके सम्मूख रख पाये। मैं केवल इतना ही कहने के लिये खडा हुआ हूं कि पहले अभियुक्त को सुना जाये। उसको सुनने के बाद आप और सदन, जो चाहे फैसला देसकते है। (ाोर)

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, रूल 104 को सस्पैंड करा के श्री गंगाराम को सै ान के बाकी समय से निलम्बित करने के लिये चौधरी खुर ाीद अहमद यहां मो ान ले करके आये है। अध्यक्ष महोदय, मैं केवल इतनी मात्र गुजारि ा करना चाहूंगी कि रूल 104 में आपको यह पावर्ज थी कि आप स्वयं उसको निश्कासित कर देते और कह देते कि वह न आये। (ाोर) यह रैपीटि ान नहीं है।

Chaudhri Khurshed Ahmed: This is repetition of the previous already made out in the House.

श्रीमती सुशमा स्वराजः आप मेरी बात को सुनिये तो सही, यह रैपीटि ान नहीं है। अध्यक्ष महेादय, आपने स्वयं उसका प्रयोग नहीं किया और यह कहा कि आप उस पावर को एक्सरसाईज नहीं करना चाहते थे, क्योकिं आप उसको यादों से ज्यादा अपरचूनिटी देना चाहते थे। मैं केवल मात्र यह गुजारि ा करना चाहुंगी कि जिस ताकत का आप स्वयं प्रयोग नहीं करना चाहते थे जो रूल के तहत दी गई थी, उसका प्रयोग अनाव यक रूप से इस रूल को सस्पैंड करनो के लिये रूलिंग पार्टी के लोग न करे। अगर आप यह समझते हे कि हाउस के डैकोरम को चलाने के लिये उनको बाहर निकालने की जरूरत थी तो आप स्वयं उस पावर को इस्तेमाल कर लेते और आप स्वयं उस रूल के तहत उनको सस्पैंड कर सकते थे। (ाोर) इसलिये मैं रूलिंग पार्टी के मैंबरों को बडे अदब के साथ यह गुजारि ा करना

चाहूंगी कि अगर आप अपनी पावर को एक्सरसाईज कराने को जरूरत न समझे ंतो इस गरिमामय सदन में थोडी सी गरिमा दिखायें और इस मो ान को वापस ले लें। रूल 104 को सस्पैंड कराके उसको बाकी समय के लिय निंलबित करनो का प्रस्ताव पारित न करवायें, यही मेरी आपसे गुजारि ा है।

श्री अध्यक्षः अब जैन साहिब बोलेंगे। बाबू जी आप पुरानी बातों की रिपीट न करे।

श्री मूलचन्द जैन (सम्भालखा): स्पीकर साहब, मैं पुरानी बातें नहीं कहूंगा। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जब उन पर यह एलीगे ान है कि उन्होनें हाउस में डिस–आर्डली कन्डक्ट यिकातो यह एक हाउस का कवै चन आफ प्रीविलेज बन जाता है और जब कभी भी कोई क्वै ाचन आफ प्रीविजन बन जाता है तो वह प्रीविलेज बन जाता है और जब कभी भी कोइ कवै चन आफ प्रीविलेज बन जाता है तो वह प्रीविलिज कमेटी के सुपर्द किया जाता है। किसी मैंबर के खिलाफ अगर कोई आरोप होता है तो प्रिविलेज कमेटी उस मैंबर को सुने बगैर कोई फैसला नहीं कर सकती। आप मैंबर को मौका दिये बिना सस्पैंड कर रहे है। इसके भी एक प्रकार से दों पार्ट बन जात`हैं एक तो यह हे कि उन्होनें डिस–आर्डली कन्डैक्ट किया है। किया हे या नहीं, वह तो हाउस के सामने है। दूसरा प्र न यह है कि उसकी सजा कितनी दी जाये? आया उसकी सस्पें ान एक दिन के लिये ही काफी है या रिमेन्डर आफ दी सै ान के लिये होनी चाहिये? मैं यह चाहता हूं

कि इन दोनो पार्टस पर मैंबर की सुनें बगैर हाउस यह फैसला करे तो हाउस को यह बिल्कुल भाोभा नहीं देता।

Mr. Speaker: It has already been brought by Shri Baldev Tayal, who dwelt upon it for about five minutes.

श्री मूलचन्द जैनः इसलिये मैं यह चाहताहूं कि उसे मौका दिये बगैर कोई फैसला नहीं होना चाहिये।

श्री अध्यक्षः अब स्वामी दो मिनट के लिये बोलेंगें लेकिन कोई बात रिपीट नहीं होनी चाहिये।

स्वामी अग्निवे ा (पूंडरी): अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात कहना चाहता हूं कि रूल 104 को तब सस्पैंड किया जा सकता है जब रूल 104 का कोई प्रयोग न किया गया होता अगर ऐसा होता। तो रूल 121 के तहत रूल 104 को सस्पैंड करनो के लिये मो ान ला सकते थे लेकिन आप न स्वयं उस अधिकार का प्रयोग किया हैं रूल 104 का प्रयोग करके आपने उस मेंबर को सदन से जाने के लिये कहा है। जब आप एक चीज का प्रयोग कर चुके है। तो फिर दुबारा रूल 104 को सस्पैंन्ड कराने का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

Mr. Speaker: As far as the question of Rule 104 is concerned, that rule has already been suspended by a substantive motion that was brought before the House. इस मामले को दोबारा रीओपन करना कि रूल 104 सस्पैंड होना चाहिये या नहीं होना चाहिये उसके लिये डिबेट था। वह तो

मो ान पास होने से पहले हो सकता था लेकिन वह मो ान तो आलरैडी पास हो चुका हैं अब इस पर कोइ डिबेट नहीं हो सकती है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री हीरानन्द आर्य: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं स्पीकर साहब, आपकी इस बारे में रूलिंग चाहूंगा कि क्या किसी सदस्य को किसी एक जुर्म के लिय दो बार सजा दी जा सकती है?

Mr.Speaker: This is a matter of common law of the country. Neither I consider myself sufficiently qualified nor sufficiently experienced to give judgement on this point.

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, अपोजी ान के साथीयों ने एक बात दोहरायी। रूल 104 की सस्पैं ान के लिये मो ान हाउस के सामने आया और वह पास हो चूका है। बार–2 यह बात कही गयी कि जब स्पीकर साहब ने इस बात की जरूरत नहीं समझी कि रूल 104 के तहत अपनी पूरी पावर्ज का इस्तेमाल करे तो हमें क्या जरूरत है? रूल्ज आफ प्रोसीजर में मैंबर्ज को यह राईट इसीलिये दिया गया है ताकि हर काम के लिये चेयर को एमबौरेर न होना पड़े और एज ए मैंबर हमें यह हक दिया गया है कि अगर हम किसी चीज को महसूस करें कि यह गलत कही गयी है और कोई मेंबर इस काबिल नहीं है कि उसको हाउस बर्दास्त कर सके तो कोई भी मैंबर रूल 121 का इस्तेमाल स्पीकर साहब की इजाजत से कर सकता है और रूल

121 के तहत.....(श्रीमती सुशमा स्वराज की और से व्यवधान)देखिये भार्म की बात तो आप कहती है। जब आप कहती है तो भार्म तो मुझे आती है। जतो सारा वाक्या हुआ है, वह हाउस के सामने है इसके बारे में दूसरा एतराज यह उठाया गया है कि मैंबर को अपार्चुनिटी देना चाहिये।लीडर आफ दि अपोजी ान नेयह भी कहा कि यह कवै चन आफ प्रिवीलेज भी बनता है और इसको प्रीविलेज कमेटी के सामने रखा जाये ।इन दोनों बातों का जवाब मै यह देता हूं कि इस हाउस के सामने जो वाक्या हेा चुका है.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री मूलचन्द जैलः मैंने यह नही कहा कि प्रिवीलेज कमेटी को भेजा जाना चाहिये, मैने यह कहा है कि अगर प्रिवीलेज कमेटी में यह मामला जाता तो उसको सुने बगैर प्रिवीलेज कमेटी भी कोई फैसला नहीं कर सकती थी।

चौधरी खुर ाीद अहमदः आपकी इस बात का भी मैं जवाब देता हूं। प्रिविलेज कमेटी इस सदन की हो एक कमेटी होती है। जो आदमी इस सारे सदन के अन्दर और सबके फूल व्य में मिस–बिहेव और मिस–कंडक्ट करें, उस के मामले को किसी कमेटी में भेजने की जरूरत नहीं है। कब बुलाया उस मैंबर ने जो कुछ यिका वह हम सबने देखा है। इस बात के लिये किसी बाहर के आदमी को एवीडैंस नहीं लेनी है और न ही किसी को बुलाने की जरूरत है और न ही कोई आदमी हमारे सामने इस बात की गवाही देने के लिये आया है। जो जुर्म उस मैंबर ने हाउस के

फुल व्यू मे ंकियाहै वह हम सबने देखा है। इस में किसी और की एवीडैंस लेने की जरूरत नहीं है। इसलिये इसके बारे में उसे कोइ अपोचुर्निटी देने की जरूरत नहीं हे सब के फुल व्यू में यह जुर्म हुआ है। तथा हाउस इस बारे मे ंडिसीजन लेने में कम्पीटट हैं Therefore, I would submit that the motion be put to vote and passed.

Mr. Speaker: My view on the oint raised by Babu Mool Chand Ji is that if a question of privilege is brought before the House against any member then the presence of that member is essential. If it is a question of suspension then the rules are silent on the subject. I have studied two or three cases and on that basis my ruling is that this presence is not necessary. Now the motion before the House is about the suspension of Shri Ganga Ram, M.L.A., which I will put to the vote of the House.

Question is-

That Shri Ganga Ram be suspended from theservice of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of a Member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The Motion was carried.

वाक आउट

श्री बलदेव तायल: अध्यक्ष महोदय, मैं ट्रेजरी बैन्चिज के मैंबर्ज द्वारा ब्लूट मैजोरिटी का ुायद उइाने के प्रोटैस्ट में वाक–आउट करता हूं।

Chaudhri Khurshid Ahmed: I take strong objection to it Sir. These words should be expunged from the proceedings of the House.

Dr. Mangal Sein: Why is he shouting, Sir? (Interruptions). It is our valuable right to protest,Sir. (Interrutptions).

(At this stage all the members of the opposition staged a walk-out)

गैर सरकारी बिल

(क) प्रस्तुत करने की अनुमति (प्रस्ताव वापिस लेना)

(i) दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिंग) बिल, 1981

श्री अध्यक्ष: अब श्री हर स्वरूप बूरा हाउस से दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिंग) बिल, 1981 इन्ट्रोडयूस करने की इजाजत मांगेंगे।

चौधरी हर स्वरूप बूरा(मेहम): स्पीकर साहब, मुझे ऐसा मालूम हुआ कि गवर्नमेंट इसके प्रौस एण्ड कौज को देख रही है।

इस बात को देखते हुये कि सरकार इस बारे में एक कन्सौलिडेटिड बिल लायेगी, मैं अपना बिल विदड्रा करता हूं।

Mr. Speaker: The Bill has been withdrawn by the hon. Member.

(ii) दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिंग) बिल, 1981

श्री अध्यक्षः अब श्री मूल चनद जैन हाउस से दि पंजाब प्रि–एम्प ान (हरियाणा रिपीलिंग) बिल, 1981 को इंट्रोडयूस करने की इजाजत लेगें।

श्री मूलचन्द जैन (सम्भालखा): स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से यह बिल हाउस में इन्ट्रोडयूस करना चाहता हूं। पंजाब और हरियाणा में एक हक ूफे का कानून बना हुआ था। पंजाब ने तो उन कानून को 5–6 साल पहले वापिस ले लिया हैं रिपील कर दिया है, खत्म कर दिा है लेकिन हरियाणा में अभी यह कानून जारी है।

श्री अध्यक्षः बाबू जी, पहले आप हाउस से बिल इन्टरोडयूस करने की इजाजत मांगिये।

Shri Mool Chand Jain: Sir, I beg to move-

That leave be granted to introduce the Pujab Pre0emption (Haryana Repealing) Bill, 1981.

Mr. Speaker: Motion moved-

That leave be granted to introduce the Pujab Pre0emption (Haryana Repealing) Bill, 1981.

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं हक ुफे के कानून के बारे में कह रहा था। यह असल कानून तो सन् 1913 मे बना था बल्कि इससे ीाी पहले का चला आ रहा ह। उसको बने हुये अब इस हिसाब से 70 साल के करीब हो गयेहैं जिस जमाने में यह कानून बना, उस जमाने के लेागों के रिवाजात में, लोगों के विचारों और रहन–सहन के ढंग में आज के जमान`के मुकाबले में काफी फर्क हो गया हैं उसके बाद सन् 1956 में हिन्दू विरासत कानून यानि हिन्दू सक्सै ान एक्ट बना जिसके कारण भी लडकियों या लेडीज को विरासत का अधिकार मिला। उसकी वजह से भी भुफे के कानून की जरूरत नहीं रही। भुफे का कानून वैसे हरियाणा में सभी मेंबर्ज जानते है, अगर कोई एक आदमी अपनी सम्पत्ति बेच दे, मकान या जमीन बेच दे तो उसका कोई रि तेदार या उसका कोई वारिस जिनको कानून के अन्तर्गत अधिकार दिा हुआ है, वह उस खरीददार पर अदालत की मार्फत खुद सबसटीच्यूट हो जाता है। जो कीमत अदालत मुकर्रर करे, उसको अदार करने के बाद, वह उस जायदाद का मालिक बन जाता है। इस कानून की आज के युग में मैं समझता हूं कि कोई जरूरत नहीं है और बेकार में लेाग मुकदमेबाजी में उलझते हैं आज जायदाद बेचने वाले हा ियारी करते है क्योंकि आये वर्श सम्पत्ति क कीमत बढ जाती है और एक वर्श भुफे की मियाद होती हैं बेचने वाले के उपर जब कोई हकदार होने का दावा

करता है तो 3–4–5 साल अदालत में लग जाते है, पहले फर्स्ट कोर्ट फिर सैकिण्ड कोर्ट । इतने में 4–5 वर्श में उस समपतित की कीमत ढयोढ़ी या दुगुनी हो जाती हैं परिणाम यह होता है कि वही बेचने वाला जिसने पहले जायदाद बेची थी डेढ़ गुणा कीमत लेना चाहता हैं। स्पीकर साहब जैसा कि मैने पहले भी कहा है कि पंजाब में यह एक्ट छः सात साल पहले खत्म हो गया है इसलिये मैने इसी कानून के खत्म होने के बारे में चीफ मिनिस्टर साहब को एक पत्र भी लिखा था और उसके बाद मैं उनसे मिला भी था क्येकि मैं समझता हूं कि हरियाणा के अन्दर बेकार की लिटीगे ान होती है। अलबत्ता इसमें मैने एक रिजर्वे ान रखी है और वह रिजर्वे ान यह है कि अगर कोई किरायेदार मकान पर या जमीन पर मुजारे की हैसियत से बैठा है और उस जायदाद को मुजारे के अलावा किसी और को बेच दिा गया है तो मुजारे का अधिकार रहना चाहिये क्योकि वह पहले से बैठा हुआ है। जहं तक भहरी सम्पत्ति का ताल्लुक है भाहर में यह कानून वैसे ही सीमित तौर पर लागू होता है क्योंकि वहां यह भी साबित करना पडता है कि भाुफा का रिवाज हैं चूंकि बहुत से भाहरों में आबादीबहुत बढ गई है। इसलिये उन नये इलाकों मे रिवाज साबित नहीं किया जा सकता । सिर्फ देहात के लोगें पर इसका असर पडता हैं। मुझे खु ाी है कि रूंलिग पार्टी के चौधरी हरस्वप बूरा ने भी इसी प्रकार का बिल हाउस में पे ा किया है।

आवाजें: उन्होनें वापिस ले लिया हैं।

श्री मूल चन्द जैनः वापिस ले लिया है तो मुझे पता नहीं स्पीकरसाहब, इस बिल में किसी पार्टी का सवाल नहींहै। यह पार्टी से बालातर चीज है। स्पीकर साहब, इससे मुकदमेंबाजी काफी खत्म होगी। स्पीकर साहब, अगस्त, 1980 में मैं चीफ मिनिसटर साहब को मिला था और जो बातें डिस्क ा हुई वे सारी बातें लैटर के रूप में मैने लिख दी थी। मैने उनसे बातचीत करके यह इमप्रै ान लिया कि चीफ मिनिस्टर साहब मेरी बात से सहमत है और यह खत्म हो जाना चाहिये लेकिन चूंकि सरकार की तरफ से कोई बिल नहीं आया तो मजबूर होकर मुझे यह बिल लाना पडा। अगर सरकार कोई अ योरैंस देती है कि हम इस प्रकार का बिल अगले सै ान में ले आएंगे तो मैं भी इसको विदड्रा कर सकता हूं।

चौधरी रिजक राम (राई): स्पीकरसाहब, बाबू मूल चन्द जी ने जो बिल रखा है उसके बहुत फारीचिंग कंसिक्वैनसिज हैं यह बात ठीक है कि इसको बहुत ज्यादा ऐक्सलाएट किया जा रहा है लेकिन हमें इसके दूसरे पहलुओं को भी नजरअन्दाज नहीं करना चाहिये। यह बात ठीक है कि हालात काफी बदल गये है लेकिन फिर भी इस एक्ट की काफी जरूरत हैं स्पीकर साहब , कितने ही जायदाद के मालिक भाराब की बीमारी में फंस जाते है। कितनी ही सादा महिलायें और उनके छोटे–छोट बच्चे बिल्कुल बेसहारा हो जाते हैं उनके रि तेदार और सम्बन्धी जेवर बेचकर और दूसरे तरीकों से उन बच्चों का गुजारा करते है और जायदाद

को बचाने के लिये हक ुफा करते है। इस तरह के कितने ही केसिज हमने देखे है। जिसमें अनजान और सादा मालिकान की सादगी का नाजायज फायदा उठाया जाता हैं सपीकर साहब, आज इस एक्ट का असर यह है कि इस की वजह से लोग जायदाद की कीमत जयादा लिखवाते है और जब रजिस्ट्रे ान होती है तो स्टाम्प डयूटी लगती है और सरकार का फायदा होता हैं अगर ह एक्ट न हो तो जायदाद की असती वैल्यू से भी कम कीमत लेाग लिखवायेगें और रजिस्ट्र ान में कम स्टाम्प डयूटी लगेगी जिससे कि सरकार का नुकसान होगा। स्पीकर साहब, बाबू मूल चन्द जी काफी समझदार और मान हुये वकील है। मैक्ं उनसे प्रार्थना करूंगा कि आज के हालात को देखते हुये वे इस बिल को वापिस ले लें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, बाबू मूल चन्द जी ने मुझे एक चिट्ठी लिखी थी और बातचीत भी की थी। स्पीकरसाहब, यह बिल बहुत महत्वपपूर्ण है, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन कोई बिल जल्दबाजी में लायेगें तो कोई बात नहीं बनेगी। इसको गहराई से देखना पडेगा। कल हमने सीनियर आफिसर्ज की एक मीटिंग बुलाई थी और उनसे विचार विम र्ा किया था। स्पीकर साहब, मैं वादा तो नहीं कमरता कि अगले सै ान में सरकार इस बिल को हाउस में ले आयेगी लेकिन हम कोि ा ा करेगें कि अगले सै ान में इस बिल को ले आये।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकरसाहब, जो कुछ मुख्य मंत्री जी ने कहा हे उसको देखते हुये मैं अपना बिल वापिस लेता हूं।

Mr. Speaker: Has the hon. Member the permission of the House to withdraw his motion?

Voices: Yes.

The motion, by leave of the House, was withdrawn.

(ख) पहले से प्रस्तुत किया गया विधेयक (विधेयक वापिस लेना)–

दि पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 1980

स्वामी आदित्यवे ा (हथीन): अध्यक्ष महोदय, पिछले साल मैने पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा सं ाोधन) बिल इंट्रोडयूस किया था। इस सम्बन्ध में हमारी पार्टी की मीटिंग हुई थी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने चार सदस्यों ी एक समिति बना दी है ताकि इस बिल पर पूरी गहराई से विचार किया जा सके। उस समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार आगामी सत्र में बिल ले आयेगी इसलिये उस चीज को दृश्टि में रखते हुये मैं इस बिल को वापिस लेता हूं तथा इसकी कंस्ड्रे ान की मो ान मूव नहीं करता।

Mr. Speaker: Has the hon. Member the permission of the House to withdraw his motion?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The Bill is now, by leave of the House, withdrawn.

वर्श 1981–82 के बजट की डिमान्डज फार ग्रांटस पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्षः मैबर साहेबान, अब वर्श 1981–82 के बजट की डिमांडज फार ग्रांटस पर विचार होगा। पहली प्रैक्टिस के मुताबिक और हाउस क समय बचाने के लिये आर्डर पेपर रखी गई सभी डिमांडज फार ग्रांटस एक साथ पढी और पे ा की गई समझी जायेगी। आनरेबल मैंबर्ज किसी भी डिमांड पर डिस्क ान कर सकते है लेकिन बोलते समय कृपया डिमांड का नम्बर बता दें लिस पर वे बोलना चाहते है और साहेबान अढ़ाई बजे गिलोटिन एप्लाई यिका जायेगा और इस दौरान बीच में अगर मैंबर सहेबान लंच के लिये जाना चाहे तो जा सकते है। लंच डेढ़ बजे तैयार होगा।

दूसरी बात टाईम के बारे में हैं अगर हाउस सहमत हो तो दस मिनट पर बैल बज जायेगी और उकसे एक–दो मिनट बाद मैंबर साहब अपनी स्पीच वांइड अप कर देगें।

आवाजेंः ठीक हैं जी।

श्री हीरानन्द आर्यः स्पीकर साहब, टाईम बढा दे तो अच्छा रहेगा। काफी बोलने वाले बाकी है। इाप गिलोटिन का टाईम तीन बजें का रख लें।

श्री अध्यक्षः अभी अढ़ाई घंटे का टाईम बाकी ह। गिलोटिन अढ़ाई बजहे एप्लाई किया जायेगा।

That a sum not exceeding Rs. 210431000 for revenue expenditure and Rs. 266224600 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.8- Bulidings and Roads.**

That a sum not exceeding Rs. 441135940 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.10- Medical and Public Health.**

That a sum not exceeding Rs. 125686105 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.12- Labour and Employment.**

That a sum not exceeding Rs. 47677715 for revenue expenditure and Rs. 22705600 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.16- Industries.**

That a sum not exceeding Rs. 541264795 for revenue expenditure and Rs. 103466000 for capital

expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.23- Transport.**

That a sum not exceeding Rs. 4941220 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.1- Vidhan Sabha.**

That a sum not exceeding Rs. 74035625 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.6 – Finance.**

That a sum not exceeding Rs. 64019880 for revenue expenditure and Rs. 3600000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.7- Other Administrative Services.**

That a sum not exceeding Rs. 17422695 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.11- Urban Development.**

That a sum not exceeding Rs. 75318770 for revenue expenditure and Rs. 1204000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.13- Social Welfare & Rehabilitation.**

That a sum not exceeding Rs. 75623000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.18, Animal Husbandry.**

That a sum not exceeding Rs. 14132420 for revenue expenditure and be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.19- Fisheries.**

That a sum not exceeding Rs. 69528230 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.20- Forest.**

That a sum not exceeding Rs. 5834790 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.24- Tourism.**

That a sum not exceeding Rs. 718482400 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand **No.25 – Loans and Advances by State Government.**

(12.00 बजे)

(इस सयम सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी हरस्वरूप बूरा, पदासीन हुये)

चौधरी रिजक राम (राई): चेयरमैन साहब, मैं डिमांड नम्बर 8 और 10 के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं। डिमांड नम्बर 8 का जहां तक ताल्लुक है, सरकार ने यह फैसला किया है और ऐलान किया है कि 31 मार्च, 1981 तक हरियाणा में हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ दिया जाएगा, इसका मैं स्वागत करता हूं । मुख्य मंत्री महोदय तो बैठे नहीं , कृपया दुसरे मंत्री नोट कर लें कि राई के हल्के में अब भी कई ऐसे गांव जैसे मसौदी वगैरह–2 है, जहां पर अभी तक भी सड़के नहीं बनी है। राठी साहब वहां पर त ारीफ भी ले गये थे। अब जबकि 31 मार्च आने में केवल दो–चार दि नही बाकी रह गये है। इन चंद दिनों मे जितना भी सम्भव होसके, सरकार को अपने वायदे के मुताबिक सडकें बना देनी चाहिये। अपनी तरफ से सरकार को इस काम के लिये पूरी कोि ा ा करनी चाहिये। इससे अगली बात मैं यह कहना चाहता हूं कि एक सडक साबौली से नरेला तक की, जिसको बनाने के बारे में इनहोने विस्तार से एलान किया हैं गांव वालों ने अपनी जमीन भी दे दी है और मिट्टी भी डाली जा चुकी है। जब स्वर्गीय संजय गांधी जी वहां आये थे तो उस वक्त इसको बनाने का प्रोग्राम बनाया गया था और संजय गांधी के नाम से ही यह सडक बनयी जायेगी लेकिन गांव वालों की तरफ से इतना कुछ होन`के बावजूद भी सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही की गयी है। इस बारे में मैं सरकार से इतना ही कहना चाहता हूं कि इस तरफ खास तवज्जो दी जाये।

चेयरमेन साहब, अब रोजगार के बारे में भी मै दो चार बातें आपके माध्यम से हाउस में कहना चाहता हूं। डाक्अर साहब तो बैठे नहीं, अगर होते तो अच्छा था। जहां तक रोजगार का ताललूक है, जब भी डाक्टर मंगल सेन हाउस में बोलते है, रोजगार की ही बात करते है और दल बदल की बात करते है। मैं उन्हें एक बात कहना चाहता हूं कि मुख्य मत्री और उनके दूसरेसाथी, अगर उस वक्त ऐसा दल बदल वाला काम न करते तो उस वक्त भी बेरोजगारी का संकट पैदा हो जाता क्योकि नये इलेक ान हो जाते। पता नहीं किस ने आना था, किस नहीं आना था और एम0एल0एज0 की बेरोजगारी भी बढ जाती। इसलिये डाक्टर मंगल सेन जी को मुख्य मंत्री महोदय का भाुक्रीया अदा करना चाहिये कि उन्होनें इन लोगों को बचा लिया।

चेयरमैन साहब, वैसे दल–बदलुओं वाली बात जचती नहीं क्यांकि जब कुनबा बड़ा हो जाता है तो अलग–2 होना ही पड़ता हैं आप देख ही रहे हे कि अपोजी ान वाले तीन जगहों पर अलग–2 होकर बैठे है। एक सो ालिस्ट पार्टी है, एक बी0जे0पी0 और तीसरी लेाकदल की पार्टी है। इसलिये यही हालत दल–बदल की भी हो जाती है।

श्री मूलचन्द जैनः चेयरमेन साहब, मैं आपकी इजाजत से चौधरी रिजक राम जी से पूछना चाहता हूं कि ये जिसपार्टी के आदमी को हराकर यहां पर आये है, क्या ये उसी पार्टी में भाामिल हो सकते है? क्या यह भी एक कुनबे को डिवाईड करना नहीं है?

चौधरी रिजक रामः बाबू जी, सिद्धांत रूप से तो ठीक बात है। अगर ऐसी बातें करते रहोगे तो हमें अलग ही कर देागें। (हंसी) अब बाबू जी, आप ही देख लीजिये चौधरी हरफूल सिंह आपकी पार्टी में थे, और अब वे कहां पर बैठे है? बाबू जी आप भी मेरी बात से सहमत होगें कि कांग्रेस में भाामिल होना तो ऐसा है जैसे गंगाजी में स्नान करलेना। असल मं बात यह है कि मुख्य मंत्री महोदय, ज्यादा भीड़ भड़क्का पसन्द नहीं करते । पहले पोहलू साहब गयें, अब चौधरी गंगा राम भी चले गये और तायल साहब को तो भाौक–ट्रीटमेंट दे रखा है। चेयरमैने साहब मेरा क्या हैं मैं तो आखिरी बैन्च पर आ गया हू। इसलिये बाबू जी को ऐसी किसी बात का जिक्र यहां पर नही करना चाहिये। हां, तो मैं रोजगार की बात कर रहा था । बेरोजगारी की असैसमेंन्ट तो आज हमारे हरियाणा में और हिन्दुस्तान में नहीं की जा सकती। जहां तक खेती का काम है, वह डिसकार्टिड है। जहां पर दो तीन आदमियों की जरूरत है वहां पर 10 बैठे है। इसी तरह से दस्तकारी की हालत हं जहां रपर दो आदमियों का काम है, वहां पर 10 आदमी बैठे है। 1978–79 के जो आंकडे है, उन से पता चलता है कि लगभग 10 लाख से अधिक ऐसे आदमी है जोकि बेरोजगारी के अन्दर फंसे बैठे है। इस के इलावा मेरी यह अर्ज है कि वे आंकेडे सही भी नहीं है क्योंकि ये आकंडे यह जाहिर नहीं करते कि इन में से कितने नाम एम्पलायमेंन्ट एक्सचेंजिज में दर्ज है। क्या इतने ही आदमी अनएम्पलायड है? हालात को देखने से तो ऐसा लगता है कि इस से ज्यादा लोग बेरोजगारी का सामना

कर रहे है। इस समय हमारे हरियाणा प्रान्त में दो–तीन किस्म की बेरोजगारी है। एक अन–एम्पलायमेंट, दूसरा अन्डर–एम्पलायमेंट और तीसरा सेल्फ कियेटिड अन–एम्पलायेमेंट। चेयरमैन साहब, खेती की प्रोडक ान बढने से ऐसा प्रतीत होता है कि इस फील्ड में लोग और ज्यादा अब्जार्ब हो सकते है लेकिन मै कहता हूं कि कृशि के क्षेत्र मेंआज भी लोग सरप्लस है और अन–एम्पलायमेंट की दिक्कतें दिन–ब–दिन और जयादा बढती जा रही हौ और 71 की मरदम ुमारी के अनुसार हरियाणा की आबादी क`वल 76 लाख के करीब थी जबकि हरियाणा प्रान्त अभी नया नया ही बना था लेकिन आज उससे दुगनी आबादी हमारे हरियाणा की हो चुकी है। आज हमारे हरियाणा की आबादी 1 करोड़ 30 लाख की हैं आबादी बढने से इसका भार कृशि पर पडता है। आज भी हमारे दे ा मे 70–71 प्रति ात लोग भूमि पर गुजारा करते है यानि खेती करके गुजारा करते हैं दूसरे दे ाों के बारे में आपने अखबारों में पढा होगा कि जर्मनी, अमरीका तथा और दे ाों ने चन्द सालों में कोि ा ा की कि थोडे से थोडे आदमी भूमि पर काम करे और दूसरे लोगों का भी गुजार हो। अमरीका एक ऐसा दे ा है जिसमें सात आदमी 93 आदमियों को खाना देने के अलावउ और भी काम रते है और कई लोग बाहर के दे ाों में भी जाते हैलेकिन वहां पर सात आदमी कृशि का काम रके और यहां 70 आदमी काम करके खुद भी खाते है। और दूसरों को खाने के लिय देते है। इसमें देखने की बात यह है कि कृशि भूमि पर जो इतना भार पडा हुआ है इसको कैसे दूर किया जाये। अभी मुख्य

मंत्री जी ने फरमाया था कि इस साल करीब चार हजार स्माल स्केल युनिट हरियाणा में लगाये है जिनसे करीब 13 हजार नये आदमियों को रोजगार मिला। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह 13 हजार नये आदमियों को जो रोजगार मिला है उसमें देहात के लोगों के रास्ते में बडी बाधायें ह ै। सब से बडी बाधा तो यह है कि उनको जानकारी नहीं है क्योकि दे लैक मोटिवं दूसरी बात यह है कि उनके पास स्किल नहीं हैं जो काम वे करनाचाहते है वह कर नहीं सकते। उनके पास न मैनेजीरियल स्किल है और न दूसरी स्क्ल है। तीसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं कि वह यह है कि सैंट्रल गवर्नमेंट की अन्डर टेकिंग्ज मध्य प्रदेश और दूसरे प्रदे ाों में बहुत है लेकिन हमारे हरियाणा में न के बराबर है। (घंटी)दूसरे प्रदे ाों में इन अंडरटेंकिग्ज में उन प्रदे ाों के हजारों की जादाद में लोग लगे हुये होगें। इसलिये हमारी सरकार भी सैंट्रल गवर्नमेंट की पब्लिक अंडरटेकिंग्ज इस प्रान्त में ज्यादा से जदा लगवाने की कोि ा ा कर। आखिरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पंजाब का सूबा हमारे साथ लगता है और ूदसरा प्रान्त केरल का है। आप देखे इन दोनेा स्टेटों के हजरों की तादाद मं लडके दूसरे दे ाों में जाकर करोडो रूपये अपनी स्टेट की इकोनोमी बढाने के लिये भेजते है और अपने आदमियों को भी हर साल वहां बुलाते है। यहां पर हमारे आई0ए.एस0 और ूदसरे ऑफसर बैठे है। मैं सरकार से चाहूंगा कि वह भी अपने नौजवानो को इसके लिये गाईडैंस दें ताकि वे ज्यादा से ज्यादा तादाद में बाहर जाकर मुलाजमत कर सकैं। धन्यवाद।

श्री हीरानन्द आर्य (लोहारू): सभापति जी, मै ंडिमांड नं. 8,10,12,13 और 23 पर अपने विचार रखूंगा। सबसे पहले मैं मांग संख्या 13 पर जोकि सो ाल वैलफेयर एंड रिहैवलीटे ान के बारे में है बोलुंगा। सभापति, जी आप देखते है कि एक मेहनत के ा इन्सान, चाहे वह कारखाने मे काम करता हैख, चाहे सडक पर काम करता है या खुले आसमान के नीचे धरती का ाम करता है उसकी बहुत बुरी हालत हैं अगर कोइ विधायक बनता है तो उसको भी तीन सौा रूपये पैन् ान मिलती है और अगर कोई तीस साल तक सरकारी सेवा करता है तो उसको भी पैन् ान मिलती हैं आज हालात बदल चुके है। इसलिये सरकार को चाहिये कि वह बुढापे की पैन् ान का इन्तजाम करे। बिहार में ऐसा किया गया है। इस परिस्थिति में जिन व्यक्तियों ने 25–30 साल तक आर्टीजन का काम किया , खख्रेतीहर मजदूर का काम किया हैऐसे आदमियों को बुढापे की पैन् ान दी जाये। आज दे ा में सबसे बडी समस्या बेरोजगारी की है। हिन्दुस्तान की 34 साल की आजदी के बाद भी गरीब ओर गरीब होता गया और अमीर और अमीर होता गया। आप अन्दाजा लगा सकते है कि 30 साल तक एक ही पार्टी का भाासन रहा फिर भी यह हालत रही। कुछ लेागों के पास ही धन इकट्ठा होता चला गया। गरीब के सामने बेरोजगारी की समस्या मुह बाये खडी हैं आज 40 प्रति ात तो ऐस लोग बेरोजगार है जो पहले सर्विस में थे। मैं आपको उदाहरण के तौर पर बताता हूं कि दादरी में डालमिया सीमेंट फैक्टरी है जिसमें दो हजार से अधिक मजदूर बेकार है। आज उनके परिवार तबाह हो रहे है।

इसी तरह से सभापति जी, आप भिवानी के टी0आई0टी0 मिल को देखें।वहां पर अढाई हजार मजदूरों के खाते बन्द कर दिये गये है। वे लोग इधर उधर ठोकरें खाते फिर रहे है। एक बार पहले भी ऐसा हुआ था और मुख्य मंत्री जी ने आ वासन दिया था कि आप सबके खाते खाल दिये जायेगें। व खाते तो खुलवा दिये लेकिन अगले दिन अढाई हजार मजदूर निकाल दिये। इसी तरह से सारे प्रान्त मे हो रहा है। मजदूर ने तो मजदूरी की बात करनी है,उसने किसी को क्या कहना है। आपको याद होगा कि फरीदाबाद में किस तरह से म3जदूरो पर गोयिां चलाई गई थी मजदूरों को गोलियों से भूना गया था। उसकी एक मैजिस्ट्रेट ने इन्क्वायरी भी की थी लेकिन आज तक पता नहीं लजगा कि उसकी क्या रिपोर्ट है ।और सरकार ने उस पर क्या एक ान लिया। आज आप बहादुरगढ में देखे, वहां पर हमारे श्रम मंत्री केप्रभाव के कारण मजदूरो की सुनवाई की बजाये उनके साथ जुल्म किया जा रहा हैं श्रम मंत्री तो मजदूरों की भलाई के लिये होते है लेकिन ये उल्टा काम कर रहे ह। जब मजदूर अपनी मांग पे ा करते है तो कहते है कि कारखाना बन्द नहीं होने दूंगा। ठीक है कारखाना बन्दर नहीं होना चाहिये लेकिन उनकी जायज बात को तों सुनो। फिर ये कहते है कि अगर तुमने हडताल की तो तुम्हारी टांगे तोड दी जायेगी। श्रम मंत्री रक्षा के लिये होते है न कि टांग तोडने के लिये ।(विघन) सभापति जी, जाअ भी इनके हल्के में तीन कारखाने बन्द पडे है। वहां पर हड़ताल है और मजदूरों को पीटा जा रहा है, उनके साथ जुलम किया जा रहा है। इसी तरह से

सिरसा में मिल मालिक ने मजदूरों को गोलियों से चीर दिया और मजदूरों के लिये कई परे ाानियां खडी कर दी। जब जिन्दल पाइप फैक्टरी में फायरिंग हुई थी उस वक्त चौधरी देवली लाल जी की सरकार थी। वह उत्तरी भारत में पहला वाका था कि किसी कारखानेदार और करोडपति को गोली चलाने पर अन्दर किया गयाथा। लेकिन आज मजदूरों पर झूठे केस बनये जा रहे है। सभापति जी, जो हमारी ि ाक्षा है वह जौ–ओरिएंटिड होनी चाहिये। जब तक हम अपनी ि ाक्षा में परिवर्तन नहीं करेगें उस वक्त तक हम सीाी को रोजगार नहीं दे सकेगें आप सरकार का आज का सिस्टम देखें। इस पूंजीपति सिस्टम में लूटने की तो छूट है लेकिन काम करने की आजादी नहीं है। जब काम करने की आजादी नहीं होगी, पूरा अधिकार नहीं होगा तब तक मजदूरों को मजदूरी नहीं मिलेगी। सभापति जी, जिस प्रकार से सरकार ने 18 एकड जमीन की सीमा मुकर्रर कर दी है उसी प्रकार से कारखानों में भी मैंनेजमेंट होनी चाहिये और जो मजदूर कारखाने में काम करते है उस कारोबार में उनको उनकी मजदूरी का पूरा हिस्सा मिलना चाहिये। चाहे ुरीदाबाद के मजदूरों की बात हो, चाहे बहादुरगढ के मजदूरो की बात हो सरकार यह कहती है कि प्रदे ा में भाांति है। भाांति से अपनी मांगे मांगते है तो सरकार उनकी मांगों को पूरा करने का दावा करती है। मैं समझता हूं कि यह सरकार का अपने साथ भी वि वास घात हैं और जनता के साथ भी वि वासघात है। सभापति जी , अगर मजदूरों की कोई मांग हो तो वह सरकार को अव य पूरी करनी चाहिये। इसक

`अलावा आज कल आप देखते है कि जो वर्कचार्ज्ड एम्पलाइज है वे कितने लम्बे अर्से से काम कर रहे है। उनकी मांगों को भी माना जाये ताकि वे भाांति से अपनी मजदूरी कर सकें। सभापति जी, हमारे प्रदे ा में ठेकेदारी की प्रथा है। जब तक यह ठेकेदारी की प्रथा समाप्त नहीं होगी तब तक मजदूरों को उनकी मजदूरी पूरी नहीं मिल सकती है और इस प्रथा से जो समस्यायें पैदा हुई है वह भी समाप्त नहीं होगी। हमारे पडोसी प्रदे ा पंजाब और ूदसरे प्रदे ाों में देखें वहां पर अगर सरकार बेरोजगारों को नौकरी नहीं दे सकती तो बेरेजगारी भत्ता जरूर देती है। हमारे प्रदे ा में सरकार ने अनपढ लोगों को बेरोजगारी भत्ता देना तो दूर रहा, पढे–लिखें नौजवानों को भी भत्ता नही देती। सभापति जी , राठी साहब, यहां बैठे है। मै। इनसे निवेदन करूंगा कि अनपढ़ को बे ाक न हो लेकिन कम से कम पढ़े–लिखें बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाये।

इसके अलावा सभापति जी, मैं ट्रासंपोर्ट के बारे में भी कहना चाहता हूं। आज सारे हरियाणा में बसों की हालत बहुत खराब है। उनके अन्दर साधारण आदमी के बैठने के लिये सीट तक नहीं है और जब बस चलती है तो खड़खडाती हुई चलती हैं किसी भी बस की हालत ठीक नहीं है। दूसरी तरु सरकार एयरकंडी ांड और सुगंधित बसें खरीदती है और एक बास की कीमत 6 लाख रूपये है। उसमें खाने–पीने का भी इन्तजाम है। उन बसों में सरमायेदार या बडे–2 आफिसर सरकारी खर्चे पर

सफर कर सकते हे लेकिन साधारण आदमी सफर नहीं कर सकते। सभापति जी 95 फीसदी साधारण आदमी उन बसों में सफर करते है जिनकी हालत ठीक नहीं है। न बस स्टेन्डज पर उनके लिये खाने पीने का इन्तजाम है और न बस–स्टैंन्ड पर छाया का ठीक तरह से इन्तजाम है। बहुत से बस स्टैंडज ऐसे है जहां इतनी बदबू आती है कि इंसान को वहां पर खडा रहना मु कल हो जाता है और स्वास्थ्य के लिये बहुत ही हानिकारक है। इवलिये सभापति जी मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि जिन बस–स्टेंडज पर साधारण आदमी के लिये खाने पीने का इन्तजाम ठीक नहीं हैवहां पर ठीक इन्तजाम किया जाये जहां छाया की जरूरत ह ैवहं छाया का इन्तजाम किया जाये। इसक साथ–2 मैं यह भी कहना चाहता हूं कि बसों के जो कंडक्टर्ज है उनका जनता के साथ वयवहार ठीक नहीं है। इसलिये सरकार से मेरी प्रार्थना है कि कंडक्टर्ज के लिये ट्रेंनिग सैंटर्ज खोले जायें ताकि कंडक्टर्ज इस बात की ट्रैंनिग ले कि पब्लिक के साथ कैसा व्यवहार करनाचाहिये। लेकिन जब सरकार का ही रवेया ठीक न हो तो कंडक्टर्ज का व्यवहार कैसे ठीक हो सकता है? सभापति जी , 9 सिंतबर, 1979 को रोडवेज के कंडक्टर्ज की हड़ताल हुई थी जिसमें 140 कंडक्टर्ज नौकरी से निकाले गये थे। इसके बाद मुख्य मंत्री जी ने आ वासन दिया था कि उनको दो–एक की रे ाो से वापिस नौकरी में ले लिया जायेगा। सभापति जी , इन्होने वह रे ाों भी यह कह करखत्म कर दी कि उनमें से बहुत से कंडक्टर्ज ऐसे थे जो कुआलीफिके ांज पूरी नहीं करते थे, इसलिये उनको नौकरी से निकाला गयाहै।

सभापति जी, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सरकार ने उनकी कुआलीफिके ान उस वक्त क्यों नहीं देखी जिस वक्त उनको लगाया गया था। उस वक्त सरकार के दिमाग में यह बात क्यों नकी आई कि वे कुआलीफाईड नहीं हैं इसलिये मेरी सरकार से रिक्वेस्ट है कि यदि सरकार में थोडी बहुत नैतिकता है तो सरकार को चाहिये कि उन कंडक्टर्ज को वापिस नौकरी पर लगाये और अपने आ वासन को पूरा करे। सभापति जी यह सरकार बसों में घाटें करती है। मैं आपके माध्यम से सरकार को यह बतानाचाहता हूं कि बसों में घाटा क्यों होता है। घाटा इसलिये होता है कि जो छोटे रूटस है उन पर बसों की चैंकिग सही ढंग से नहं होती और वहां पर पैसे की बहुत चोरी होती है जिसके कारण घाटा होता है। सभापति जी, अब मैं बस भाड़े के बारे में कहना चाहता हूं। हिमाचल प्रदे ा में पर–किलोमीटर साढ़े चार पैसे बस भाडा है और पंजाब में पर किलोमीटर 7 पैसे है लेकिन इनक` मुकाबले मै हरियाणा में साढ़े 9 या 10 पैसे पर–किलोमीटर भाड़ा है। पिछले दिनों ट्रासंपोर्ट मिनिस्टर साहब का यह ब्यान भी था कि यदि डीजल की कीमत और बढ जायेगी तो बस भाडा और भी बढाया जा सकता है। सभापति जी, हिन्दुस्तान में अगर बस भाडा सब से ज्यादा है तो वह हरियाणा में है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि यदि सरकार की साधारण आदमी के प्रति दिलचस्पी है तो इस बस भाड़े को वापिस ले। अगर वापिस नहीं लेती तो यह सरकार गरीबों की हमदर्द बनने का दम क्यों भरती है?

सभपति जी, जनता पार्टी की सरकार ने काम के बदले अनाज की योजना चलाई थी ताकि लोगों को रोजगार दिया जा सके। उस योजना के अन्तर्गत गरीब लेागों को रोजगार देते हुये बडे–2 घोटाले हो चुके है। किसी भी गरीब आदमी की सही ढंग से अनाज नहीं दिया गया। सभापति जी, जो पिछड़े इलाके है, जैसे महेन्द्रगढ़ और भिवानी का इलाका है वहां पर लोगों के पास रोजगार के साधन नहीं है। इन इलाकों में यह योजना इतनी भ्रश्ट हो गई है कि काम के बदले अनाज के बजाये घोटाले का काम रह गयाहै। सभापति जी, एक तरफ तो यह सरकार कहती है कि छोटे उद्योग–धन्धों के लिये बिजली के रेट कम किये जायेगें और दूसरी तरफ भिवानी में जो छोटे उद्योग धंधे है, उनमें बिजली के रोट बढाये गये है।इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि भिवानी में जो बिजली के रेट बढाये गये है उनको कम किया जाये। सभापति जी सरकार ने एक बार लोहारू में पोलिटैकनिक कालेज बनाने की घोशणा की थी लेकिन वह कालेज आज तक नहीं बना। लोहारू का इलाका बहुत पिछड़ा हुआ इलाका हैं अगर वहांपरन पौलिटैक्निक कालेज बना दिया जाए तो लोग उससे ट्रेंनिग लेकर अपना रोजगार चला सकते हैं वहां पर लोगों के पास जिन्दा रहने के लिये रोजगार के साधन नहीं हैं इसलिये पौलिटैक्निक कालेज जरूर बनाया जाना चाहिये। इसके अलावा सभापति जी, भिवानी के अनदर लकडी की कीमत 50 रूपये क्विंटल है और सरकार यह कहती है कि गरिनरी फैलाओ ताकि डैजर्ट न बढे। अगर सरकार गरिनरी फैलाना चाहती है तो उन इलाकों ने नहर द्वारा पानी भेजे

और बिजली दे। यदि सरकार से बिजली की मांग की जाती है तो महाबीर सिंह जैसे आदमी को गोली मार कर भाहीद कर दिया जाता है। यदि सरकार पेड लगाकर हरियाली फैलाना चाहती है तो लोगों को ईनाम दे, इनसैंटिव दे। सभापति जी, भिवानी ओर महेन्द्रगढ़ के इलाके में सिर्फ जांडी की लकडी होती है जिस पर सरकार ने काटने की पांबदी लगाई है। इसलिये वहां के लोग बहुत परे ाान है क्योकिं इस लकडी के अलावा उन इलाकों में दूसरी कोई लकडी नहीं होती।

श्री सभापतिः आर्य साहब, आप वाइंड–अप कीजिये।

श्री हीरानन्द आर्यः मैं दो मिनट मे ंखत्म करता हूं सभापति जी, मैं आपके द्वारा सरकार से यह दरख्वास्त करना चाहता हूं कि जंगलात लगाने के लिये सरकार ने जिन आदिमियों की जमीन एक्वायर कर रखी हैं उनको अभी तक मुआवजा नहीं दिया गयाहैं सभापति जी, पिछले साल साढ़े आठ करोड रूपया वाटर सप्लाई स्कीम लागू करने के लिये मंजूर हुआ था लेकिन उसमें से भिवानी जिले में एक भी पैसा खर्च नही कियागया है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि भिवानी जिले के डैजर्ट एरिया के लिये पानी का प्रबन्ध किया जये ताकि लोगों का पिछडापन दूर हो सके। इसके इलावा लोगों को रोजगार के साधन मिल सके। उस इलाके से हमारे ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर ताल्लूक रखते है, इनके हल्के में कस्टोडिन जमीन है जिसका मालिया वसूल किया जा रहा है। अगर सरकार को मुजारों के साथ हमदर्दी है तो

उनका मालिया माफ किया जाए क्योकिं पिछले सालों से मालिये की इतनी रकम इकटठी हो गई है जिसको लोग दे नहीं सकते, इसलिये उनको राहत देने के लिये मालिया जरूर माफ करे।

श्री सभापतिः आप बैठ जाइये आपका टाईम हो गया है। इसके बाद श्री बलदेव तायल बोलेंगे।

श्री बलदेव तायल (हांसी): सभापति महोदय, मैं डिमांड नम्बर 8, 10, 12, 16 और 23 के बारे में अपने विचार सदन के सामने रखना चाहता हूं। सबसे पहले मैं डिमांड नं0 12 जो लेबर एंड एम्पलायमेंट के सम्बन्ध में हे , के बारे मे आपका ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। सभापति महोदय, हिन्दुस्तान के संविधान के अन्दर एक धारा है जिसमें इक्वैलिटी आफ अपौर्चुनिटी की बात कही गई है। इस धारा के अन्दर हिन्दुस्तान के नागरिकं को यह आ वासन दिया गया है कि जब कभी उनकी नागरकिता और एम्पलायमैंन्ट का मसला उठेगा तो इस धारा के अन्तर्गत अधिकारों की रक्षा की जायेगी। इस धारा के अनुसार नागरिकों केसाथ अमीरों ाऔर गरीबी का भेदभाव नहीं बरता जायेगा, जात–पात का भेदभाव नहीं रखा जायेगा और साथ ही यह भेदभाव नहीं रखा जायेगा कि अमूक व्यक्ति किस कौम से ताल्लूक रखता है, किस व्यक्ति का पुत्र है किस गांव से सम्बन्ध रखता है बल्कि एक फेयर कम्पीटी ान के अन्दर , एक राइवलरी की भावना से नहीं बल्कि उसकी क्षमता के अनुसार उसको नौकरी प्रदान की जायेगी। सभापति महोदय, इस काम को पूर्ण करने के लिये

हिन्दुस्तान के संविधान में पब्लिक सर्विस कमी ान संस्था की स्थापना की और उसको मान्यता प्रदान की गई। सभापति महोदय, आप हरियाणा का भाग्य समझ लीजिये, यहां भी पब्लिक सर्विस कमी ान बनाया गया। हरियाणा कापब्लिक सर्विस कमी ान कायम है। काम करता है लेकिन इसके खुद के मैंबर अखबारों में , नौकरियों की भर्ती के बारे में आर्टिकल लिखने के लिये मजबर होते है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी वीरेन्द्र सिंह पदासीन हुये।

सभापति महोदय, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान इस लिये बनाया था कि फलां फलां नौकरियों की डिमांड पब्लिक सर्विस कमी ान के पास भेजी जाये और कैंडीडेटस की रिक्रूटमैंट पब्लिक सर्विस कमी ान के थ्रू की जाये वरना लोगों के साथ गैर इन्साफी होगी। और तो और सभापति महोदय, पब्लिक सर्विस कमी ान का एक हरिजन मैंबर जिसको श्री मड़िया के नाम से जाना जाता है इनको मजबूर होकर, हरियाणा सरकार द्वारा हैरासमेंट किये जाने के बारे में प्राईम मिनिस्टर तक को पत्र लिखने पडे। जहां पब्लिक सर्विस कमी ान के मैंबर्ज को इस तरह से हैरास किया जाये वहां एक आम आदमी इस सरकार से और सरकार के निर्माताओं से , बोर्डों से क्या उम्मीद रख सकता है?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): आप कौन सी डिमांड पर बोल रहे है?

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, अभी राठी साहब ने पूछा कि मैं कोन सी डिमांड पर बोल रहा हू। मैने जहले ही बता दिया था कि मैं डिमांड नं0 12 पर बोल रहा हूं लैकिन मेरे विचार से भाायद मंत्री महोदय सतझ नहीं सके क्योकि इनको पता नही कि कभी–2 मोड आफ एम्पलायमैंट भी आ जाता हैं अध्यक्ष महोदय, 1978में एस0एस0एस0 बोर्ड में एक इम्तिहान हुआ था। हरियाणा के 77 हजार लडके , दस दस रूपये फीस देकर इस इम्तिहान मे बैठे और पर्चे दिये। बोर्ड ने 7 लाख रूपयेा फीस के माध्यम से बटोरा। इस इम्तिहान का नतीजा क्या निकला? 1978 में इम्तिहान हुआ था और आज सन 1981 है। आज तक बोर्ड ने कोई मैरिट लिस्ट नहीं बनाई अपने आफिस के बाहर कोई लिस्ट नहीं टांगी, किसी कोकोई सूचना नहीं दी कि किस लडके के कितने नम्बर आये। ऐसी अंधेरगर्दी कियेट कर रखी है कि जब जी में आता है सिफारि ाी लडकें का नाम बोर्ड को भेज देते है कि इसको सिलैक्ट किया जाये और वह सिलैक्ट हो जाता है। सभापति महोदय, यही नही एक व्यक्ति ने बोर्ड में दरखास्त भी नहीं दी थी, लेकिन सर्विस सिलैक ान बोर्ड ने उसको भी सिलैक्ट कर लिया।

चौधरी मेहर सिंह राठीः उस व्यक्ति का नाम क्या है?

श्री बलदेव तायलः उसका नाम मायी राम, गांव मंगाल और आदमपुर कांस्टीच्युएंसी का हैं सभापति महोदय, मै ंचाहता था कि किसी व्यक्ति का इस हाउस के अन्दर नाम न लिया जाये

केवल सरकार को ही बातया जाए क्योकि कही ऐसा न हो जाये कि किसी गरीब को नौकरी मिल गई हो और नाम लेने से राठी साहब उस पर कुठाराघात करे। सभापति महोदय, एस0एस0एस0. बोर्ड के इलावा एक और इन्सटीच्यु ान है जहां रिक्रूटमेंट में बडी हेराफेरी होती है। वह है कारपोरे ाजन । कारपेारे ान्ज में कन्फैड है, हैफड है पतानहीं कितने हिस्से है। इन कारपोरे ान्ज में 3 हजार लडके भर्ती किये। इनके सिलैक ान करने का प्रोसीजर क्या है, यह आप सुन लीजिये। इनके चेयरमैन है और सिलैक ान कमेटीज बनी हुई है। चेयरमैन और सिलैक ान कमेटी के मैंबर भाायद दसंवी पास भी न हो लेकिन कैंडीडेटस की सिलैक ान करते है और वह भी ग्रैजुएटस की । इनकी क्या क्षमता है? जब सिलैक ान कर लिया तो उनकी लिस्ट आउट नहीं होती। यह किसी को पता नहीं हेाता कि कितने लडके अपीयर हुये उनकी क्या–2 क्षमता थी, किन–2 ग्रांउडज पर रिजैक्ट हुये, किन ग्रांउडज पर सिलैक ान हुई इस बात का कोई पता नहीं, यह इन्तहा हैं सभापति महोदय,पहलजे जुडि ारी सर्विसिज का इम्तिहान हुआ करता था लेकिन इस सरकार ने इस इम्तिहान को बडी बेरहमी के साथ बरतरफ कर दिया और फैसला किया कि इन्टरव्यू लेकर लडके सिलैक्ट किये जायेगें। इस इनटरव्यू के अन्दर क्या क्षमता है, क्या मापदण्ड होगा? इसका मापदण्ड होगासिफारि ा का, रि तेदारी का। सभापति माहेदय, इस में यह बात अगर वाकिया है कि जब भी कोई इन्टरव्यू होता है तो वे लडके और उसके वारिसान अपने थैलों के अन्छर हजारों रूपये के

नोट लेकर घूमते है, पता नहीं किस मतलब से घूमते है। सिर्फ एक ही कनकलूजन निकलता है कि कोइ जरिया बना हुआ है, कोई तरीका निकाला हूआ है, उस तरीके की मारफत नौकरियां दी जाती है।

चौधीर मेहर सिंह राठीः आप यह बता दें कि किसने किसको क्या दिया है।

श्री बलदेव तायलः मैं इस कट्रोंवस्री मे ंनही पडूंगा और न ही मैं किसी व्यक्ति के उपर कुरप्ान या बराइवरी का एलीगे ान लगाने के लिये तैयार हूं। अगर मंत्री महोदय मुझे अपने दफतर में पूछने का कश्ट करेगें और इस हाउस को आ वासन देगें तो चाहे कितना ही बडा व्यक्ति हो, मैं उसका नाम बताउंगा और उसके खिलाफ सबूत भी दूगां। अगर यह हाउस के अन्दर आ वासन देने की हिम्मत रखते है।

चौधरी मेहर सिंह राठीः हम तो पूरा एक ान लेगें अगर यह साबित हो जायेगा कि किसी ने करप्ान की है। मैं किसी को बख्भाने वाला नहीं हू।

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, ये मुझे पत्र लिख कर भेजें। उसके जवाब में मैं इनको नाम भी दूंगा और सबूत भी दूंगा तथा गवाह भी दूंगा लेकिन खतरा एक मुझे मालूम देता है कि अगर ये ऐक ान लेने की चेश्टा रकेगे तो ये भाायद खुद मंत्री न रहे। (विघन)

चौधरी मेहर सिंह राठीः नहीं रहेगे, मुझे इस बात की परवाह नहीं हैं (विघन)

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, आप स्वयं देहात में रहने वाले है, देहात की कंडी न्ज को जानते हैं आज किसानो के बेटे, बी0ए0 ओर एम0ए0 पास जवान काम मांगते फिरते है। दर–2 की ठोकरें खाते फिरते है। भाहरों के अन्दर भी यही हालत है। सरकार को उनको काम देनाचाहिये वरना नतीजा क्या होगा? जब भूख से उनका खून तडप जायेगा, जब उन्हें नौकरी नहीं मिलेगी, पेट की भूख कुलबलाने लगेगी, जवानी का जो ा उभरेगातो रेाकने से नहीं रूकेगा और.....।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती भांाति देवी): वे बलदेव तायल के पैसे को लूटेंगे। (विघन)

श्री बलदेव तायलः बहन, मेरा पैसा ईमानदारी से कमाया हुआ है लेकिन उस`ले भी लेगें तो मैं दे भी दूंगा परन्तु जिन्होनें रूपयावैसे ही कमाया है उनका वह रूपया लूट लियागया तो क्या होगा? (विघन) मैं आपको नहीं कह रहा हूं मैं तो कह रहा हूं कि बहुत से व्यक्ति ऐसे हे जो सबसे पहले ि ाकार बनेगें। (विघन) सभापति महोदय, सबसे पहले वे ि ाकार बनेंगें उस खूनी क्रांति के, जिन्होने नाजायज तौर पर धम कतायार है जिन्होने लोगों का गला घोंट–2 कर पैसा कमाया हैं (घंटी) सभापति महोदय, मैं अब जल्दी ही खत्म कर रहा हूं। सभापति महोदय, एकहल्का आदमपुर

है जिसक`अन्दर 66 किलोमीटर सडक बनती है और एक हल्का हांसी है जिसके अन्दर 1.55 किलोमीटर सड़क बनती है। (विघन) मैं सरदार लछमन सिंह जी से कहूंगा कि ठीक है दाढ़ी तो इन्होने स्याह कर ली है ये तो रंग लिये लेकिन कम से कम दिमाग न रंगें।(हंसी)

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री लछमन सिंह): चेयरमेन साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। (विघन) हम तो सैवन इन बन सही, ये थ्री इन वन है और उसी टोन में वे बोल रहे है। (हंसी) चेयरमैनल साहब, मेरे हल्के में 70 किलोमीटर सडकें बनी है। नारायणगढ़ में भी इतनी ही बनी है। जहां सडक पहले नही बनी थी वहां तो बननी ही थी और वैसे 31 मार्च तक सारी ही सडकें बन जायेगी। ये जरा बता दे कि इनकी कौन सी सडक रह गई है?

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, मैं तो रिकार्ड की बात कर रहा हूं। अगर मेरे हल्के में 1.55 किलोमीटर से ज्यादा सडकें बनी हुई हो तो यह`बता दें मैं अपने भाब्द विदड्रा कर लूंगा।

चौधरी मेहर सिंह राठीः कोइ गांव बताइये।

श्री बलदेव तायलः एक गांव है खरबला–सिसरी।

चौधरी मेहर सिंह राठीः यह पहली अप्रैल को बताना।

श्री फतेह चनद विजः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने अभी कहा कि गांव का नाम बता दे। मंत्री महोदय उन गांवों के नाम नोट कर ले जिन गांवों में सडकें नहीं बनी है। मैं अभी 10–12 गांवों के नाम बता देता हूं।

श्री सभापतिः यह कोई पवायंट आफ आर्डर नहीं है। (विघन)

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, हांसी मे एक हस्पताल बन रहा है। वह हस्पताल आदमपुर के हस्पताल सक पहले बनना भाुरू हुआ था लेकिन अभी तक यह पता नहीं कि वह कब तक कंप्लीट होगा। मैं आपके द्वारा सरकार के नोटिस में यह बात लाना चाहूंगा कि हांसी की जनता को बडी तकलीफ है इसलिये उसे ये कृपया जल्दी पूरा करे। सभापति महोदय, बहन भाांति राठी जी यहां बैठी है। ये मंत्री है।। इनको पता है कि हांसी के अन्दर गवर्नमेंट स्कूल की कोई बिल्डिंग नहीं ह। जो बिल्डिंग है वह निहायत ही खस्ता हालत मे हैं जिस दिन से ये मंत्री बनी है, उस दिन से इनको इसबात कापता है लेकिन इन्होने आज तक उसको रिपेयर करवाने के लिये कोइ कदम नहीं उठाये।

श्रीमती भाांति देवीः हम गांव में काम करवाते है।

श्री बलदेव तायलः सभापति महोदय, जहां तक गांव औ।र भाहर का सम्बन्ध है इसके बारे में मैं दो बाते कह देना चाहता हूं। भाहरके अन्दरी भी गरीब आदमी रहंते है। भाहरों के

बच्चे भी गरीब हैं वहां आम मजदूर मुि कल से अपना पेट पालता हैं बहन जी के पास तो 10 एकड़ जमीन भी होगी लेकिन भाहर के अन्दर मजदूर पाईप के अन्दर रहता है, वही बच्चे पैदा करता है वहीं गजारा करते है और वहीं मरते है। इसलिये मैं इनसे निवेदन करूंगा कि ये गांव और भाहर में भेदभाव करने की चेश्टा न करे वरना वह भी ठीक नहीं होगा।

सभापति महोदय, अन्त में मैं एक बात इंडस्टरीज के बारे में कहूगां। हरियाणा का उद्योग मृत्यु के कगार पर खडा हुआ है क्योकि उद्योग बिना उर्जा के नहीं चल सकता। यह सरकार उद्योगों को बिजली देने में असफल रही है, कोयला देने में असफल रही है, डीजल देने की और इसने कोई कदम नहीं उठाया है। इसलिये लाखों करोडो रूपया सरकार का ओर जनता का, जो कि इंडस्ट्रीज में लगा हुआहै, खत्म हो जायेगा। (विघन) डिमांड नं0 23 ट्रांस्पोर्ट की है। इसके बारे में अर्ज है कि they are the living monuments of inefficiency.

श्री मूलचन्द मंगला (पलवल): सभापति महोदय, अभी–2 मंत्री महोदय, श्री लछमन सिंह जी ने कहाकि कोई भी गांव 31 मार्च तक बिना सडक के नहीं रहेगा। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय के नोटिस में दो–तीन सडकों के नाम ला देना चाहता हूं ताकि वे कही सडकों के बगैर न रह जाये। पलवल तहसील में बडगांव के नजदीक आजाद नगर एक गांव है। वहां की आबादी 200 के करीब हैं वहां सडक नहीं है। मैं चाहता हूं कि वहां सडक बननी चाहिये।

इसी तरह से मैं निवेदन करना चाहता हूं कि पृथला से धतीर एक सडक बननी चाहिये। वहां जमीन एक्वायर की गई है लेकिन आज तक कोई सडक नहीं बनाई गई है। वह सडक अगर बन जाती हे तो लोगों को बहुत फायदा हो जायेगा। कम से कम दो हजार बच्चे रोजाना साइकिलों पर फरीदाबाद और बल्ल्भगढ़ आते है। सडक न हेाने की वजह से उनहें बडी तकलीफ है। इसी तरह से जोधपुर में भी कोई सडक नहीं है।

पब्लिक हैल्थ डिपार्टमेंट के बारे में सभापति महोदय मेरी यह प्रार्थना है कि 3 अगस्त 1979 को चीफ मिनिस्टर साहब अलावलपूर गये थे। वहां मैने एक सज्जन को प्रार्थना करके, 2 लाख रूपये की एक हस्पताल की बिल्डिंग बनवाई है। मुख्य मंत्री जी ने वहां कहा था कि वे इस हस्पताल की बिल्डिंग को टेक–ओवर कर लेगें। वहां डाक्टर तो भेज दिया गया लेकिन बाकी चीज कोई प्रबन्ध नहीं किया गया । अभी तक उस महानुीाव को, जिन्होने वह बिल्डिंग बनाई थी, उस बिल्डिंग कासारा खर्च बरदा त करना पडता हैं उनहे हर महीने कम से कम पांच सौ से लेकर एक हजार रूपये तक बिजली के बिल, सफाई और सफेदी वगैरा का खर्च बरदा त करना पडता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह बिल्डिगों टेक ओवर कर ली जाये। मुख्य मंत्री जी ने जो भाब्द कहे थे वे पूरे करने चाहिये। सभापति महोदय, इसी गांव में एक हाई स्कूल है। मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि वे इस स्कूल को डेढ़ लाख रूपये की ग्रंट देगें लेकिन वह भी आज तक नहीं

मिली। इस प्रकार से जो अनाउन्समैंट होती है, वह 31 मार्च तक पूरी होनी आव यक थी लेकिन वह पूरी नहीं हुई।

हमारे यहां स्कूलनों की हालत बहुत ही जयादा खराब हैं मुख्य मंत्री जी कहते है कि वे देहातों को उंचा उठाना चाहते है। हमरे यहां ऐसे देहात है जहां पर स्कूल है और दो–2 हजार बच्चें पढते हे लेकिन उकने बैठने के लिये कोई प्रबन्ध नहीं हैं जिस पैसे के लिये वे अनाउन्समैंट करके आये थे, वह पैसा आज तक नहीं पहुंचा। इसलिये वह डेढ लाख रूपया वहां पर दिया जाना चाहियै।

इसी प्राकर पलवल के अन्दर गवर्नमेंट गर्ल्ज हायर सैकिन्डरी स्कूल हैं उसमें केवल पांच कमरे है। मैने पिछली बार भी सै ान में कहा थ कि उनकी मुरम्मत होनी चाहिये ओर दूसरे और भी नये कमरे बनाये जाने चाहिये। एजूके ान डिपार्टमेंट से डी0पी0आई0 साहब भी वहां गये थे। उनहोने मुझे भी बुलाया था और कहा था कि एक दो कमरे बनवा देगें लेकिन आज तक वे कमरे नहीं बने। उस स्कूल में डेढ़ लाख रूपया फन्डज का जमा है और 25 हजार रूपया इकट्ठा करने के लिये मैने कह दिया था कि मैं इकट्ठा करवा दूंगा। इस तरह से पौने दो लाख रूपया हो जायेगा। इससे दो या चार कमरे बन जायेगें लेकिन उस और सरकार बिलकुल गौर नहीं कर रही है। उस स्कूल में 22 सैक ान है। छः सैक न बाहर धूप मे बैठते है और बरसात में भी बाहर ही बैठते है। इस स्कूल में दो ि ाफ्ट है। 11सैक ान सुबह है और

11 भाम को है जबकि पांच कमरों मे ंपांच सैक ा नही बैठ सकते है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि वहां जल्द से जल्द कमरे बनाये जाये।

इसके अलावा मैं मैडिकल एन्ड पब्लिक हैल्थ के विशय में अपने विचार रखना चाहता हूं। कुछ दिन पहले हमारे सी0एम0 साहब पलवल में एक हस्पताल का उदघाटन करके आये थे और उन्होने यह वायदा यिकाथा कि इसतीस बैडज कै हस्पताल को 60 बैडज का कर दिया जायेगा लेकिन वह आज तक 60 बैडज का नही हुआं उसके आसपास के एरिया में पचास हजार की आबदी है। यह हस्पताल जी0टी0 रोड पर है, इसके आसपास चार सौ गांव है जो बहुत बडे–2 देहात है लेकिन यह हस्पताल बहुत छोटा है । इसलिये मेरी आपसे गुजारि ा है कि इसको तीस बैडज की बजाये 60 बैडज का बनाया जाये। मे पब्लिक हैल्थ के विशय में भी इस के साथ ही अर्ज कर देता हूं। कई देहात ऐसे है जहां पर कई–2 मील से पानी लाना पडता ह। औरतों को तीन–तीन मील से पानी लाना पडता हैं कुछ लोग जोहड़ का पानी पीते है। यह सरकार के पास रिपोर्ट आयी है अफसरों ने माना है कि उस एरिया मे ंपानी की दिक्कत है। वहां पर रजौल की वाटर सप्लाई स्कीम मंजूर हुई है। वह स्कीम एकसाल पहले मंजूर हुई थी लेकिन अभी तक नहीं बनी है। वहां पर ट्यूबवल तो लगा दिया गया हे और थोडी सी लाइन भी डाल दी गई है। इस इलाके में बघौला, दूधोला घ ारौल ऐसे गांव है, जहां पर बहुत ही कड़वा

पानी है। हमारी बहिनों को दूर से सर्दी और धूप मे ंपानी लाना पडता हैं इसलिये इन गांवों को भी ध्यान मे ंरखते हूये वहां पर पीने के पानी का प्रबन्ध यिकाजाये। दूसरे गांवो से पहले इन गांवो में पीने का पानी देने के लिये जल्द से जल्द प्रबन्ध किया जाये।

अब मैं लेबर एन्उ एम्पलाएमैंट के बारे में अर्ज करना चाहता हू। फरीदाबाद के एरिया में बहुत ज्यादा लेबर काम करती है और आपको यह भी पता है कि उस एरिया मे ंकारखाने भी बहुत है। सभापति महोदय बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि कारखाने वाले छः महीने के लिये लगा लेते है और फिर बाद में निकाल देते हैं उन लोगों को वे परमानेंट नहीं होने देते। हजारों बच्चों की यही हालत होती है वे आई0टी0आई0 भी पास हेाते है लेकिन उनको छः महीने बाद निकाल देते हें सरकार की और से कोई ऐसा सिस्टम लागू किया जाना चाहिये जिसे उनका निकाला न जाये और जो बेकारी फैली हुई है वह दूर हो सकें जैसा कि अभी तायल साहब ने जिक किया था कि अगर इस तरह से बेकारी बढती रही ओर बच्चों को काम नहीं मिला तो ये बच्चे इसप्रकार की स्थिति पैदरा कर देगें जिसको सम्भालना मु कल हो जायेगा। सभापति महोदय, मेरा निवेदन है कि सरकार ऐसा कानून बनाये कि जो कारखानेदार किसी मजदूर को रखे, चाहे वह स्क्ल्ड लेबर हो, चाहे अनस्क्लड लेबर हो, एक बार कारखाने में लगने के प चात उसे हटाया न जाये।

सभापति महोदय, मुख्य मंत्री पलवल में यह कहकर आये थे कि यहां पर भूगर मिल लगेगा। काफी भोयर भी बिके लेकिन आज तक वह भूगर मिल नहीं लगा। पलवल के देहातों से हजारों की तादाद में लेबर फरीदाबाद की इन्डस्ट्रीज में नौकरी करने के लिये आती है लेकिन वहां पर उन के लिये सरकार की ओर से कोई बडी इन्डस्ट्री नहीं हैं इसलिये मेरा निवेदन है कि वहां पर बडी इन्डस्ट्री लगायी जाये ताकि रोजगार मिल सके।

अब मैं डिमांड नं0 23 के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। डिमान्ड नम्बर 23 ट्रांसपोर्ट के बारे में है। गुड़गांव मे एक वर्क ाप है जिस में 25 हजार रूपये की लागत से बस की बाडी बनती है। वहांपर थोड़ी बहुत बाडी बनती है लेकिन जालन्धर के अन्दर 35 हजार रूपये में बाडी बनती है क्योकि यहां पर जयादा बनवायी जाती है। यहां पर इस हजार एक बाडी पर कुछ लोग भोयर के रूप मे लेते हैं इसलिये मेरा सुझाव है कि सारी की सारी बाडी गुडंगावं में बननी चाहिये। मेरे हल्के में कई हाई स्कूल है जैसे अलावलपूर, दीघोट, धतौर और जेन्दापूर। इनमें लड़कियां पढती है। इसलिये मेरी सरकारसे अर्ज है कि जिन सडकों पर ये स्कूल है वहां पर क्यू स्टैंन्ड बनाये जाने चाहिये ताकि बच्चों की आने–जाने से सुविधा हो सके।

श्री दीपचन्द भाटिया (फरीदाबाद): चेयरमैन साहब, पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने इस बजट सै ान में बोलने के लिये समय दिया। मैं अभी तक गवर्नर एड्रेस, बजट और

डिमान्डज पर बिलकूल नहीं बोला हूं। आपने मौकादिया, उसके लिये धन्यवाद।

यह बडी खु ाी की बात है कि हमारे राव बीरेन्द्र सिंह जो पहले चहां पर एम0एल0ए0 होते थे, आज वे सैन्ट्रल गवर्नमेंट में मिनिस्टर है। भगवान ने हमारी सुन ली है। हरियाणा सरकार खु ाकिस्मत है कि राव साहब इरीगे ान एंड एग्रीकल्चर मिनिस्टर लगे हूये है। उनहोन सारे दे ा को 117 रूपये क्विंटल की बजाये 130 रूपये क्विंटल गेहूं का भाव दिलायाहै और जौ का भाव 85 रूपये क्विंटल की बजाये 105 रूपये क्विंटल दिलाया है। अपोजी ान के भाइयों को इस बात पर दुख हुआ है। (ाोर) यह भाटिया यहां पर उनकी बात क्यों कर रहा है? उन्होने बहुत बडी बात की है। (ाोर) इस बात की तो सभी को खु ाी होनी चाहिये कि वे सैकिन्ड पोजी ान मे भारत सरकार में मिनिस्टर है। बजट पास हो गया, उसका मेने समर्थन किया है। अब मैं अपने इलाके के बारे में अर्जकरना चाहता हूं । आज मेरे सामने डिमान्डज है ओर मैं हर डिमान्ड पर बोलनाचाहूंगा। चौधरी भजन लाल के चीफ मिनिस्टर बनने के बाद एक जलसा फरीदाबाद में हुआ था। उसमें उन्होनें कहा था कि झुग्गी–झोंपडी वाले जो 15–20 हजार आदमी है जिन मे किसान लोग भी है, हरिजन भी है और दूसरी जातियों के भी है। (ाोर)

श्री सभापतिः आप किस डिमान्ड पर बोलनाचाहते है?

श्री दीप चन्द भाटिया: मैं रिहैब्लीटे ान की डिमानड पर बोलना चाहता हूं जिन–2 डिमानडज पर मैं बोलना चाहता हूं उनको पहले पढ देता हू। एक डिमान्ड नम्बर 8 है जो बिल्डिंग्ज एन्ड रोडज के बारे में है।दूसरी डिमान्ड नम्बर 10 हे जो मैडिकल एन्ड पब्लिक हैल्थ के बारे में हैं इसी प्रकारसे डिमान्ड नम्बर 12 लेबर एंड एम्पलाएमेंट, डिमान्ड नम्बर 16 इन्डस्ट्रीज , डिमान्ड नम्बर 23 ट्रासंपोर्ट, डिमान्ड नम्बर, 6 फाइनैंस, डिमान्ड नमबर 7 अदर एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसिज के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। (ाोर) में कह रहा था कि फरीदाबाद मे बहुत सारी झुग्गी झोंपडिया है ओर जिस जमीन पर वे झोंपडियां है वह सैन्ट्रल गवर्नमेंट की हे। स्टैट गवर्नमेंट को जल्दी से जल्दी उस जमीन को ले लेना चाहिये ताकि इन झुग्गी झोपडियों मे रहने वाले बहुत सारे लोगों को अइच्छी तरह से बसाया जा सके। बरसात के दिनों में इन लोगो को काफी दिक्कत रहती है। सैन्ट्रल गवर्नमेंट हमारे से टैक्स के रूप में बहुत सारापैसा लेती है। उस जमीन को खरीदने के लिये दो करोड रूपये की व्यवस्था पहले ही की गई है। इसलिये मै आपके जरिये सरकार से प्रार्थना करूंगा कि उस जमीन को जल्दी से जल्दी खरीद लिया जाये और झुग्गी झोपडियों वालों को ठीक से बसाया जाये।

सभापति महोदय, वहां एक बाद ााह–खां हस्पताल है। आज कल उस हस्पताल की हालत बहुत दयनीय है। इसलिये मेरी सरकार से इस बारे भी गुजारि ा है कि उस हस्पताल को ठीक

कराया जाये। उस हस्पताल की हालत जिला बनने के बाद भी वैसी ही है जैसी पहले थी। उस हस्पताल के अन्दर डाक्टर बहुत कम है और दवांइयां भी नहीं मिलतीं। इस प्रकार से वह हस्पताल एक किस्म से बूचड़खाना बना हुआ है। उस हस्पताल के अन्दर न तो मरीजों के लिये जगह है और न ही दूसरे व्यक्तियों के लिये कोई ठहरने की जगह हैं । इसलिये मैं यह चाहता हू कि उस बाद ााह–खां हस्पताल को ठीक करना चाहिये और उसका नाम सुन्दर करना चाहिये। चीफ मिनिस्टर ने जलसे के अन्दर कहा था कि इसहस्पताल को दुबारा ठीक तरह से बनाने के लिये मैं पत्थर रखूंगा। जिस समय पहले वह हस्पताल बनाया गया था उस समय उस हस्पताल की नींव पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने रखी थी लेकिन आज उस हस्पताल की हालत बहुत क्षराब हैं इसलिये मैं चीफ मिनिसटर साहब से निवेदन करना चाहता हूं कि उस हस्पताल को तुरन्त ठीक कराया जाये और उसे बूचड़खाना बनने से बचाया जा सके।

सभापति महोदय, मै एक बात फरीदाबाद कम्पलैक्स के बारे मे कहना चाहता हूं। वहां पर 600 क्वार्टर, जिस समय मै मिनिसटर था, उस समय बन चुके थे लेकिन अब वहां पर करीब 1200 क्वार्टर बनने जा रहे है, इस के लिये मै अपने लोकल सैल्फ मिनिस्टर को धन्यवाद देता हू। इसके ाि ही साथ मैं अपने मंत्री महोदय से और चीफ मिनिस्टर महोदय से यह रिक्वैस्ट करता हूं कि वहां पर और जयादा क्वार्टर बनये जोय क्योकि इन 1200

क्वार्टरों से ुरीदाबाद कम्पलैक्स के अन्दर कुछ नहीं हेगा। वहां पर कम सक कम 18 या 20 हजार क्वार्टर बनाये जाने चाहिये ताकि वहां के लोगो को किसी प्रकार की रहने की कोई दिक्कत न हो।

इनके साथ साथ मैं आपसे यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि फरीदाबाद कम्पलैक्स के अन्दर जो इस साल मर्दम– ुमारी हुइ है वह ठीक नहीं हुई। इस मर्दम– ुमारी के तहत वहां पर 3 लाख आदमी दिखाये गये है जबकि फरीदाबाद कम्पलैक्स के अन्दर कम से कम 5 लाख की आबादी है। इसलिये मैं चाहता हूं कि वहां की मर्दम ुमारी दुबारा होना चाहिये। कम आबादी दिखाये जाने वे वहां के लेागों को आटा, चीनी और मिट्टी के तेज आदि की काफी दिक्कत रहेगी। यदि मर्दम भुमारी ठीक प्रकार से होगी और वहां की जनसंख्या का ठीक पता लग सकेगका तो फिर उन्हे उसी हिसाब से घी, आटा चीनी तथा मिट्टी के तेल आदि की कोई दिक्कत न होगी। फरीदाबाद कम्पलैक्स के अन्दर फरीदाबाद, सिटी फरीदाबाद टाउन यानि वहां का सारा भाहर आता है मैं दुबारा सरकार से प्रार्थना करता चाहता हूं कि वहां पर मर्दम ुमारी ठीक प्रकार से होनी चाहिये।

श्री सभापतिः भाटिया साहब, आपका समय समाप्त हो गयाहै। अप कृपया अपनी बात जल्दी खत्म करे(विघन)

श्री दीपचन्द भाटियाः सभापति महोदय, फरीदाबद एक बहुत बडा इंडस्ट्रियल एरिया हैं वहां पर बहुत सारी फैक्टरियां लगी हुइ है। (ाोर)

श्री सभापतिः आपने 15 मिनट कासमय ले यिला हे इसलिये आप कृपया अब बैठ जाएं।

श्री दीपचन्द भाटियांः सभापति महोदय, अभी तो मैं कुछ बोला ही नहीं हू। मैं कह रहा था कि वहां पर इंडस्ट्रियल एरिया है। लेकिन उस स्थान पर केवल एक ही थाना है। इससिलये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर कई थाने होने चाहिये ओर एस0एस0पी0 के साथ एक पुलिस कमि नर भी होना चाहिये। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जिस प्रकार से देहली के अनदर पुलिस कमि नर है उसी प्रकार से फरीदाबाद से अन्दर भी होना चाहिये।

चेयरमैन साहब लेबर एंड एम्पलायमैंट के बारे में आपके जरिये मैं मिनिस्टर साहब से एक रिकवेस्ट करूंगा कि इनका यह काम नहीं है कि किसी फैक्टरी के गेट पर चले जाये और वहां जाकरेलेबरको यह कहे कि आपको यह बात मननी पडेगी, अगर नही मानी तो मैं आपको सस्पैंड करा दूंगा। यह बात अच्छी नहीं है। ईस्ट इंडिया काटन फैक्टरी के गेट पर जाकर मिनिस्टर साहब यह धमकी दें, यह बहुत ही गलत बात है। (घंटी)

श्री सभापतिः अब कैप्टन मांगे राम जी बोलेगें।

श्री दीपचन्द भाटिया: इसके अलावा मैं चौधरी भजन लाल जी का एक बात के लिये धन्यवाद करना चाहता हूं। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री सभापति: आपका समय हो गया है, अब आप बैठिये। अब कैप्टन मांगे राम जी बोलेंगे।

वाक आउट

चौधरी संत कंवर: चेयरमैन साहब, आप हमें चूंकि समय नहीं दे रहे हे इसलिये हम प्रोटैस्ट के तौर पर वाक–आउट करते हैं। लेाक दल का नम्बर होने के बावजूद आप दूसरी तरफ वालों का समय दे रहे है। इसका मतलब हे कि आप जानबूझकर 2–3 मैंबर्ज उनके एक साथ बुलावाना चाहते है। हम वाक आउट कर रहे है।

(इस समय सर्वश्री संत कंवर और भले राम सदन से वाक–आउट कर गये)

वर्श 1981–82 के बजट की डिमांडज फार ग्रांटस पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

कैप्टन मांगे राम (झज्जर, अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मेरे हलके में पिछले साल फलड की वजह से बहुत तबाही हुई जिसकी वजह से 10–15 गांव बिल्कुल ही तबाह हो गये ाऔर वहां पर भिंडावास लेक भी बनाई गयी है। फलड आने के बाद

मौजूदा सरकार ने बहुत अच्छे कदम उठाये और काफी मदद की, सरकार उसकेलिये बधाइ की पात्र है। ऐसे ही मैं अब रोडज की बाबत कहना चाहता हूं कि एक सलौधा टू दादलपूर रोड लिंि कबनाने के लिये वायदा किया गयाथा और यह कहा गया था कि यह रोड 31 मार्च तक बन जायेगी लेकिन डुप्लीकेसी की वजह से अब उसे बनाया जा रहा है। मेरा कहना यह है कि इस जल्दी से जल्दी बनाया जाना चाहिये। इसके अलावा झज्जर कांस्टीच्युएंसी में एक झज्जर टू छुछकवास वाया तालाब सडक बननी थी जो कि झगडे वजह से रूकी पडी है और अभी भी इन्कम्पलीट पडी हैं मैं मंत्री महोदय से यह रिकवेस्ट करूंगा कि इस झगडे का जल्दी निपटा कर इसे जल्दी से जल्दी बनवाया जाये। मैं इस बात के लिये अपने मुख्य मंत्री महोदय का बडा ही धन्यवादी हूं कि उनहोने मेरे यहां एच0ए0पी0 का ट्रेनिंग सैंटर चलाने का ऐलान किया है। पुलिस के महकमें के लिय काफी पैसा रखा गयाहै। मैं अपनी सरकार को यह बताना चाहता हूं कि मेरे झज्जर सब–डिवीजन के अन्दर थाने की बिल्डिंग बिल्कूल तबाह हो चुकी है , कत्ल के मुजरिम भी बेरी के थाने में जाते है। मैं चाहूंगा कि झज्जर के थाने की बिल्डिंग और पुलिसवालों के रहने के लिये क्वार्टर जल्दी से जल्दी तेयार किये जाये। इसके अलावा झज्जर के हायर सैकण्डरी स्कूल की बिल्डिंग के बारे में भी मैं प्रार्थना करूंगा कि वह भी जल्दी से जल्दी तेयार होनी चाहिये। इसके बाद मैं पब्लिक हैल्थ के बारे मे कुछ कहना चाहता हूं हमारे आनरेबल मंत्री जी यहां पर बैठे हुये है। मैं मानता हूं कि इन्होनें मंत्री पद संभालने

के बाद मेरे हल्के में काफी काम किया है लेकिन मैं यह चाहता हू कि मेरे हल्के में जिन गांवों में वाटर सप्लाई स्कीम के लिये काम हो रहाहै वह बडी ढीली रफतार से हो रहा हे जो तेजी से होनाचाहिये। मेरे हल्के में गुडियानी एक गांव है, वहांपर खारा पानी है और लोगों को दूर–2 से पानी पीने के लिये लाना पडता है। मैं चाहुंगा कि वहां पर जल्दी से जल्दी वाटर सप्लाई का काम किया जाये। इसी तरह से खुड्डर और सूराह में भी वाटर सप्लाई स्कीम पर जल्दी से जल्दी काम करवा कर इनको मुकम्मल करवाया जाना चाहिये ताकि वहां के लोगों को पीने के लिये पानी मिल सके।

इसके बाद मैं अब एनीमल हस्बैंडरी के बारे में कुछ कहना चाहताहूं।सभी लोग यह कहते है दे ाों में दे ा हरियाणा जहां दूध दही का खाना। इस डिपार्टमेंट ने इस दि ाा में बहुत काम यिकाहै। पिछले साल 100 डिस्पैंसरियां, 100 स्टाकमैन सैंटर और 20 हस्पताल अपग्रेड किये गये थे। इस साल 1981–82 मैं 50 डिस्पैंसरियां और 25 डिस्पैंसरियों/प ाुपालन केन्द्रो का स्तर बढाकर उन्हे हस्पताल प्रजनन केन्द्र बनाने का प्रस्ताव किया है और इस काम के लिये इनहोने 2 करोड रूपये रखे है। इससे कुछ बनने वाला नहीं है। अच्छा हेाता अगर इस काम को कम से कम डयोढ़ा कर दिया जाता। में चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी इस महकमे के लिये 2 करोड रूपयाऔर दें ओर इस काम को डयोढ़ा करवायें ताकि प ाुपालन को बढावा मिल सके। आपको पता है

कि गरीब आदमी, मजदूर ओर किसानों के लिये प ाुपालना ही सबसे अच्छा और सस्ता पे ाा है। प ाु तो कोई भी दुकानदार, गरीब हरिजन, किसान या मजदूर पाल सकता है। और अपनी रोजी–रोटी चला सकता है। मैं इसके लिये अपने मंत्री चौधरी ि ाव राम वर्मा और डायरेक्टर, एनीमन हस्बैंडरी का बहुत धन्यवादी हूं कि उन्होने काफी काम किया है। अब यह रफतार ढीली हो गयी है। लेकिन मैं चाहता हूं कि इसे और तेज कर दिया जाये। यह कात बहूत ही तेजी से होना चाहिये।

अब मैं ट्रांसपोर्ट के बारे में कहना चाहूंगा। पिछली बार 200 के करीब नई बसें आयी थी, जिनमें से 3–4 बसें हमारे झज्जर के इलाके को भी दी गयी है लेकिन ये कम है। मैं आपके जरिये ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब से यह रिकवैस्ट करूंगा कि मेरे हल्के में गांवों को और जादा ट्रांसपोर्ट की सुविधा देने के लिये 5–6 बसें नयी और दी जाये। झज्जर टू ढासाकी एक बस भााम को 6 बजें चलनी चाहिये ताकि जो सैंट्रल गवर्नमेंट के एम्पलाईज दूर–दूर से आते है, आने घरों में पहुंच सके और बाल–बच्चों के साथ रह सकें। वहां से सैंट्रल गवर्नमेंट के काफी मुलाजिम आते जाते है। इसलिय मैं प्रार्थना करूंगा कि वहां से यह बस अव य ही लगायी जानी चाहिये। पहले यहां से एक बस जाती थी लेकिन 1977 में यह डिस–कन्टीन्यू कर दी गयी। मैने सी0एम0 साहब को भी रिकवैस्ट की थी कि चंडीगढ से साल्हावास और झज्जर की तरफ एक स्पै ाल बस चलवायी जाये। इसके लिये उन्होने वायदा

भी किया था कि वे चलावायेगे। इसके अलावा एक बस ढासा बौर्डर से झज्जर वाया बादली चलनी चाहिये। तथा झज्जर से सिकन्दरपूर वाया उखलचाना जो बसें आती जाती हैं उनकी सर्विस बढायी जानी चाहिये ताकि वाहं के लोगौ को आने जाने में आसानी हो सकै। (व्यवधान एवं भाोर) मैं ट्रांसपोर्ट मिनिसटर साहब का धन्यावादी हूं कि इन्होने मेरे हल्के में काफी बसें चलवाने का वायदा किया है। (व्यवधान एवं भाोर) झज्जर से ढांसा बोर्डर वाया बादली बस चलाना उन्होने पहले ही मान लियाहै ओर चंडीगढ़ से झज्जर तक चलाने का वायदा किया हुआ है।

इसके अलावा अब मैं डिमान्ड नं0 7 जो अदर एउमिनिस्ट्रेटिव सर्विसिज के बारे में है, कुछ कहना चाहताहूं । मुझे पता चला है कि एच0सी0एस0 का नौमीनेशन सन 1966 से आज तक लगभग 100 आदमियों का हो चुका है लेकिन उनमें सिर्फ 2 आदमी ही ि ाडयूल्ड कास्टस लिये गये है। इसलिये मैं अपने मुख्य मंत्री महोदय से यह प्रार्थना कंरूगा कि नोमीने ान के मामले में ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज का रिजर्वे ान का ध्यान रखे और पूरा करे। पुलिस के बारे में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जो मर्डर या रेप के केसिज है यह ज्यादातर वीकर सैक ान्ज के साथ ही होते है। इसलिये मैं प्रार्थना करूंगा कि कांस्टेबल ओर ए0एस0आईज0 की स्पै ाल रिक्रूरमैंट की जाये क्योकि इनमें हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों की कमी है उसको पूरा यिका जाये ताकि उन लोगो ंको एफ0आई0आर0 दर्ज

करवाने में सूविधा हो सके और आसानी से एफ0आई0आर0 लिखी जा सके। इसके बाद मैं इन्डस्ट्रीज के बारे में दो मिनट बोलना चाहूंगा। 4000 के करीब गांवों में छोटी–2 इकांइयां लगी है जिनके अन्दर पेपर, मोम या दूसरा रा–मैटीरियल अवेलेबल करवाया जाता हैं मे ंसरकार से प्रार्थना करूंगाकि जिसतरह से गुडगांव और फरीदाबाद को पिछडा हुआ क्षेत्र घोशित किया हुआ है उसी तरह से झज्जर सिरसा, नारायणगढ़ और हिसार का कुछ इलाका भी भारत सरकारसे जल्द से जल्दी इन्डस्ट्रीली बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर करवाया जाये ताकि वहां पर भी जल्दी से जल्दी कारखाने लग सके, रेलवे लाईन आये और बेरोजगारी का मसला खत्म हो। अन्त में मैं अपनी सरकार को मुबारिकबाद देते हुये आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिये टाईम दिया और अपना स्थान लेता हू।

श्री भले राम (बड़ौदा अनुसूचित जाति): चेयरमेन साहब, मैं डिमान्ड नम्बर 13 मो ान वैलफेयर एंड रिहैबिलिटे ान, डिमान्ड नम्बर 16 इन्डस्ट्रीज, डिमान्ड नम्बर 8 बिल्डिंग्ज एंड रोडज डिमान्ड नम्बर 20 फौरेस्ट के सम्बन्ध में बोलनाचाहता हूं । डिमान्ड नं0 13 में सरकार ने सात करोड रूपया रखा हे और दावा किया है कि वीकर सैक ान के लिये और वि ोशकर हरिजनों के लिये ऐजुके ानली इकोनोमिकली और सो ाली तौर पर बहुत कुछ किया जायेगां चेयरमेन साहब, मैं हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि प्लानिंग कमि ान का एक वर्किंग ग्रूप आया

था और उस ग्रुप ने रिकमैंडे ान भेजी थी कि हरिजन बच्चों की ि ाक्षा के क्षेत्र में मदद की जाये। 1979 में सरकार ने उस रिकमैडे ान के आधार पर पांच लाख रूपया हरिजन बच्चों के लिए स्याही, किताबें और दवातें खरीदने के लिए रखे ओर प्रत्येक बच्चे को वैलफेयर के नाम पर पांच पांच रूपए दिए। मैं इस सरकार से पूछना चाहता हूं कि पांच रूपए के नोट में यह बच्चा किस तरह से दवात खरीद सकता है, किताब खरीद सकता है। यह उने साथ मजाक नही तो और क्या है। चेयरमैन साहब, सरकार ने एक और स्कीम हरिजन विडोज के लिए भाुरू की। सरकार ने कहा कि जो हरिजन विडोज हैं, जिनके कई बच्चो हैं उनको ट्रेनिंग देने के लिए सैन्ट्र्ज खेल रखे हैं। चेयरमैन साहब, सरकार ने प्रत्येक विडो को बीस रूपये वजीफा दिया। आप बताएं कि बसी रूपए में बाल बच्चों वाली कैस गुजारा कर सकती है ? कई सैन्टर्ज तो दस पन्द्रह किलोमीटर दूर हैं। इसके लिए सरकार ने चार लाख रूपया रखा था। चेयरमैन साहब, उस विडो को उस सैन्टर में आठ घंटे रोजना काम करना पड़ता है और उसको केवल 67 पैस रोजनान दिया जाते हैं। यह हरिजनों के साथ सिर्फ एक मजाक ही है। चेयरमैन साहब, सरकार ने घोशणा की थी कि हरिजन विद्यार्थियों को वजीफा दिया जाएगा। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि एक साल हो गया, पोस्ट मैट्रिक किसी भी विद्यार्थी को वजीफा नहीं मिला है। सरकार कहती है कि हमारे पास पैसा नहीं है, अगल साल में वजीफे की रकम देंगे। यह रिकार्ड की बात है। किसी भी कालिज के विद्यार्थी को आज तक स्टाईपैंड नहीं

मिला है लेकिन यह सरकार कहती है कि हम हरिजनों का उत्थान करना चाहते हैं। चेयरमैन साहब, स्वीपर को तीन सौ रूपया ग्रान्ट और आठ सौ रूपया कर्जा देंगे लेकिन पिछले साल भी इस स्कीम में रूपया लैप्स हुआ। चेयरमैन साहब, कोई भी स्वीपर कर्जा नहीं लेना चाहता। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि यह स्कीम सभी हरिजनों को, चाहे स्वीपर है, चाहे धानक है, सब के लिए होनी चाहिए, किसी पर्टिकुलर कम्युनिटी के लिए नहीं होनी चाहिए।

चेयरमैन साहब, पहले एक स्कीम चालू थी। इस स्कीम के अन्दर कोई भी जो सूअर लेना चाहता था उसको आठ सौ रूपया कर्जा मिलता था लेकिन सरकार ने इसको पिछले साल बन्द कर दिया। जब हमने काफी भाोर मचाया और सरकार से मांग की कि वह स्कीम चालू रहनी चाहिए तो गवर्नमैंट मान गई। इस स्कीम के अन्डर यह है कि जो तीन सूअर लेना चाहे उसको तीन हजार रूपया ग्रान्ट दी जाएगी और चार हजार रूपये बैंक से लोन दिलाया जाएगार। जो भैंस लेना चाहे उसको दो हजार रूपया ग्रान्ट और चार हजार रूपया कर्जा बैंक से दिलाया जाएगा। जो भेड़ लेना चाहे उसको एक हजार रूपया ग्रांट और दो हजार रूपया कर्जा दिया जाएगा। चेयरमैन साहब, इस स्कीम के लिए सरकार ने केवल सात लाख रूपया रखा है। हरियाणा के अन्दर हरिजनों की लगभग तीस लाख की आबादी है। इतने पैसे से सिर्फ बीस तीस आदमियों का ही फायदा हो सकता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि भैंस, सूअर और भेड़ बकरी खरीदने के लिए कर्जा

देने की रा ि ा बढ़ाई जानी चाहिए। सरकार पहले बगैर ब्याज के कर्जा दिया करती थी लेकिन मैंने पढ़ा है कि इस साल इस काम के लिए पैसा नहीं रखा है। सरकार को इस काम के लिए पैसा रखना चाहिए और हरिजनों की मदद करनी चाहिए।

चेयरमैन साहब, सरकार ने ऐलान किया है कि वह 31 मार्च तक हरिजनों में जमीन बांट देगीं। मैं कहना चाहता हूं कि सरकार हरिजनों को जमींदारों के साथ लड़ाना चाहती है। सरकार के पास कस्टोडियन की जमीन पड़ी है, नहर के साथ साथ जमीन पड़ी है और नजूल जमीन पड़ी है। अगर सरकार वाकई हरिजनों को जमीन देना चाहती है, उनका कुछ भला करना चाहता है तो वह इस जमीन में से कुछ जमीन हरिजनों को दे सकती है। लेकिन इस सरकार की नीयत हरिजनों को जमीन देने की है ही नहीं। यह तो हरिजनों को जमींदारों से लड़ाना चाहती है। चेयरमैन साहब, ढानी रामरा में सरदार कैंरो के लड़के ने साठ फैमिलीज को वैलफेयर डिपार्टमैंट के थ्रू सरप्लस जीमन पर बसाया था और उनको दो हजार रूपया फी फैमिली के हिसाब से ग्रांट दी थी। बैंक की कि तें भी पूरी हो गई हैं लेकिन उनको आज तक उस जमीन का मालिक नहीं बनाया है। डी.सी. कहता है कि यह जमीन जिस पउ उनको बसाया गया है, सरप्लस जमीन है। दूसरी तरफ सरकार कह रही है कि 31 मार्च तक सब हरिजनों को जजमीन दे दी जाएगी। चेयरमैन साहब मैं एक बात और बताना चाहता हूं कि कोसली तहसील में खेडीनंगल गांव है। वहां पर

170 किल्ले जमीन कस्टोडियन की है जिसको ि ाड्यूल्ड कास्ट्स के लोग का त कर रहे हैं। वे लोग 25–30 साल से का त कर रहे है लेकिन अब सरकार कहती है कि उसको सेल कर दो। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि वे लोग कहां जाएंगे। एक तरफ सरकार जमीन देने वाली बात करती है और दूसरी तरफ कस्टोडियन की जमीन, नहर के पास की जमीन, नजूल लैंड सरकार उसको नहीं देना चाहती। चेयरमैन साहब, यह सरकार हरिजनों को सो ाली ऊपर उठाना चाहती है। चेयरमैन साहब, हरिजन भाई उसी तरीके से ऊपर उठ सकते हैं जो चौधरी चरण सिंह ने बताया था। उन्होंने कहा था कि जात पात की बात खत्म करो और इंटरकास्ट मैरिज करो। जो इंटरकास्ट मैरिज करे उसको गजेटिड या नान गजेटिड नौकरी में लेना चाहिए। उन्होंने स्वर्गीय श्री जवाहर लाल नेहरू को चिट्ठी लिखी थी और श्रीमति इन्दिरा गांधी को भी चिट्ठी लिखी थी जिसमें कहा था कि अगर आप मेरी इन्टरकास्ट मैरिज वाली बात को मान लें तो मैं सियासत से अलग हो जाऊंगा। चेयरमैन साहब, पढ़े लिखे लोग दफ्तरों में छूआछूत करते हैं। रोजाना बाहर नारे लगाए जाते हैं .....

श्री फतेह चन्द विजः चेयरमैन साहब, हाउस में कोरम नहीं है। (विघ्न) आप देख लीजिए कि कोरम नहीं है।

(इस समय कोरम के लिए घंटी बजाई गइ तथा कोरम हो गया)

श्री भले रामः चेयरमैन साहब, लाइनिंग सर्कल नं 23 में एक एक्स.इ.एन. मि. खुराना है। उसने एक एस.डी.ओ. को चमार ढेढ़ कहा लेकिन उसके खिलाफ कोई एक ान नहीं लिया गया। यह बात चीफ मिनिस्टर के नोटिस में भी है। अब मैं पब्लिक हैल्थ के बारे में कहना चाहता हूं। मेरे हल्के में बनवास गांव है। वहां पर लोगों ने बीस हजार रूपय पब्लिक हैल्थ सैन्टर खोलने के लिए जमा करवा रखा है लेकिन सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि सरकार इस तरफ ध्यान दें इन ल्फजों के साथ मैं खत्म करता हूं और इन डिमांड्ज का विरोध करता हूं।

री फतेह चन्द विज (पानीपत): चेयरमैन साहब, मैं आपका बहुत धन्यवादी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। जब से यह सै ान चला है, उसी दिन से ये ढिढ़ोरा पीटा जा रहा है कि 31 मार्च, 1981 तक हरियाणा में सभी गांवों को पक्की सड़कों से मिला दिया जाएगा। इस बारे में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलते हुए मुख्य मंत्री महोदय ने भी कहा था कि 31 मार्च तक यह काम पूरा हो जाएगा लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि तहसील पानीपत के कुछेक गांव रानामाजरा, बेसिनगढ़ी, पत्थरगढ़, नवादा, जलालपुर, के ाोपुर और नगला खेड़ी वगैरह कई गांव जो यू.पी. से, हरियाणा बनने के बाद, 1961 में इधर भाामिल हुए थे, तब से इन गांवों के अन्दर सड़कें नहीं है। अब यह कहा जा रहा है कि ईटें नहीं है, मिट्टी नहीं है। ये

गांव कंवर राम पाल सिंह, लोक निर्माण मंत्री जी के हल्के के साथ लगते हैं। अतः मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ जल्दी ध्यान दिया जाए।

चेयरमैन साहब, अब मैं पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंअ के मुताल्लिक कुछके बातें कहना चाहता हूं। वह दिन हरियाणा प्रान्त के लिए एक स्याह दिन था जब म्युनिसिपल कमेटियों से सीवरेज और पानी का सारा प्रबन्ध लेकर पब्लिक वर्कस विभाग के अन्डर कर दिया गया था क्योंकि खर्चा तो सारा करे म्युनिसिपल कमेटियां और पानी और सीवरेज का सारा ध्यान पब्लिक वर्कस विभाग करे, यह कोई उचित प्रतीत नहीं होता। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पानीपत भाहर के लिए 95 लाख रूपये की एक मास्टर स्कीम बनाई गई थी। पब्लिक हैल्थ विभाग वालों ने उसमें से केवल साढ़े पांच लाख रूपये का काम 5 सालों में किया। आप इससे अन्दाजा लगा सकत हैं कि 95 लाख रूपये का जो काम है, वह कितने सालों में यह विभाग कर पायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर नालियों की हालत भी बहुत खराब है। वहां की आबादी इस समय 1 लाख 30 हजार के करीब है, पब्लिक हैन्थ डिपार्टमैंट वालों के ध्यान न देने के कारण वह नालियां हर समय टूटी रहती हैं और गन्दा पीन बिखरा रहता है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी वहां पर आते जाते हैं, आपने भी देखा होगा कि भाहर के चारों तरफ गन्दे पानी का जौहड है जिसमे गन्दगी बहुत है। इसके

इलावा इन नालियों का गंदा पानी सड़कों पर आता है और घरों में दाखिल हो जाता है। इसके अलावा इन नालियों का गंदा पानी सड़कों पर आता है और घरों में दाखिल हो जाता है। इसलिए सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। अगर इसी तरह से विभाग काम करता रहा तो आप हिसाब लगा लीजिये कि अगर 5, या साढ़े 5 साल रूपये का काम पांच सालों में होगा तो 95 लाख का मास्टर प्लान कब जाकर पूरा होगा ?

श्री उपाध्यक्षः विज साहब, वहां पर आजकल भी पानी भर रहा है।

श्री फतेह चन्द विजः हां जी, आप ठीक फरमा रहे हैं। मैं सरकार को एक सुझाव दूंगा कि इस भाहर को जिसकी आबादी 1 लाख 30 हजार के करीब है, इसका एक बड़ा इंडस्ट्रीयल एरिया है जिसमें से हर साल करीब 50 लाख रूपये का माल तैयार होकर बाहर जाता है, यहां पर पब्लिक हैल्थ का एक सब डिवीजन बनाया जाए। अगर इस मास्टार प्लान को चार पांच सालों के अन्दर अन्दर पूरा कर दे ंतो इस विभाग का काम ठीक हो सकता है नही ंतो यह काम म्युनिसिपल कमैटी को सौंप देना चाहिए। यह विभाग अगर इस मास्टर प्लान को इम्पलीमैंट करने में असमर्थ है तो वह सरकार को लिखे कि वे इस काम को नहीं कर सकते, इसलिऐ इस काम को दोबारा कमेटी को ही सौंप दिया जाए। म्युनिसिपल कमेटियों के साथ सरकार को कोई ताल्लुक नहीं होना चाहिए। पहले यह होता था कि म्युनिसिपल कमि नर्ज 15–20 के

करीब होते थे और वे लोगों को दिक्कतों को सुनते थे। लोग जब उनके पास अपनी दिक्कतें लेकर जाते थे तो वे सुनते थे। अगर नहीं सुनते थे तो लोग उनके घरों में सियापा करते थे, तब कमि ानर्ज वगैरह उसी वक्त उठकर एडमिनिस्ट्रेटर के गले पड़ते थे और उसी वक्त लोगों के सभी काम पूरे हो जाया करते थे। आजकल यह होता है कि जब पब्लिक हैल्थ विभाग वालों के पास लोग जाते हैं तो वे कहते हैं कि काम कैसे होगा, म्युनिसिपल कमेटी ने पैसे जमा नहीं करवाये हैं। जब म्युनिसिपल कमेटी से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि हमने तो पैस जमा करवा दिये हैं, पब्लिक हैल्थ वाले ही काम नहीं करवा रहे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं ट्रान्सपोर्ट के सम्बन्ध में कुछेक बातें कहना चाहता हूं, जिसकी तरफ सरकार को अव य ध्यान देना चाहिए। एक क्वै चन के जवाब में बताया गया कि स्कूल के बच्चों को स्कूल ले जाने ओर लाने के लिए सभी सुविधाएं सरकार की तरफ से दी जाती हैं लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं, आप ने भी कभी बसों में सफर किया होगा, जब बच्चे अपने घरों से आकर बस स्टेन्ड्ज पर खड़े होते हैं और बस को देखकर कर जब वे हाथ देते है, तो बस वाले बस नहीं रोकते। अगर कोई सवीर न हो तो बस खड़ी नहीं करते और अगर बदकिस्मती से कोई सवारी हो भी, तो वे सवीर को चढाकर एक दम बस को चला देते हैं और बच्चों को कहते हैं कि पीछे हटो। इसका असर यह होता है कि बच्चों की

पढ़ाई खराब हो जाती हैं। कंडक्टर वगैरह बच्चों को थप्पड़ दिखकर पीछे कर देते हैं। बच्चे दो दो तीन तीन मली इधर उधर फिर कर घर जाते हैं और इस तरह से अपने स्कूल का समय पूरा करते हैं क्योंकि अगर टाईम से पहले घर जाएं तो माता पिता मारते हैं। बस न मिलने की वजह से वे स्कूल नहीं पहुंच पाते। इसलिये सरकार को इस तरफ खास तवज्जो देनी चाहिए। या तो सरकार यह कह दे कि हम इस तरह की कोई ीाी सहूलियतें बच्चों को नहीं देना चाहते और अगर देना चाहते हैं तो इसकी इम्पलीमैंटे ान पूरी तरह हो।

इसके साथ साथ मैं हैल्थ पर थोड़ी सी रो ानी और डालना चाहता हूं। कई साल पहले अम्बाला जिला में पीलिया की बीमारी फैली थी जिससे लोगों को काफी परे ानी हुई थी और कई मौतें भी हुई थी। अब इसी तरह से पानीपत में भी ऐसे केसिज पाये गये हैं, अतः सरकार को इस तरफ खास तवज्जो देनी चाहिए ओर सरकार को इसकी इंकवायरी भी करानी चाहिए कि इस रोग की रोकथाम क्यों नहीं की गइ।

इसके बाद मैं इंडस्ट्रीज के बारे में भी जिकर करना चाहता हूं। मैंने पहले भी कहा था कि पानीपत एक इंडस्ट्रीयल टाउन है ओर वहां से 50 करोड़ रूपये का माल तैयार होकर बाहर जाता है। यह बिजनैस ऐसा है जिस में एक कारीगर तीन दिन के लिए एक खड्डी पर काम करता है और अगले चार दिन वह दूसरी खड्डी पर चला जाता है क्योंकि हर कारीगर एक ही खड्डी पर

नहीं रह सकता है। ई.एस.आई. स्कीम के तहत उन्हें फैसिलिटीज मिलती है कि हर एक कारीगर को हर जगह पर कम्पलसरी डिपोजिट्स जमा करवाना है। अगर एक कारीगर तीन दिन एक जगह काम करेगा और अगले चार दिन कहीं और जगह काम करेगा तो उसे जो फैसिलिटीज मिली हुई है उसका वह फायदा नहीं उठा सकता लेकिन उसको डिपोजिट के लिए मजबूर किया जाता है। इसलिए मेरी सरकार से यह दरखास्त है कि यह जो ई. एस.आई. के तहत कम्पलसरी डिपाजिट की पाबन्दी है, वह हटाई जानी चाहिए। ऐसे केसिज में इस तरह की छूट होनी चाहिए। धन्यवाद।

चौधरी गया लाल (हसनपुर, अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड नं. 8, 10, 12, 16 और 23 पर बोलना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने 31 मार्च तक पूरे प्रदे ा में सड़कें बनाने का जो लक्ष्य रखा था वह पूरा कर लिया है। परन्तु ऐसे गांव रह गये हैं जो रैवैन्यू रिकार्ड में नहीं थे ओर उनकी आबादी भी काफी हो गई है। किसी की आबादी तीन सौ हे, किसी की चार पांच सौ है और किसी की हजार तक भी है और अब उन गांवों मैं पंचायतें भी बनी हुई हैं। जो अढ़ाई सौ की आबादी वाले गांव थे उनको अब सरकार ने सड़कें बनाने के लिए टेक अप कर लिया है। इसके इलावा पहाड़ी क्षेत्र में जो डेढ़ सौ की आबादी वाले गां थे उनको भी कवर कर लिया ळै, इसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। पहले भी लोग सड़कों कसे वंचित

थे अब वे भी इस स्कीम के तहत कवर हो जाएंगे। इस महकमे के मंत्री जी बैठे हुए हैं मैं उनके नोटिस में फिर यह बात लाना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में, आगरा कैनाल से एक दसधरा नाम का नाला निकलता है। उस पर दो पुल बनाने के लिए आज से दो साल पहले मंजूरी हो चुकी है लेकिन बड़े दु:ख की बात है कि वे दोनों पुलों के न बनने की वजह से करोड़ों रूपया सरकार का बेकार हुआ पड़ा है क्योंकि लोगौं को इधर से उधर आने जाने की सुविधा नहीं है। मेरे क्षेत्र की काफी आबादी दोनों साइड की रोडज को कवर करती है और पुल न होने की वजह से सारे क्षेत्र को बहुत तकलीफ है। इस बारे में मैं मंत्री जी से मिलता भी रहता हूं लेकिन वे सिफ एक बात कह कर टाल देते हैं कि यह दूसरे प्रान्त का नाला हैं मैं जानना चाहता हूं कि उजीना डाइव र्न ड्रेन जो हमारी सरकार ने बनाई है, उस ड्रेंन पर 15–20 पुल हमारी सरकार ने बनाए हैं। वे पुल रजबाहों पर हैं या आगरा कैनाल पर है। तो मुझे समझा नहीं आती कि इन दोनों पुलों को सरकार क्यों नहीं बनवाती। मंजूरी तो दो साल से हुई पडत्री है लेकिन पुल बनाये नहीं जा रहे हैं। मैं मंत्री जी से कहूंगा कि दोनों प्रदे ाों की सरकारें बातचीत करके इन पुलों को भीघ्र बनवाएं।

अब मैं डिमांड नं. 16 जो स्वास्थ्य के बारे में है, पर बोलना चाहता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक बड़ोली गांव है जिसकी आबादी लगभग 12 हजार की है लेकिन अभी तक इतने

बड़े गांव में चिकित्सा को कोई भी साधन नहीं है। मेरी रिकवैस्ट परएक चौपाल में एक छोटी सी डिस्पैंसरी खोली गई थी जिसमें एक कम्पाउंडर ही काम कर रहा है। इतने बड़े गांव के लिए वह न काफी है। उस गांव के इर्द गिर्द भी चिकित्सा का कोई साधन नहीं है। इस समय हैल्थ मिनिस्टर साहब तो यहां बैठे नहीं हैं, दूसरे मंत्री उनको बता दें कि बड़ौली और बडूखी दो बड़े बड़े गांव हैं जिनमें चिकित्सा को कोई साधन नहीं है। वहां पर कोई डिस्पैंसरी नहीं है। इसके साथ साथ मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि पिछले वर्श मुख्य मंत्री जी ने होडल में एक हस्पताल बनाना माना था और उसका पत्थर भी रख दिया था लेकिन अभी तक वहां काम भुरू नहीं हुआ। होडल के इर्द गिर्द भी काफी आबादी है और इतने बड़े कस्बे में केवल एक डिस्पैंसरी है जिसमें एक डाक्टर और एक कम्पाउंडर है। वहां पर हस्पताल बनाने के लिए महकमे को जमीन भी मिल चुकी है। मैं मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि वे अपने जवाब में बताएं कि इस वर्श वह हस्पताल बनना भुरू हो जाएगा या ओर देर लगेगी ?

अब मैं डिमंड नं. 12 जो श्रम और रोजगार के बारे में है, पर बोलना चाहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में कल स्वामी अग्निवे ा जी ने भी चर्चा की थी कि ये जो भट्ठे के मजदूर होते हैं जिनको पथेरे, नक ी वाले या ढुलाई वाले कहा जाता है, इनकी मजदूरी बहुत थोड़ी है। ये भट्ठा मालिक से जो पैसा लेते हैं उसको सारा साल काम करने के बाद भी नहीं उतार पाते। वह

मजदूर खुद काम करता है, उसकी औरत और बच्चे भी उसके साथ काम करते है। वे लोग उस टाइम पर मिट्टी गूंधते हैं जिस समय कड़कती सर्दी होती है। उस वक्त आदमी पानी में खड़ा नहीं हो सकता लेकिन फिर भी उनकी बहुत थोड़ी मजदूरी हैं। श्रम विभाग के अधिकारी और मंत्री जी यह क्यों नहीं सोचते कि सारे परिवार की कमाई के बावजूद भी उनका यह पैसा क्यों नहीं उतरता ? इस तरफ सरकार नहीं देखती और जवाब यह मिलता है कि भट्ठा मालिक उनको जाने नहीं देते जबकि असली बात यह है, जैसे स्वामी जी ने कहा था कि उनको बन्धुआ मजदूर बना कर रखा जाता है। जब तक मजदूर उनको पैसा नहीं देते तब तक वे उनको जाने नहीं देते। श्रम मंत्री जी बैठे हैं और विभाग के अधिकारागण भी बैठे हैं। वे इस बात पर विचार करें कि वे यह पैसा सिक वजह से नहीं उतार पातै। उनकी मजदूरी क्या है, यह बड़े ताज्जुब की बात हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारे साथी प्रदे ा में जो हमारे कुनबे में से ही है, वहां 22.33 रू. एक हजार ईंटे की पथाई का रेट है और हरियाणा में 17.30 रू. है। तो यह कितना भाोशण है मजदूरों का ? फिर इस महकमे के मंत्री या अधिकारी इस बात को क्यों नहीं सोचते ? उनका मजदूर की तरफ पूरी तरह से ख्याल नहीं है। जब हर चीज का रेट पंजाब और हरियाणा में एक है यानी आटा भी उसी रेट पर मिलता है और कपड़ा भी उसी रेट पर मिलता है तो मजदूरों के रेट क्यों बराबर नहीं किये जाते ? (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अभी

खत्म करता हूं। तो मैं यह चाहता हूं कि हमारे बराबर का जो पंजाब प्रदे ा है, उसके पैट्रन पर ही मजदूरी रखी जाए।

इसके अलावा मैं उद्योग के बारे में आपके माध्यम से एक दो बातें बताना चाहता हूं। सरकार गांवों में उद्योग खोलना चाहती है ओर खोल भी रही हैं। इसके लिए मेरा एक सुझाव है कि जो लड़के बेरोजगार हैं, उनको उद्योग लगाने के लिए सरकार से पैसा तो मिलता है लेकिन जिस उद्योग को वे लगाना चाहते हैं उसमें वे अन ट्रेन्ड होते हैं। अन ट्रेन्ड होने के कारण वे फेल हो जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि बैंक टाइम पर पैसा नहीं देता लेकिन उस काम की जानकारी न होने के कारण ही वे फेल हो जाते हैं। मेरा सुझाव हैं कि जिन लड़कों को उद्योग लगाने के लिए पैसा दें उनको पहले ट्रैन्ड यिका जाए। उसके लिए आप आई.टी.आईज. खोलें या कोई और सैंटर खोलें। जिस ट्रेंड को कोई सीख कर निकले उसी ट्रेंड के लिए पैसा देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बस डिपोज के बारे में कहना चाहता हूं। होडल हरियाणा का कस्बा है जहां पर रोजाना 30–35 बसें आ कर रूकती है। मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि होडल मेें सब डिपो बनाया जाये। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने बोलने का समय दिया।

श्री लहरी सिंह मेहरा (अनुसूचित जाति रादौर): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं डिमांड नम्बर 1, 8 10, 16 और 23 पर बोलना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं डिमांड नम्बर 8 के

बारे में कहना चाहता हूं। इससे पहले मैं अपने मुख्य मंत्री जी और पी.डब्ल्यू.डी. मिनिस्टर का भाुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने इतना अच्छा फैसला लिया कि 31 मार्च तक हरियाणा का हर गांव सड़कों से जोड दिया जाएगा। उन्होंने यह एक बहुत बड़ा काम किया है और इस बात के लिए मैं उनको बधाई देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के रादौर में 90 फीसदी गांव में सड़कें बिल्कुल नहीं बनी हुई थी। यह सिर्फ चौधरी भजन लाल जी की और कंवर राम लाल सिंह जी की मेहरबानी है कि दो चार दिन के बाद सभी गांवों में सड़कें बन जाएंगी। मैं इनका बहुत आभारी हूं। इसके साथ साथ मैं मुख्य मंत्री जी से और पी.डब्ल्यू. डी. मिनिस्टर से एक मांग भी करना चाहता हूं कि एक गांव से दूसरे गांव तक जाने के लिए बहुत से ऐसे लिंक्स हैं जिन से गांव नजदीक पड़ता है। यदि एक गांव से दूसरे गांव में सड़क द्वारा जाना पड़े तो 20 या 30 किलोमीटर का फासला तय करके जाना पड़ता है, लेकिन अगर सीधे जाया जाए तो सिर्फ एक या दो किलोमीटर का फासला तय करना पड़ता है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे लिंक्स को भी बनाया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, 1977 में रादौर से भााहबाद सड़क मंजूर हुई थी। वह सड़क आज तक पूरी नहीं हुई है, उसमें एक या दो किलोमीटर का गैप है। इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैसट है कि उस गैप को पूरा किया जाए। इसी प्रकार से मेरे हल्के में धनाणी से सुमारियां और मुहावो से लखमड़ी तथा गुढ़ा से संधार रोड लिंक्स नहीं बने है, इनको जल्दी बनाया जाए। इसके अलावा और

भी काफी लिंक्स हैं जिनको बनाया जाना बहुत ही जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट कुरूक्षेत्र में एक गांव झागुडी है और डिस्ट्रिक्ट अम्बाला मे एक गांव हापसपुर है। इन दोनों के बीच में सड़क तो बना दी है लेकिन इन दोनों के बीच में से राक्सी नदी और सरस्वती नदी गुजरती हैं। उन पर पुल नहीं बनाया गया है इसलिए उन गांवो में आने जाने का रास्ता नहीं है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उन नदियों पर पुल जल्दी से जल्दी बनाया जाए। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) इसी तरह से कालकी रोली रोड पर भी पुल बनना चाहिए। यदि यह पुल बना दिया जाए तो उससे कम से कम 100 गावों को फायदा है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नम्बर 10 के बारे में कुछ कहना चाहता हूं जो पब्लिक हैल्थ के बारे में है। अध्यक्ष महोदय, आप भी अच्छी तरह से जानते हैं कि हरियाणा में काफी गांव ऐसे हैं जिनमें पीने का पानी नहीं मिलता।

श्री अध्यक्षः आप वाइंड अप कीजिए।

श्री लहरी सिंह मेहराः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में नाथूपूर, सांबोली और प्रितमपुरा ऐसे गांव हैं जिनमें पानी बिल्कुल खारा है। माताएं और बहनें तीन चार मील दूर से पानी लाती है। इसलिए सरकार से मेरी रिक्वैसट है कि इन तीनों गांवों में वाटर सप्लाई स्कीम लागू की जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं एक ऐसे जरूरी मसले के बारे में बोलना चाहता हूं जिसके बारे में

किसी भी मैम्बर साहब नेक जिकर नहीं किया। सै ान को चलते हुए लगभग एक महीना होने वाला है।

Mr. Speaker: No matter regarding Vidhan Sabha Secretariat will be raised and this will be raised and this will be expunged.

श्री लहरी सिंह मेहराः ठीक है, जी। अध्यक्ष महोदय, अब मैं मांग नम्बर 23 के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। जो ट्रांस्पोर्ट के बारे में हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के रादौर में कोई भी बस ऐसी नहीं है जिसकी हालत ठीक हो। चलते चलते रास्ते में खड़ी हो जाती है और सवारियों को उनके डैस्टीने ान तक नहीं पहुंचाती है और न ही वहां पर बस अड्डा बना हुआ है। रादौर चारों तरफ सड़कों से मिला हुआ है और हजारों सवारियां इधर उधर जाने के लिए आती है, इसलिए वहां पर बस अड्डा जरूर बनना चाहिए। बस अड्डा न होने के कारण वहां पर बसें भी नहीं रूकती हैं, यदि रूकती भी है तो जो क्यू भौल्टर बनाया हुआ है उससे या तो एक मील पीछे रूकती हैं या फिर एक मील आगे जा कर रूकती हैं। इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि वहां पर बस अड्डा बनाया जाए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, रादौर में बसें बहुत कम हैं और सड़कें बहुत बन रही है जोकि हिमाचल तक जाती है। जैसे बस कुरूक्षेत्र से बबैन वाया बराड़ा हो कर नाहन जाती ह। इसी तरह से लाडव से हो कर मुस्तबाबाद वाया गजलाना और रादौर से मुस्तबाबाद वाया लखा सिंह खेड़ी तक जाती है। सड़के ंतो बनी हुई है लेकिन बसें बहुत कम हैं। इसलिए

सरकार से मेरी रिक्वैस्ट है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और वहां पर जितनी बसों की आव यकता है उतनी दी जायें। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं सो ाल वैलफेयर और एनीमल हसबैंडरी के बारे में कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप वाइंड अप कीजिए।

श्री लहरी सिंह मेहराः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने एनीमल हसबैंडरी के लिए जो पैसा प्रोवाइड यिका है वह बहुत थोड़ा है। इस सरकार ने जो काम प ाुओं के लिए किया है, वह बाबिले तारीफ हैं। पिछले 30 सालों में ऐसा काम किसी भी सरकार ने नहीं किया। इस सरकार ने हर तीसरे और चौथे गांव में स्टोक्समैंन सैंटर्ज और डंगर हस्पताल बनाने के लिए इस साल के बजट में दो करोड रूपए का प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने वित्त मंत्री जी से रिक्वैस्ट कयंगा कि जो एनीमल हसबैंडरी के लिए दो करोड़ रूपया दिया गया है यह बहुत थोड़ा है। यह कम से कम 5 करोड़ रूपया होना चाहिए ताकि गांवों में ज्यादा से ज्यादा डिस्पैंसरियां खुल सकें और बीमार प ाुओं को राहत मिल सके।

14.00 बजे

स्पीकर साहब, लास्ट में एक छोटी सी बात कह कर मैं बैठ जाऊगा। वस्ट्रन जमुना कनोल मेरे हल्के से होकर जाती है लेकिन इसमें पोल्यु ान आफ वाअर हो गया है। जमुनानगर और

जगाधरी की इंडस्ट्रीज की गंदगी इसमें भाामिल होती है और कैनाल का पानी खराब होने के कारण कई प्रकार की बीमारियां फैलने का अन्दे ाा है। इसी तरह बहादुरगढ़ और सोनीपत में जो इंडस्ट्रीज हैं इनका गंदा पानी ड्रेन नं. 8 में डलता है जिससे ड्रेन नं. 8 में भी पोल्यु ान आफ वाटर हो गया है और बीमारियां फैलने का डर है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जहरीले पानी को कैनाल में और ड्रेन नं. 8 में डलने से बन्द करें ताकि दूशित वातावरण जो आजकल बड़ी तेजी से फैल रहा है, दूर हो सके। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवादा करता हूं।

राज्यपाल का संदे ा

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे हरियाणा राज्यपाल महोदय की तरफ से एक पत्र आया है। मैं हाउस की जानकारी के लिए इसको पढ़ कर सुनाता हूं:–

'मैं आपके अर्ध सरकारी पंत्र संख्या एच.बी.एस.एल.ए./2/81/7718, दिनांक 13 मार्च, 1981 के लिए, जिसके द्वारा आपने मुझे हरियाणा विधान सभा द्वारा पारित धन्यवाद प्रस्ताव की प्रति प्रेशित की है, आभार प्रकट करता हूं। कृपया मेरी ओर से उनके प्रति प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए कृतज्ञता एवं सराहना व्यक्त कर दें।

वर्श 1981–82 के बजट की डिमान्ड्ज फार ग्रांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनराराम्भ)

लोक निर्माण मंत्री (कंवर रामपाल सिंह): स्पीकर साहब, डिमांड नं. 8 के बारे में बहुत से सदस्यों ने सदन में आपतियां उठाई और अपने अपने एरिये की समस्यायें सदन में रखी। मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि पिछले साल बजट में केवल साढ़े 15 करोड़ रूपये का प्रोवीजन था जिससे 850 किलोमीटर सड़कें इस साल के अन्दर अन्दर कम्पलीट करके दे देंगे। स्पीकर साहब, सड़कों की डिमांड हर तरफ से बढ़ती जा रही है और डिमांड को देखते हुए सरकार का यह फैसला है कि 31 मार्च तक, डायरैक्टरी में जितने गांव हैं, उनको सड़कों से जोड़ना है। इसके साथ ही साथ सरकार ने यह भी फैसला लिया था कि जमुना नदी की बैल्ट और साहिबी नदी के आसपास के कुछ गांव हैं जिनको सड़कों के साथ कुनैक्ट किया जाए, लेकिन इन पर खर्चा ज्यादा होने की वजह से टेक अप नहीं किया जा सका, केवल 170 गांवों को चूना गया और यह फैसला ले लिया गया कि इन 170 गांवों को 1980–81 के दौरान टेक आप किया जाएगा। लेकिन स्पीकर साहब, इन गांवों में कुछ सड़कें ऐसी है जिनको हम जरूर बनाना चाहते थे लेकिन अलाइमैंट के झगड़ों की वजह से बहुत सारे केसिज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चले गये हैं और कोर्ट से स्टेट ले लिया है, जिसकी वजह से काम चालू नहीं हो सकता। मैं हाउस को वि वास दिलाना चाहता हूं

कि जिन सड़कों पर हाई कोर्ट ने स्टे दे दिया है, इनको छोड कर 170 गांवों में से स्टे आर्डर वाले गांवों को निकाल कर, जो बाकी बचते हैं, जो हिली एरियाज में पड़ते हैं, इनको और डायरैक्टरी में जो गांव हैं, इनको 31 मार्च तक सड़कों से जोड़ देंगे।

अध्यक्ष महोदय, मेरे कुछ साथियों ने अपने अपने हल्के सक संबंधित प्वायंट्स उठाये हैं। हांसी स्कूल की रिपेयर करवाने का जिकर यिका गया। माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि उस स्कूल की अब तक रिपेयर क्यों नहीं हुई ? मैं अपने साथियों को बताना चाहता हूं कि इसकी रिपेयर के लिए बजट में रूपया सैंक ान हुआ था लेकिनइस बिल्डिंग की इतनी खस्ता हालत है कि अगर रिपेयर पर खर्चा कर दिया जाए तो भी वह बिल्डिंग बच्चों के बैठने के काबिल नहीं बन सकती। एजुके ान डिपार्टमैंट का लिख कर भेज दिया है कि इस बिल्डिंग की रिपेयर नहीं हो सकती, सारी की सारी बिल्डिंग दोबारा बनाई जाएगी, लेकिन यह फण्ड्ज की अवेलेबिलिटी पर डिपैंड करता है। अगर फण्ड्ज होंगे तो दोबारा बना देंगे। स्पीकर साहब, इसके इलावा हांसी हौस्पिटल का भी जिकर आया कि इसमे ंबड़ी स्ला प्रोग्रैस है। मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि यह हौस्पिटल कम्पली ान के नजदीक है। जितना पैसा हमने इसमें रखा था, यानी हैल्थ डिपार्टमैंट ने जितना रूपया खर्च करने के लिए दिया था, वह 31 माच्र तक पूरे का पूरा खर्च कर देंगे और एक पैसा भी लैप्स नहीं होने देंगे। जहां तक अगले साल का सवाल है, जितना पैसा अगले

साल के बजट में से मिलेगा, उसको खर्च करके कम्पलीट करने की कोि ा ा करेंगे।

स्पीकर साहब, चौधरी लहरी सिंह जी ने भगना नदी पर कालपीजोली के स्थान पर ब्रिज बनाने का जिकर किया है। मैं मानता हूं कि यह ब्रिज जरूरी है क्यों कि मैंने मौका देख है। इस ब्रिज का डिजाईन तैयार करने के लिए केस इरीगे ान डिपार्टमैंअ को भेजा था, अभी अभी क्लीयर होकर आया है, इसके एस्टीमेट्स बनकर आये हैं लेकिन अधिकारियों की तरफ से कुछ औब्जर्वे ान्ज हैं इसलिए बैंक रैफरैंस किया गया है। हम जल्दी ही एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल लेकर इस पर काम चालू करेंगे। स्पीकर साहब, गांव खड़कला के बारे में माननीय सदस्य ने जिकर किया कि एप्रेच रोड बनाई जाए। यह गांव तो एप्रोच रोड से आलरेडी कुनैक्टिड है। माननीय सदस्य दूसरी तरफ से यानी डुपलीकेट सड़क की मांग कर रहे ंहै। मैं सदन को बताना चाहता हूमं कि सरसा से खड़कला तक की सड़क को सैंक ान कर दिया है लेकिन फण्ड्ज न होने की वजह से इस सड़क को टेक अप नहीं किया गया, उम्मीद है अगल साल इसको टेक अप कर लिया जाएगा।

श्री रघुनाथ गोयल भाायद गोंग या गोंध जेसे गांवो का जिकर कर रहे थे। जहां तक गोंग या गोंध गांवों का ताल्लुक है, ये दोनो गांव आलरेडी सड़क से कुनैक्टिड हैं। इन्होंने रेलवे स्टे ान वाली सड़क का जिकर किया। यह सड़क जरूरी है और

इसको हमने टेक अप किया है वर्क इन प्रोग्रैस है काम हो रहा है और उम्मीद है यह काम जल्दी ही पूरा हो जाएगा।

स्पीकर साहब कामरेड भांकरलाल ने रसूलपुर का जिकर किया। इस गांव के लिए सड़के की सैक ान आ चुकी है इसके लिए अगले साल बजट में पैसा मिल जाएगा। ज्यों ही पैसा मिलेगा, इसको टेक अप किया जाएगा। स्पीकर साहब, इसी तहर बसौदी गांव की सड़क का जिकर यिका गया। मैं आनरेबल सदस्यों को बताना चाहता हूं कि यहां पर अलाइनमैंट का झगड़ा हैं, केस हाई कोर्ट में पैंडिंग है। जब तक यह डिसप्यूट खत्म नहीं हो जाता, तब तक इस रोड को टेक अप नही किया जा सकता। जब यह झगड़ा खत्म हो जाएगा, तब टेक अप कर लेंगे। स्पीकर साहब, सहोली गांव के लिए डबल लिंक का जिकर किया गया। हमारे पास फण्ड्ज नहीं है, इस साल के प्रोग्राम में भाामिल नहीं किया गया, अगर फण्ड्ज अवेलेबल हुए तो अगले साल देख लिया जाएगा। स्पीकर साह,ब इसी तरह जिन जगहो ंके लिए सडक की सैक ान आ गई है, उनको कम्पलीट किया जाएगा। श्री फतेह चन्द विज ने जमुना नदी के नजदीक रानामाजरा, मपादा, पत्थरगढ़, गुलालपुर, कि ाोपुर वगैरा कई गांवों का जिकर किया। इन गांवों को ब्रिज न होने की वजह से आने जाने में बड़ी दिक्कत है। मैं विज साहब को बताना चाहता हूं कि हम इस मामले को यू.पी. गवर्नमैंट के साथ टेक अप कर रहे है। पहले भी यह मामला टेक अप किया था, उन्होंने डिजाईन मांगा था, वह हमने भेज दिया

था। अब सै ान उठने के बाद जल्दी ही यू.पी. गवर्नमैंट के साथ मीटिंग फिक्स करके बातचीत करेंगे और हम पूरी कोि ा ा कर रहे हैं कि यह पुल जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि जमुना के आसपाल के गांवों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और हाउस से प्रार्थना करता हूं कि यह डिमांड पास की जाए।

कराधान तथा आबकारी मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): स्पीकर साहब, सुबह से कई माननीय सदस्य कह रहे हैं कि फैक्ट्रियों में हड़ताल हो रही है, यह हो रहा है, वह हो रहा है। मैं माननीय सदस्यों को दो साल की फिग्गर्ज बताना चाहताह हूं। 1978 में 126 फैक्ट्रियों में स्ट्राईक हुई या लौक आउट हुए और 1980 में केवल 75 थे। इनमें जो मेंन डेज लौंस हआ हव सन् 78 में 725684 दिन, 79 में 569743 दिन और सन् 80 में 379082 दिन। स्पीकर साहब आप देखें सन् 78–79 के मुकाबले में इस समय आधा फर्क है। यही बात हड़तालों की है। (विघ्न) बहादुरगढ़ का ये जिकर कर रहे हैं। ठीक है, एक फैक्टरी में दो तीन भाई भूख हड़ताल पर बैठे है लेकिन फैक्टरियों में कोई हड़ताल नहीं है।

डा. मंगल सैनः भूख हड़ताल पर कहां बैठे हैं ?

चौधरी मेहर सिंह राठीः बहादुरगढ़ मैं बैठे हैं, इसमें क्या बात है ?

डा. मंगल सैनः आपके हल्कै में बैठे हैं।

चौधरी मेहर सिंह राठीः जी हो, मेरे हल्के में बैठे है। उनको राईट है। हम नादर ााह तो है नहीं। हम तो लेबर को पूरा हक देते हैं।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है।

Mr. Speaker: Under what Rule?

चौधरी संत कंवरः रूल 112 के तहत। स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने कहा कि हम नादर ााह तो है नहीं।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, प्लीज मेरी बात सुन लीजिए। आज इस सरकार ने आपके बड़े अच्छे रवैये के बावजूद नादर ााह की तरह ताना ााहीपूर्ण रवैया दिखाकर हमारे एक मैम्बर को सस्पैंड किया है। (ाोर)

Mr. Speaker: This is no point of order please.

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, बड़ा अत्याचार हो रहा है। हमारी बात सुनने के लिए भी तैयार नहीं। (ाोर)

Mr. Speaker: Everybody has been given full opportunity to express himself. This is no point of order. Please take your seat.

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, जहां तक वेजिज का ताल्लुक है, हमने जनवरी, 80 में वेजिज मुकर्रर की थी। हमने वेजिज के साथ मंहगाई को लिंक कर दिया था ताकि ज्यों ज्योकं मंहगाई बड़े, खुद–ब–खुद उनकी वेजिज भी बढ़ती जाएं। आज एक मजदूर को 271 रूपये से 290 रूपये तक मंथली वेजिज मिलती है। हम इन वेजिज को समयानुसार बढ़ाते जाते है।। वैसे तो आमतौर पर पांच साल के बाद वेजिज रिवाईज होती हैं लेकिन हमने दो साल के बाद वेजिज को रिवाईज करने का फैसला किया है। स्पीकर साहब, ऐग्रीकल्चरल लेबर को हम 10 रूपया रोज देते हैं जो कि हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा है और इस तरह हमारी ऐग्रीकल्चरल लेबर को कोई ज्यादा तकलीफ नहीं है। आप भी जमींदार हैं और हम भी जमींदार हैं। हमारे यहां लेबर बाहर से आती है जिसे यू.पी., राजस्थान और दूसरी जगहों से। (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारे यहां बांउडिउ लेबर बिल्कुल नहीं है। (विघ्न) भट्ठों के बारे में स्पीकर साहब, हीरानन्द आर्य, स्वामी अग्निवे ा और गया लाल जी ने कहा कि वहां मजदूरों को बन्धुआ बना कर रखा जाता है। स्पीकर साहब, भट्ठों का सिस्टम ऐसा है कि तकरीबन 8 महीने भट्ठे चलते है। भट्ठे वाले यू.पी., मध्य प्रदे ा और राजस्थान में जाकर लेबर लाते हैं। मतलब यह कि 80–85 परसैंट लेबर बाहर से आती है। हमारे यहां तो लेबर की बड़ी प्रौब्लम है, मिलती ही नहीं। ठेकेदार वहां से ऐडवासं पेमैंट करके लेबर लाते है। (विघ्न) ठेकेदार उनसे तय कर लेते हैं और उन्हें पैसा ऐडवासं दे देते हैं, बाकी पेमैंट काम के मुताबिक दे देते है।

उन्होंने पर थाऊजैंड ईंट का रेट मुकर्रर कर रखा है। (विघ्न) जब लेबर काम करना भाुरू करती है तो भट्ठे वाले 15 दिन में पेमैंट करते है। जो पैसा उन्होंने ऐडवांस कर रखा होता है उसे वे ऐडजस्ट करते जाते हैं और कुछ पैसा उनके खर्चे के लिए दे देते हैं। 8 महीने तक यह हिसाब किताब चलता रहता है। जब भट्ठे बंद होते हैं तो लेबर हिसाब किताब करके चली जाती है लेकिन ये कहते हैं कि रोक लेते हैं। यह बात ठीक नहीं है। हो सकता है किसी भट्ठे पर ऐसा हो गया हो लेकिन आगे के लिए मैंने यह फैसला किया है कि हम अपना इंस्पैक्टर भट्ठो की इंस्पैक ान के लिए भेजा करेंगे जो यह तसल्ली किया करेंगा कि किसी मजदूर को भट्ठे पर रोक तो नहीं रखा है। अगर कोई रोकेगा तो उसके खिलाफ मैं सख्त एक ान लूंगा। हम लेबर से इन्साफ करना चाहते है। (विघ्न) स्पीकर साहब, पैसे के बारे में बात यह है कि कई जमींदार होते हैं। वे कुछ पैसा ले लेते है। इनके पास कुछ पोलिटिकल भाई भी पहुंचते है कि हमें भी हिस्सा दे दो। मान लो उसने चार हजार रूपया लिया है तो वे दो दो हजार बांट लेंगे। इसमें पोलिटिकल आदमी भी हिस्सा लेते हैं वरना लेबर कभी नहीं लड़ती, वे तो अपना ठीक हिसाब लेकर चले जाते हैं।

एक सदस्यः स्पीकर साहब, इनको बड़ा तजुरूबा है। बड़ी साफ बात बता दी।

चौधरी मेहर सिंह राठीः बिल्कुल तजुरूबा है। इसमें कोई भाक नहींख्, हम आल राउन्डर हैं। (विघ्न)

स्पीकर साहब, पक्की तारीख तो मुझे याद नहीं परन्तु भाायद 2 या 3 तारीख को मैंने रोहतक में भट्ठों के मालिकों की एक मीटिंग बुलाई है। मजदूरों के नेता भी उसमें बुलाए हैं ताकि इस बारे में हम उनको चेतावनी दे दें कि हम क्या करने जा रहे हैं। हर भट्ठे वाला और मजदूर इस बात को समझ ले क्योंकि बाद में किसी से नर्मी का बर्ताव नहीं करेंगे। इन भाब्दों के साथ स्पीकर साहब मैं प्रार्थना करता हूं कि इस डिमांड को पास कर दिया जाए।

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथा): अध्यक्ष महोदय, डिमांड नं. 23 पर, जोकि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट की हे, सबसे पहले श्री हीरा नन्द आर्य जी बोले हैं। ये कहते हैं कि हरियाणा की बसों की बड़ी बुरी हालत है जबकि पंजाब की बसें ठीक हैं और दूसरे सूबों की बसें भी ठीक है। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान के तीन प्रान्तों में – महाराश्ट्र, गुजरात और हरियाणा में, बसिज का सौ फीसदी राश्ट्रीयकरण है। इन तीनों प्रान्तों में हरियाण पहले नम्बर पर है। (सताधारी पक्ष से प्र ांसा) इन महा ाय जी को मैं एक बात बताना चाहता हूं। चंडीगढ़ से दिल्ली के लिए पंजाब, हिमाचल और हरियाणा की बसें जाती है लेकिन ज्यादातर पसैन्जर्ज हरियाणा की बसों को पसन्द करते हैं। इसी तरह से दिल्ली, राजस्थान और यू. पी. वगैरा कई जगहों के लिए बसें जाती है लेकिन वहां से भी लोग हरियाण की बसों मे ंजाना पसन्द करते है। इस वास्तें मैं

कहूंगा कि हमारी स्टेट ने इस सम्बन्ध में सबसे ऐफि ाएन्ट काम किया है।

अध्यक्ष महोदय, बलदेव तायल जी भी कह रहे थे कि बसों के बहुत ज्यादा ब्रेक–डाउन होते है। इस पर मै। आपको बताना चाहता हूं कि कई आदमियो का चलते चलते रास्ते में ही ब्रेक डाउन यानी हार्ट अटैक हो जाते हैं इसी प्रकार से गाड़ियां का ब्रेक डाउन भी कभी कभी हो जाता है। (हंसी) एक बार मैं और बलदेव तायल जी आ रहे थे। इनके पास बिल्कुल नई कार थी लेकिन वह नई कार होते हुए भी सिर्फ दो तीन किलोमीटर चलने के बाद रास्ते में ब्रेक डाउन हो गया और फिर हमने उसको धक्के मार कर काफी दूर तक चलाया। (हंसी) (ाोर)

जहां तक बसों के एक्सीडेंट का सवाल है मैं आपको बताना चाहता हूं कि इसका मेन कारण यही है कि जी.टी. रोड पर दिल्ली, कलकता, बंबई आदि कई स्थानों से ट्रक आते है। वे लम्बे सफर पर होते हैं इसलिए उनकी लापरवाही के कारण भी हमारी बसों के साथ टक्कर होने से एक्सीडैंट हो जाते हैं। दूसरा कारण यह है कि हमारे यहां सड़कें भी काफी नहीं है। इसलिए भी कभी कभी दुर्घटनाएं हो जाती है।

श्री फतेह चन्द विजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब कह रहे हैं कि आपस में दूसरी गाड़ियों के अक्रा जाने से दुर्घटनाएं हो जाती है। मंत्री महोदय

सिर्फ इतना ही बता दें कि जब से ये स्वयं मिनिस्टर बने हैं, तब से हरियाणा रोडवेज की बसों की आपस में टक्कर हो जाने से कितनी दुर्घटनाएं हुई है ? (ाोर)

Mr. Speaker: This is no point of order. This is not a question hour. (Interruptions)

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय .....

Dr. Mangal Sein: Does it behove the Hon. Minister to say such words?

Mr. Speaker: Any personal remarks which have been said against any hon. Member, will not be recorded.

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, श्री मूल चन्द मंगला जी कह रहे थे कि गुड़गांवा के अन्दर एक वर्क ााप है लेकिन वहां पर बसों की बाडीज ठीक प्रकार से नहीं बनती। मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जब मैं चौधरी देवी लाल जी के मंत्रीमण्डल में चीफ पार्लियामेन्ट्री सैक्रेट्री था तो मैंने कहा था कि हरियाणा रोडवेज की बसों की बाडी अपने हरियाणा में ही बननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब वहां से 25–30 बसों की बाडीज हर महीने निकलती हैं जिसके कारण रोडवेज को और स्टेट की एक बस की बाडी बनाये जाने पर 10–12 हजार रूपये की बचत होती है। बलदेव तायल, सुशमा स्वराज और हीरा नन्द आर्य – इनका कहीं पर भोयर था, ये अच्छी तरह से जानती है। (ाोर एवं विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, श्री फतेहचन्द विज कह रहे थे कि बसों के अन्दर बच्चों को बड़ी दिक्कत होती है। मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस समय हमारे पास 2410 बसें है। यह मैं भी मानता हूं कि हमारे पास कम बसें हैं। वैसे हमारी जरूरत के मुताबिक कम से कम अपनी स्टेट के अन्दर 5 हजार बसें होनी चाहिएं। हम प्रत्येक साल कुछ बसों को रिपलेस करते हैं और कुछ गाडियां उनकी जगह नयी खरीदते है। इनकी बात ठीक है कि गांव के अन्दर जो बसें आती हैं वे जहां से चलती हैं वही से भर जाती हैं और फिर बीच वाले गांव में से जो सवरियां चढ़नी होती है उनको बैठने के लिए जगह नहीं मिलती। ऐसा कभी कभी हो जाता है लेकिन हमारी कोि ा ा है कि इस प्रकार की दिक्कत को जल्दी से जल्दी दूर किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, श्री गया लाल जी भी कह रहे थे कि होडल के अन्दर 30–35 बसें रूकती है इसलिए वहां पर डिपू बनाया जाना चाहिए। इस संबंध में मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हम इस पर पूरी सहानुभूतिपूर्वक गौर कर रहे हैं और जल्दी ही कोई फैसला ले लेंगे। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय ऐसी कोई बात नहीं है कि हमारे पास सारी बसें ही टूटी हुई है। यह बात ठीक है कि जो बसें हमारे पास ठीक हालत में नहीं है, वे हम एप्रोच रोडज और लिंक रोडज पर चलाते हैं, लेकिन देहली, जम्मू का मीर, ग्वालियर या दूसरे

लम्बे रूटों पर जो बसें चलती हैं वे हमारी बहुत ही अच्छी बसें होती हैं इसलिए भी लोग हमारी बसों को ज्यादा पंसद करते है।

अध्यक्ष महोदय, विद्यार्थियों को जो हम कन्सै ान देते हैं उससे एक साल में करीब 50 हजार रूपये का नुक्सान होता है। इसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों को जो सुविधा दे रहे हैं उससे 3 करोड़ रूपये, सैनिकों के बच्चों को जो सुविधा देते हैं उससे 50 हजार रूपये, अपने हरियाणा के एम.एल.एज. और उसके साथ एक दूसरे और आदमी को जो सुविधा देते हैं उससे 95 हजार रूपये और पंजाब के एम.एल.एज. को भी जो सुविधा देते हैं उससे भी एक साल में करीब 15 हजार रूपये का नुक्सान प्रति वर्श हरियाणा रोडवेज को होता है।

चौधरी राम लाल वधवाः आप नुक्सान तो बता रहे हैं साथ में यह भी बता दे बसों में ओवर लोडिंग कितनी होती है ? (ाोर)

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, बलदेव तायल जी, सुशमा जी और हीरा नन्द आर्य जी ने हिसार में जा कर वहां पर यूनिवर्सिटी के लड़कों को बहकाया। इनके बहकावे में कुछ विद्यार्थी आ गए और उन्होंने हड़ताल कर दी (ाोर) बसों को नुकसान पहुंचाया और एक बस को आग भी लगा दी। वहां के डिपु को भी जलाने की कोि ा ा की गई। (ाोर)

श्री बलदेव तायलः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, अभी ये कुछ देर पहले कह रहे थे कि मेरा, हीरा नन्द आर्य और सुशमा जी का भोयर है और अब यह कह रहे है कि हमने हिसार यूनिवर्सिटी के छात्रों को भड़काया, यह बिल्कुल गलत बात है। हमने या हमारी पार्टी के किसी मैम्बर ने किसी विद्यार्थी को नहीं बहकाया। (ाोर)

चौधरी रिजक रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी जगन नाथ जी ने अपने महकमे के बारे में बड़े अच्छे तर्क दिए है। अध्यक्ष महोदय, इसी से संबधित मुझे एक किस्सा याद आ गया वह मैं आपको सुनाना चाहता हूं। चोरी के एक केस में एक वकील ने अपने कलाइंट के हक में बहत की और जब बहस खत्म करके बाहर निकल करके आये तो उसने पूछा कि बहस कैसी रही तो उसने जवाब दिया – देखिए जी, मैंने चोरी कर रखी है और मुझे यकीन हो गया है कि जैसे मैं बे–गुनाह हूं। अध्यक्ष महोदय, हजार नुक्स होने के बाद भी चौधरी जगन नाथ जी कह रहे हैं कि उन्हें यकीन हो गया है कि इस विभाग में कोई नुक्सान ही नहीं है। (ाोर एवं हंसी)

श्री अध्यक्षः अभी दो मंत्रियों ने और बोलना है इसलिए कृपया आप जल्दी खत्म करने की कोि ा ा करें। If the House agress then I apply gullotine at 14.50 hrs instead of applying it at 14.30 hrs.

Voices: We have no objection, Sir.

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, पीछे हरियाणा रोडवेज को 20 लाख रूपये का नुक्सान हुआ। इसके साथ साथ 8–6–80 को डीजल के भाव 63 परसैन्ट, पैट्रोल के 25 परसैनट, लूब्रीके ान के 20 परसैन्ट बढ़े है और सपेअर पार्ट्स के तो बढ़ते ही रहते है। इसी प्रकार से लेलैन्ड गाड़ियों के भाव 6–6–80 को 13 हजार और दूसरी के 9 हजार रूपये बढ़े। हमारे महकमे में कुछ कमियां हैं। हम ज्यादा से ज्यादा कोि ा ा करेंगे कि उनको ठीक करें।

कुछ भाई कहते हैं कि पचास परसैन्ट बसें प्राइवेट होनी चाहिए। उनको पता होना चाहिए कि जब प्राइवेट बसें होती थीं तब न कोई बस स्टैन्ड होता था और न ही कोई डिपु होता था। हांसी और रिवाडी के बस स्टैन्डों पर एक एक मील तक पे ााब की बू बाती थी। अब आप देखिए, कहीं कोई गन्दगी नहीं, बस स्टेन्डों पर ज्यादा से ज्यादा सफाई रखी जा रही है। नये से नये डिपु बनाये जा रहे हैं। पिछले दिनों यमुनानगर और सोनीपत में डिपु बनाया और फरीदाबाद में बनाने जा रहे है। हांसी में मौडर्न बस स्टैन्ड बनाने जा रहे हैं। जहां तक कप्तान मांग राम जी की बात है, उसकी तरफ भी पूरा ध्यान दिया जायेगा। अन्त में सारे हाउस से प्रार्थना है कि इस डिमान्ड को सर्वसम्मति से पास किया जायें।

स्वास्थ्य तथा पर्यटन मंत्री (श्री गजराज बहादुर नागर): स्पीकर साहब, इस सदन में कुछ साथियों ने दो तीन चीजें हैल्थ

डिपार्टमैंट से सम्बन्ध रखती हुई कहीं हैं जिसके लिए मेरा स्पश्टीकरण देना जरूरी है। तायल साहब ने फरमाया कि हांसी के हस्पताल की बिल्डिंग टूटी हुई है। इसके बारे कंवर राम पाल जी ने बता दिया, मैं उसको रिपीट नहीं करना चाहता। बिल्डिंग बन रही है, काम चालू है और सन् 1981–82 के अन्दर बनकर कम्पलीट हो जायेगी। श्री मूल चन्द मंगला ने अलावलपुर गांव क हस्पताल के लिए स्टाफ की अप्वायंटमैंट की बात कही। स्टाफ की पहले ही अप्वायंटमैंट हो चुकी है और सामान भी भेज दिया है। सी.एम. साहब ने जो कुमिटमैंट की है उसे पूरी करने जा रहे है। पलवल में तीस बिस्तरों की बजाए 60 बिस्तरों का हस्पताल बनाने के बारे में कहा। जब सी.एम. साहब ने उस हस्पताल का उद्घाटन किया था, उस वक्त मेरे सामने यह बात हुई थी। सी.एम. साहब ने कुमिटमैंट की हैं, हम उसको आनर करने जा रहे है। जैसे ही पैस का प्रावधान होगा, हम काम भ्रुरू कर देंगे। गया लाल जी ने होडल और बरौली के बारे में कहा। होडल में हस्पताल की स्कीम अप्रूव हो चुकी है, लैन्ड भी इक्वायर हो चुकी है और टेन्डर इन्वायट कर लिए है जल्दी ही काम भ्रुरू हो जायेगा। बरौली में सबसिडरी हैल्थ सैन्टर की स्कीम है। दूसरे वहां आर्युवैदिक डिस्पैंसरी पहले से चल रही है भाटिया साहब ने बी.के. हस्पताल फरीदाबाद के बारे में कहा कि सी.एम. साहब ने कुमिटमैंट की हैं उस हस्पताल को भी ठीक करायेंगे। उसके बारे में मीटिंग बुलाई है कि कौन सी तारीख से काम भ्रुरू करना है। इन भाब्दों के

साथ मैं आपसे विनती करूंगा कि इन डिमान्ड्ज को पास किया जाये।

श्रम उप–मंत्री (चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आने मुझे बोलने की पूरी छुट्टी दे दी। मैं अपने सभी भाईयों से दरखास्त करूंगा कि मुझे बीच में न टोकें। मुझे आप लोगों की बातों का जवाब देना है इसलिए मेरी बात को पहले सुन लें, उसके बाद कुछ कहें। स्पीकर साहब, सरकार जो काम कर रही है उसके बारे में हर आदमी को पता है। हाउस में कहा गया कि सभी गांवों को सड़कों से जोड़ दया जायेगा। जेसे पीने के पानी की दिक्कत है। जहां पर पानी नहीं पहुंच सकता था वहां पर हर गांव में पानी देने की पलिसी हैं। हमारे अफसर दिन रात लगे हुए हैं कि कहां कहां पर पानी की प्रोब्लम है। महेन्द्रगढ़, नारायणगढ़, कालका और भिवानी के एरिया में बहुत से ऐसे गांव हैं जहां पर पानी की बड़ी किल्लत है। मेवात के एरिया में भी काफी दिक्कत है लेकिन उनके लिए तो सरकार ने अलग बोर्ड ही बना दिया। उन लोगों का तो बेड़ा ही पार कर दिया।

स्पीकर साहब इसी सरकार ने हमारे हरिजन भाइयों के लिए यानी वाल्मीकियों के लिए जो स्वीपर का काम करते हैं, पचाय पचास रूपये प्रति महीना प्रति आदमी के हिसाब से बढ़ा दिये है। इन बेचारों की ओर आज तक किसी भी सरकार ने इतना ध्यान नहीं दिया था। जहां पहले मजदूर को पांच रूपये प्रतिदिन

मिलते थे अब नौ रूपये मिलते थे अब नौ रूपये मिलते है। जो औरतें लेबर का काम करती हैं जिनके छोटे छोटे बच्चे पीछे से घर रोया करते हैं, उनके लिए हमने सैन्टर कायम कर दिये। वे अपने बच्चों को उस सैंटर में छोड़ कर काम पर जा सकती है। उन को खुराक और दूसरी सहूलियतैं सब फ्री मिलती है। इन औरतों को पहले पांच रूपये मजदूरी मिलती थी अब नौ रूपये कर दी है। स्पीकर साहब, मैंने जो भी बात असैम्बली में कही वह गलत नहीं कहीं। पहले मंसूरी में मजदूरों के लिये रैस्ट हाउस होता था लेकिन अब उसको बंद करके हरिद्वार में रैस्ट हाउस खोल दिया। अब मजदूर भी अपने मां–बाप, बीवी बच्चों को वहां से ले जा सकते है। वहां पर रेडियों और सारा फर्निचर रैस्ट हाउस में सरकार की तरफ से है। इसके अलावा एक बात और मैं बता देना चाहता हूं कि हमने बहुत सी जगहों पर छोटे छोटे एम्पलायमैंट एक्सजेंच के दफ्तर खोल दिये है। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी रिजक रामः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक गुजारि । है कि जिस दिन चौधरी लाल सिंह का प्रोग्राम हो, उस दिन मुख्य मंत्री जी को रैस्ट करना चाहियें।

चौधरी लाल सिंहः मैं ताउड़ू में एम्पलायमैंट एक्सचेंज का दफ्तर खोल कर आया हूं। ताकि वहां के लोगों को इधर–उधर आने जाने में तकलीफ न हो। इसके बाद मैं आपकी मार्फत गन्ने के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। आज तक किसी सरकार ने किसान को 26 रूपये क्विंटल गन्ने का भाव कभी नहीं

दिया और यह काम केवल इसी सरकार ने किया हैं (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: Please wind up.

चौधरी लाल सिंहः इस के इलावा जो सरकार पक्की खालें बना रही है, उसका खर्चा अढ़ाई किल्ले वाले किसान के लिये बिल्कुल माफ कर दिया है और उससे ज्यादा जमीन रखने वाले को सिर्फ पचास फीसदी खर्चा देना पड़ेगा। (घंटी) अच्छा जी बड़ी मेहरबानी जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। उसके लिये आपका धन्यवाद करता हूं और अंत में यही कहता हूं कि इससे पहले किसी भी सरकार ने पब्लिक का इतना भला नहीं किया जितना इस सरकार ने किया है।

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री(श्री लछमन सिंह): स्पीकर साहब, श्री हीरा नंद आर्य जी ने डिमांड नं0 दस पर बोलते हुए कहा कि भिवानी के साथ पीने का पानी देने के बारे में डिस्किमीने ान किया जा रहा है। मैं आपके जरिये हाउस को यह बताना चाहता हूं कि भिवानी के 70 प्रति ात विलेजिज में पीने की सप्लाई हो चुका हैं जब कि बाकी हरियापणा में केवल पचास प्रति ात ही दिया जा सका है। (व्यवधान व भाोर) एक बात मंगला साहब ने कही। उनका काम जल्दी ही मुकम्मल किया जा रहा है। एक बात विज साब ने पानीपत में सीवरेज के मुताल्लिक कहीं है। उस काम के लिये 36 लाख रूपये की रा ि ा हमारे पास जमा है और 11 लाख रूपया और दिया गया है। इस काम को जल्दी ही

करेंगे। एक बात जो उन्होंने डिवीजन बनाने के मुताबिक कही इस पर सरकार विचार करेगी। क्योंकि वहां पर काम बहुत ज्यादा है। हम यह महसूस करते है कि वहां पर डिवीजन होना चाहियें। पौल्यू ान की बात चौधरी लहरी सिंह ने कही। मैंने एक क्वै चन के जवाब में भी हाउस में बताया है कि वैस्ट्रन जमुना कैनाल में गंदा पानी बहुत ज्यादा गिर रहा है। वहां पर तीन फैक्ट्रीज प्लांट लगाने जा रही है। मैंने उस समय भी अर्ज किया था कि स्टेट लैवल पर हम एक कमेटी गठित करने जा रहे है जो इस सारे मसले पर विचार करेगी ताकि बोर्ड की, जो इस बारे में बना हुआ ंहै कुछ मदद की जा सकें। उनको एक्सपर्टाइज मुहैया करवाने के लिये हम जल्दी ही कमेटी गठित करने जा रहे है ताकि वाटर पौल्यू ान की समस्या का हल निकाला जा सकें। अब मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि पब्लिक हैल्थ की डिमांड को पास किया जाये।

श्री अध्यक्षः अब मैं गिलोटीन एप्लाई करता हूं और मांगे वोटिंग के लिए हाउस के सामने पे ा करता हूं।

Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 210431000 for revenue expenditure and Rs. 266224600 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 8- Buildings and Roads.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 441135940 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 10- Medical and Health.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 125686105 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 12- Labour and Employment.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 47677715 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 16- Industries.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 541264795 for revenue expenditure and Rs. 103466000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 23- Transport.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 4941220 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 1- Vidhan Sabha.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 74035625 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 6- Finance.

That a sum not exceeding Rs. 64019880 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 7- Other Administrative Services.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 17422695 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 11- Urban Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 75318770 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 13- Social Welfare & Rehabilitation.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 75623000 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 18- Animal Husbandry.

That a sum not exceeding Rs. 14132420 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 19- Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 69528230 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 20- Forest.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 5834790 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come

in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 24- Tourism.

That a sum not exceeding Rs. 718482400 for revenue expenditure to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1981-82 in respect of the charges under Demand No. 25- Loans and Advances by State Government.

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

14.47 बजे

(तत्प चात् सदन भुक्रवार, दिनांक 27—3—1981 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)